Website: www.winews.in | Email: winews.in@gmail.com | दिल्ली, नोएडा,हापुड़, फरीदाबाद, मोदीनगर, मेरठ, सहारनपुर, मुजफ्फरनगर, रूड़की, हरिद्वार, देहरादून, मुरादाबाद, बुलंदशहर, अलीगढ़ मथुरा, आगरा,राजस्थान, पंजाब, बहराइच,रामपुर, लखनऊ, काशीपुर, देवन्बद में प्रसारित

दैनिक

वेलकम इंडिया

गाजियाबाद से प्रकाशित हिन्दी दैनिक

नये भारत की नई सोच

RNI NO. UPHIN/2018/76874

वर्ष: 07 अंक: 73 | बुधवार, 18 मार्च-2026 (गाजियाबाद) | पेज-8 | मूल्य-एक रुपया

गुजरात पहुंचा नंदा देवी जहाज, यूएई से सुरक्षित भारत आ रहा पोत जग लाडकी

वेलकम इंडिया नेटवर्क

गुजरात। पश्चिम एशिया में जारी तनाव के बावजूद भारत के लिए एलपीजी और कच्चा तेल लेकर आए भारतीय ध्वज वाले टैंकर सुरक्षित रूप से गुजरात के बंदरगाहों तक पहुंच रहे हैं। इससे ऊर्जा आपूर्ति को लेकर तत्काल राहत मिली है।

नंदा देवी पहुंचा वाडीनार पोर्ट

एलपीजी टैंकर 'नंदा देवी' 46,500 मीट्रिक टन एलपीजी लेकर वाडीनार पहुंचा, जहां एंकरिज क्षेत्र में शिप-टू-शिप (STS) ट्रांसफर की प्रक्रिया शुरू की जा रही है। मिली जानकारी के मुताबिक, 'नंदा देवी' से यह एलपीजी MT BW Birch नामक दूसरे जहाज में ट्रांसफर किया जाएगा। यह ट्रांसफर आज से शुरू होने वाला है, जो देश में एलपीजी आपूर्ति को

मजबूत करने की दिशा में महत्वपूर्ण कदम माना जा रहा है। इस दौरान दीनदयाल पोर्ट अथॉरिटी (DPA) के चेयरमैन सुशील कुमार सिंह ने खुद नंदा देवी जहाज पर पहुंचकर स्थिति का जायजा लिया। उन्होंने जहाज के कैप्टन और क्रू मेंबर्स से बातचीत कर ट्रांसफर प्रक्रिया को सुचारू रूप से संचालित करने के लिए आवश्यक व्यवस्थाओं की समीक्षा की।

वहीं, यूएई के फुजैरा पोर्ट से शनिवार को रवाना हुआ क्रूड ऑयल टैंकर जग लाडकी मंगलवार दोपहर मुंद्रा पहुंचने की उम्मीद है। यह जहाज करीब 81,000 टन मुरबन क्रूड लेकर आ रहा है। खास बात यह है कि जहाज उसी दिन रवाना हुआ था, जब फुजैरा के तेल टर्मिनल पर हमला हुआ था। शिपिंग मंत्रालय के विशेष सचिव राजेश कुमार सिन्हा ने बताया कि फारस की खाड़ी क्षेत्र में काम कर रहे सभी भारतीय नाविक सुरक्षित हैं।

सूत्रों के अनुसार, शिवालिक से आए एलपीजी में से 20,000 टन मुंद्रा में उतारा जाएगा, जबकि बाकी 26,000 टन न्यू मैंगलोर पोर्ट भेजा जाएगा। वहीं नंदा देवी के एलपीजी को कांडला पोर्ट के पास वडिनार में समुद्र में ही छोटे जहाजों में ट्रांसफर किया जाएगा, जिससे अलग-अलग स्थानों तक सप्लाई की जा सके।

अधिकारियों ने बताया कि मुंद्रा पोर्ट पर विशेष स्टोरेज सुविधा मौजूद है, जहां से गैस पाइपलाइन के जरिए गांधिधाम के मिथी रोहर होते हुए गेल को भेजी जाती है और फिर राष्ट्रीय गैस ग्रिड के जरिए देशभर में सप्लाई होती है।

सरकार ने प्रमुख बंदरगाहों को जहाजों की आवाजाही पर नजर रखने और कार्गो ऑपरेशन में तेजी लाने के निर्देश दिए हैं। इसके तहत एंकरिज, बर्थ हायर और स्टोरेज शुल्क में रियायत दी जा रही है, साथ ही जवाहरलाल नेहरू पोर्ट अथॉरिटी में अस्थायी ट्रांसशिपमेंट की सुविधा भी उपलब्ध कराई गई है।

इधर, एलपीजी उत्पादन बढ़ाने के निर्देश के बाद एचपीसीएल मित्तल एनर्जी (बठिंडा) और रिलायंस रिफाइनरी (जामनगर) ने रेल रेक्स की अतिरिक्त मांग रखी है, ताकि गैस की आपूर्ति देशभर में तेजी से पहुंचाई जा सके।

राज्यसभा चुनाव में 'धोखा', ओडिशा कांग्रेस का बड़ा एक्शन, सोफिया फिरदौस समेत 3 विधायक सस्पेंड

वेलकम इंडिया नेटवर्क

ओडिशा। ओडिशा में कांग्रेस ने मंगलवार को अपने तीन विधायकों को भाजपा समर्थित निर्दलीय उम्मीदवार दिलीप राय के पक्ष में मतदान करने और उन्हें राज्यसभा चुनाव जीतने में मदद करने के आरोप में निलंबित कर दिया। इन विधायकों में सनखेमुंडी से रमेश चंद्र जेना, मोहना से दशरथी गोमांगो और बाराबती-कटक से सोफिया फिरदौस शामिल हैं। पार्टी के अनुसार, इन विधायकों ने सोमवार को राज्यसभा चुनाव के दौरान राय के पक्ष में मतदान किया था। राज्य कांग्रेस ने सोशल मीडिया पोस्ट में विधायकों के निलंबन की घोषणा करते हुए कहा कि कांग्रेस के साथ विश्वासघात करने वाले राष्ट्र के साथ विश्वासघात करते हैं। इस मामले में कांग्रेस विधायक दल के नेता रामचंद्र कदमा ने विधानसभा अध्यक्ष को दो महत्वपूर्ण पत्र लिखकर आगे की कार्रवाई की मांग की है। पहले पत्र में अध्यक्ष से दलबदल विरोधी कानून के तहत इन तीन विधायकों के खिलाफ कार्यवाही शुरू करने का अनुरोध किया गया है। पत्र में कहा गया है कि राज्यसभा चुनाव के दौरान पार्टी व्हिप जारी होने के बावजूद इन विधायकों ने क्रॉस वोटिंग की - जिसे संविधान की दसवीं अनुसूची में उल्लिखित प्रावधानों का उल्लंघन माना जा सकता है। पत्र में आगे कहा गया है कि ऐसा आचरण न केवल पार्टी अनुशासन को कमजोर करता है, बल्कि मतदाताओं द्वारा दिए गए जनादेश का उल्लंघन भी माना जाता है। इसलिए, अध्यक्ष से इस मामले का संज्ञान लेने और तत्काल आवश्यक जांच एवं अयोग्यता कार्यवाही शुरू करने का आग्रह किया गया है। क्रॉस-वोटिंग की घटना ने पार्टी के भीतर पनप रहे आंतरिक मतभेद को उजागर कर दिया है। इस कृत्य को संगठन की सामूहिक रणनीति के विरुद्ध कदम बताते हुए, पार्टी नेतृत्व ने इस बात पर जोर दिया कि अनुशासन बनाए रखना सर्वोपरि है - विशेष रूप से ऐसे समय में जब पार्टी आगामी राजनीतिक चुनावों की तैयारी कर रही है।

एलपीजी आपूर्ति संकट पर सरकार का डबल एक्शन, विवेकपूर्ण उपयोग की अपील, कालाबाजारियों पर ताबड़तोड़ छापे

वेलकम इंडिया नेटवर्क

नई दिल्ली। द्रवीकृत पेट्रोलियम गैस (एलपीजी) की संभावित कमी को लेकर बढ़ती चिंताओं के बीच, केंद्र ने सोमवार को ईंधन के विवेकपूर्ण उपयोग का आग्रह किया और पाइपलाइन द्वारा प्राकृतिक गैस (पीएनजी) के बुनियादी ढांचे के विस्तार को बढ़ावा देने का संकेत दिया। पेट्रोलियम एवं प्राकृतिक गैस मंत्रालय की संयुक्त सचिव (विपणन एवं तेल शोधन) सुजाता शर्मा ने प्रेस वार्ता में बताया कि पेट्रोल और डीजल पर्याप्त मात्रा में उपलब्ध हैं। प्राकृतिक गैस के संबंध में, जैसा कि मैंने आपको बताया, भारत सरकार प्रयास कर रही है और यदि सभी वाणिज्यिक एलपीजी उपभोक्ता पीएनजी (पेट्रोल, पेट्रोलियम और प्राकृतिक गैस) पर निर्भर हो जाएं तो यह लाभकारी होगा। शर्मा ने बताया कि प्रवर्तन कार्रवाई के संबंध में, अब तक पिछले कुछ दिनों में लगभग बारह हजार छापे मारे गए हैं। लगभग पंद्रह हजार सिलेंडर जब्त किए गए हैं। कल दिल्ली में लगभग छह सौ सिलेंडर जब्त किए गए। इसी तरह, उत्तर प्रदेश में पिछले कुछ दिनों में लगभग चार सौ पचास निरीक्षण और छापे मारे गए हैं। दस लोगों को गिरफ्तार भी किया गया है। जम्मू और कश्मीर में पांच सौ चौंसठ छापे मारे गए हैं, एफआईआर दर्ज की गई हैं और गिरफ्तारियां भी की गई हैं। केरल में लगभग एक हजार छापे और निरीक्षण किए गए हैं और घरेलू और व्यावसायिक सिलेंडर जब्त किए गए हैं। मध्य प्रदेश में भी लगभग बारह सौ छापे मारे गए हैं और लगभग अठारह सौ सिलेंडर जब्त किए गए हैं। इसके अलावा, हमारी तेल विपणन कंपनियों की निरीक्षण टीमों को भी सक्रिय किया गया है और लगभग ढाई हजार खुदरा दुकानों और एलपीजी वितरकों पर अचानक निरीक्षण किए गए हैं। भारत सरकार के जहाजरानी मंत्रालय के राजेश कुमार सिन्हा ने कहा कि खाड़ी क्षेत्र में हमारे सभी नाविक और जहाज सुरक्षित हैं... पिछले 24 घंटों में, खाड़ी क्षेत्र में अपनी ड्यूटी पूरी करने के बाद 161 भारतीय नाविकों को स्वदेश वापस भारत लाया गया है। यह कार्य हमारे दूतावासों और मिशनों के समन्वय से किया गया। दूसरा एलपीजी वाहक, नंदा देवी, आज सुबह लगभग 2:30 बजे कांडला पहुंचा, और अब दोनों एलपीजी वाहकों, शिवालिक और नंदा देवी से माल उतारा जा रहा है। कई जहाजों से माल उतारा जा रहा है। नंदा देवी से माल उतारने की प्रक्रिया जहाज-से-जहाज, यानी मुख्य जहाज से सहायक जहाज तक है।

पश्चिम बंगाल चुनाव से पहले चुनाव आयोग का बड़ा एक्शन, 19 सीनियर आईपीएस अधिकारियों का ट्रांसफर

वेलकम इंडिया नेटवर्क

बंगाल। आगामी विधानसभा चुनावों की तैयारियों में तेजी आने के साथ ही, चुनाव आयोग ने पश्चिम बंगाल में 19 वरिष्ठ पुलिस अधिकारियों के तबादलों का एक नया दौर शुरू किया है। प्रमुख तबादलों में, आईपीएस अधिकारी राजेश कुमार सिंह को दक्षिण बंगाल का नया अतिरिक्त महानिदेशक (एडीजी) नियुक्त किया गया है। के. जयरामन उत्तर बंगाल के एडीजी का कार्यभार संभालेंगे। आधिकारिक बयान के अनुसार, दोनों अधिकारी 1997 बैच के हैं। कई नए पुलिस आयुक्तों की तैनाती भी महत्वपूर्ण शहरी क्षेत्रों में की गई है। प्रणव कुमार अब पश्चिम बर्धमान जिले के आसनसोल-दुर्गापुर के पुलिस आयुक्त के रूप में कार्यभार संभालेंगे। अखिलेश कुमार चतुर्वेदी को हावड़ा का पुलिस आयुक्त बनाया गया है, जबकि अमित कुमार सिंह उत्तर 24 परगना के बैरकपुर जिले के प्रमुख होंगे।

सुनील कुमार यादव को हुगली जिले के चंदननगर का पुलिस आयुक्त बनाया गया है। इसके अलावा, चुनाव आयोग ने कई जिलों के नेतृत्व में फेरबदल के आदेश दिए हैं। 12 जिलों में नए पुलिस अधीक्षकों की नियुक्ति की गई है।

पुष्पा बारासात, जसप्रीत सिंह कूच बिहार और सूर्य प्रताप यादव बीरभूम में कार्यभार संभालेंगे। कुमार सनी राय को हुगली ग्रामीण में तैनात किया गया है, जबकि ईशानी पॉल डायमंड हार्बर की देखरेख करेंगी। सचिन को मुर्शिदाबाद और अलकनंदा भवाल को बसीरहाट में नियुक्त किया गया है। अन्य नियुक्तियों में अनुपम सिंह को मालदा, अंशुमन साहा को पूर्वी मेदिनीपुर और सुरिंदर सिंह को जंगीपुर में नियुक्त किया गया है। राकेश सिंह इस्लामपुर के पुलिस अधीक्षक के रूप में कार्य करेंगे और पापिया सुल्ताना को पश्चिम मेदिनीपुर में नियुक्त किया गया है।

कोलकाता में वाईएस जगन्नाथराव को पुलिस उपायुक्त (केंद्रीय) नियुक्त किया गया है। चुनाव आयोग ने निष्पक्ष चुनाव कराने की प्रतिबद्धता जताई है। चुनाव आयोग ने तबादलों को तत्काल लागू करने का निर्देश दिया है और अनुपालन की रिपोर्ट 18 मार्च को सुबह 11 बजे तक देनी होगी।

स्थानांतरित किए गए अधिकारियों को चुनाव संबंधी कार्य नहीं सौंपे जाएंगे। अपने रुख की पुष्टि करते हुए एक अधिकारी ने कहा कि चुनाव आयोग पारदर्शी, भयमुक्त, हिंसामुक्त और प्रलोभनमुक्त चुनाव कराने के लिए प्रतिबद्ध है। चुनाव तिथियों की घोषणा के बाद आयोग द्वारा की गई पिछली कार्रवाइयों के बाद यह फेरबदल किया गया है।

मुख्य सचिव नंदिनी चक्रवर्ती और गृह सचिव जगदीश प्रसाद मीना का तबादला किया गया, जबकि पुलिस महानिदेशक पीयूष पांडे और कोलकाता पुलिस आयुक्त सुप्रतिम सरकार को उनके पदों से हटा दिया गया। पश्चिम बंगाल विधानसभा की 294 सीटों के लिए चुनाव दो चरणों में 23 अप्रैल और 29 अप्रैल को होने हैं। मतगणना 4 मई को होगी।

बैंकों की 'रिश्वतखोरी' की भेंट चढ़ी योगी सरकार की MSME योजना

बैंकों का 'नंगा नाच': योगी सरकार की MSME योजना को दीमक की तरह चाट रहे रिश्वतखोर बैंक अधिकारी!

'ईज ऑफ डूइंग' नहीं, 'ईज ऑफ रिश्वतखोरी'

प्रवीण सिंह कुशवाहा

गाजियाबाद (वेलकम इंडिया)। उत्तर प्रदेश की योगी सरकार ने टरटए सेक्टर को पंख देने के लिए जिस महत्वाकांक्षी योजना को लागू किया था, बैंक अधिकारियों ने उसे 'लूट खसोट' का जरिया बना लिया है। कागजों पर जो योजना व्यापारियों के लिए 'संजीवनी' थी, धरातल पर वह बैंकों के भ्रष्टाचार की बलि चढ़ रही है। छोटे और मंझोले व्यापारियों का आरोप है कि बैंक अब सेवा केंद्र नहीं, बल्कि 'अवैध वसूली' के केंद्र बन गए हैं। चाहे नया लोन लेना हो, पुरानी लिमिट रिन्यू करानी हो या ट्रांजैक्शन बढ़ाना हो, हर मेज पर एक ही भाषा बोली जा रही है, और वो है 'रिश्वत'

बिना नोटिस अकाउंट ब्लॉक, फिर ब्लैकमेलिंग का खेल

बैंकों की तानाशाही के 4 मुख्य हथियार:

- बिना बताए अकाउंट ब्लॉक करना
- लिमिट रिन्यूअल के नाम पर फिक्स्ड 'रेट'
- ट्रांजैक्शन रोकने की धमकी देकर वसूली
- योजनाओं के नाम पर ग्राहकों से बदसलूकी

बैंकों की कार्यप्रणाली इस कदर तानाशाही हो गई है कि बिना किसी ईमेल या लिखित नोटिस के व्यापारियों के चालू खाते (Current Accounts) अचानक ब्लॉक कर दिए जाते हैं। जब परेशान व्यापारी बैंक पहुंचता है, तो उसे नियमों का हवाला देकर डराया जाता है। सूत्रों का कहना है कि यह 'ब्लैकिंग' जानबूझकर की जाती है ताकि व्यापारी घबराकर अधिकारियों की 'रिश्वत' की मांग पूरी कर दे।

रिश्वत मिलते ही वही ब्लॉक अकाउंट जादुई तरीके से एक्टिव हो जाता है। यह सीधा-सीधा मानसिक और आर्थिक उत्पीड़न है।

MSME सेक्टर में त्राहि-माम, सरकार की मंशा पर पानी

मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ का लक्ष्य प्रदेश को $1 Trillion की इकोनॉमी बनाना है, जिसमें MSME की भूमिका सबसे अहम है। लेकिन भ्रष्ट बैंक अधिकारी इस लक्ष्य के बीच में 'स्पीड ब्रेकर' बने हुए हैं। व्यापारियों का कहना है कि लाभ देने का लालच देकर उन्हें फंसाया जाता है और बाद में बदसलूकी की जाती है। यदि कोई व्यापारी रिश्वत देने से मना करता है, तो उसकी फाइल महीनों तक धूल फांकती रहती है। बैंकों के इस 'नंगे नाच' से परेशान होकर कई उद्यमियों ने अपनी यूनिट्स बंद करने तक की चेतावनी दी है।

घाटे के पीछे का असली खेल, भ्रष्ट अधिकारी और कमीशनखोरी

अक्सर बैंक अपने घाटे का रोना रोते हैं, लेकिन असलियत यह है कि बैंकों को अंदर से ये 'रिश्वतखोर सफेदपोश' खोखला कर रहे हैं। कमीशनखोरी के चक्कर में पात्र व्यापारियों को लोन नहीं मिलता, जबकि अपात्रों को नियमों को ताक पर रखकर फायदा पहुँचाया जाता है। व्यापारियों ने सरकार से मांग की है कि बैंकों की विजिलेंस जांच कराई जाए और दोषी मैनेजरों व अधिकारियों पर 'बुलडोजर' जैसी कार्रवाई हो, ताकि ईमानदारी से काम करने वाले व्यापारियों को सांस लेने की जगह मिल सके।

संपादक की कलम से

परमाणु प्रसार को रोकने की जंग या उसे तेज करने की भूल?

ललित शर्मा
संपादक

परमाणु हथियारों का प्रसार आधुनिक अंतरराष्ट्रीय राजनीति की सबसे गंभीर चुनौतियों में से एक है। द्वितीय विश्व युद्ध के बाद से वैश्विक व्यवस्था का एक प्रमुख उद्देश्य यह रहा है कि परमाणु हथियारों का विस्तार सीमित रखा जाए और नए देशों को इस श्रेणी में प्रवेश करने से रोका जाए। इसी उद्देश्य से अनेक अंतरराष्ट्रीय संधियाँ, निगरानी तंत्र और कूटनीतिक पहलें अस्तित्व में आईं। इसके बावजूद समय-समय पर यह विचार सामने आता रहा है कि यदि किसी देश के परमाणु कार्यक्रम से वैश्विक या क्षेत्रीय सुरक्षा को खतरा उत्पन्न हो रहा हो, तो उसे रोकने के लिए निवारक या पूर्व-ेस्र35ी युद्ध का सहारा लिया जा सकता है। परंतु आलोचकों का तर्क है कि इस प्रकार के सैन्य हस्तक्षेप कई बार उस समस्या को हल करने के बजाय और जटिल बना देते हैं, क्योंकि वे अन्य देशों को भी परमाणु हथियार हासिल करने के लिए प्रेरित कर सकते हैं। पश्चिम एशिया में हाल के दशकों की घटनाएँ इस बहस को और अधिक प्रासंगिक बनाती हैं।

निवारक युद्ध की अवधारणा इस विचार पर आधारित है कि संभावित खतरे को उसके पूर्ण रूप लेने से पहले ही समाप्त कर दिया जाए। यदि किसी देश के पास परमाणु हथियार बनने की क्षमता विकसित हो रही है, तो कुछ शक्तियाँ यह मान सकती हैं कि सैन्य कार्रवाई करके उस कार्यक्रम को नष्ट कर देना ही सबसे सुरक्षित विकल्प है। इस रणनीति का तर्क यह है कि यदि खतरे को प्रारंभिक चरण में ही समाप्त कर दिया जाए, तो भविष्य में बड़े युद्ध या विनाश से बचा जा सकता है। परंतु व्यवहार में यह नीति कई बार अपेक्षित परिणाम नहीं दे पाती। पश्चिम एशिया इस संदर्भ में अत्यंत संवेदनशील क्षेत्र है। यहाँ लंबे समय से भू-राजनीतिक प्रतिस्पर्धा, धार्मिक-सांप्रदायिक तनाव, ऊर्जा संसाधनों पर नियंत्रण और बाहरी शक्तियों के हस्तक्षेप जैसे अनेक कारक मौजूद हैं। इस क्षेत्र में परमाणु हथियारों की संभावना को लेकर लगातार चिंता बनी रही है। कुछ देशों के परमाणु कार्यक्रमों को लेकर अंतरराष्ट्रीय समुदाय में संदेह और बहस दोनों रहे हैं। ऐसे माहौल में निवारक युद्ध या सैन्य कार्रवाई का विचार अक्सर चर्चा में आता है। इतिहास में ऐसे उदाहरण मिलते हैं जहाँ संभावित परमाणु खतरे को रोकने के लिए सैन्य कार्रवाई की गई। इन कार्रवाइयों का उद्देश्य यह था कि संबंधित देश के परमाणु बुनियादी ढाँचे को नष्ट करके उसे हथियार विकसित करने से रोका जाए। प्रारंभिक दृष्टि में यह रणनीति प्रभावी प्रतीत हो सकती है, क्योंकि इससे परमाणु कार्यक्रम को तत्काल नुकसान पहुँचता है। लेकिन दीर्घकालिक प्रभावों को देखें तो स्थिति अधिक जटिल दिखाई देती है। पहला महत्वपूर्ण पहलू यह है कि निवारक युद्ध किसी देश में असुरक्षा और अविश्वास की भावना को बढ़ा सकता है। यदि किसी राज्य को यह लगता है कि उसकी संप्रभुता और सुरक्षा को बाहरी शक्तियों से लगातार खतरा है, तो वह अपनी रक्षा को मजबूत करने के लिए अधिक आक्रामक कदम उठा सकता है। ऐसे में परमाणु हथियारों को ह्लअंतिम सुरक्षा गारंटीह्व के रूप में देखा जाने लगता है। परिणामस्वरूप वह देश अपने परमाणु कार्यक्रम को और अधिक गुप्त तथा तेज गति से आगे बढ़ाने की कोशिश कर सकता है। दूसरा पहलू क्षेत्रीय सुरक्षा संतुलन से जुड़ा है। पश्चिम एशिया में कई देश एक-दूसरे के प्रति अविश्वास और प्रतिस्पर्धा की भावना रखते हैं। यदि किसी देश के खिलाफ निवारक सैन्य कार्रवाई होती है, तो अन्य देशों को भी यह आशंका हो सकती है कि भविष्य में उनके साथ भी ऐसा हो सकता है।

दूषित जल: विकास के दावों पर एक गंभीर प्रश्न

ललित गर्ग
लेखक

अक्सर कहा जाता है कि जल ही जीवन है। किंतु यदि यही जल दूषित हो जाए तो क्या उसे जीवन का आधार कहा जा सकता है? सच तो यह है कि दूषित जल जीवन को बचाने के बजाय उसे संकट में डाल देता है। आज भारत सहित पूरी दुनिया में स्वच्छ जल की उपलब्धता एक बड़ी चुनौती बनती जा रही है। विडंबना यह है कि जिस देश में नदियों को माता का दर्जा दिया जाता है और जल को जीवन का मूल तत्व माना जाता है, वहीं करोड़ों लोग आज भी स्वच्छ पेयजल से वंचित हैं। यह स्थिति केवल संसाधनों की कमी का परिणाम नहीं है, बल्कि कहीं न कहीं नीतिगत कमजोरियों, प्रशासनिक उदासीनता और विकास के असंतुलित मॉडल की भी देन है। पिछले कुछ वर्षों में भारत सरकार ने पेयजल की उपलब्धता बढ़ाने के लिए कई महत्वाकांक्षी योजनाएं शुरू की हैं। वर्ष 2019 में आरंभ हुआ जल जीवन मिशन इसी दिशा में एक बड़ा कदम माना गया। इस योजना का उद्देश्य था कि देश के हर ग्रामीण परिवार को नल के माध्यम से स्वच्छ पेयजल उपलब्ध कराया जाए। इसके अतिरिक्त नदियों की स्वच्छता के लिए नमामि गंगे जैसी परियोजनाएं भी शुरू की गईं। इन योजनाओं के कारण पाइपलाइन के माध्यम से जल आपूर्ति में उल्लेखनीय वृद्धि हुई है। जहां वर्ष 2019 में केवल लगभग 16.7 प्रतिशत ग्रामीण घरों तक नल का पानी पहुंचता था, वहीं 2024 के अंत तक यह आंकड़ा 80 प्रतिशत से अधिक तक पहुंच गया। यह उपलब्धि निस्संदेह महत्वपूर्ण है, किंतु केवल पाइपलाइन बिछा देने भर से समस्या का समाधान नहीं हो जाता। असली चुनौती यह सुनिश्चित करने की है कि जो पानी घरों तक पहुंच रहा है वह वास्तव में स्वच्छ और सुरक्षित भी हो।

दुर्भाग्य से जल गुणवत्ता के मोर्चे पर स्थिति उतनी संतोषजनक नहीं दिखाई देती। विभिन्न राज्यों और केंद्रशासित प्रदेशों में पेयजल के नमूनों की जांच से यह तथ्य सामने आया है कि बड़ी मात्रा में जल प्रदूषित पाया गया है। सबसे चिंताजनक बात यह है कि लिए गए दूषित नमूनों में से केवल लगभग एक चौथाई को ही शुद्ध करने के प्रयास किए गए। इसका अर्थ यह हुआ कि बड़ी संख्या में लोग अब भी दूषित पानी पीने को मजबूर हैं। यह स्थिति हमारे विकास के दावों की तार्किकता पर प्रश्नचिह्न लगाती है। यदि जल जैसे बुनियादी संसाधन की गुणवत्ता सुनिश्चित नहीं की जा सकती तो विकास की उपलब्धियां अधूरी ही मानी जाएंगी। पेयजल की गुणवत्ता का संकट केवल ग्रामीण क्षेत्रों तक सीमित नहीं है। शहरी क्षेत्रों में भी यह समस्या बराबर देखने को मिलती है। महानगरों और बड़े शहरों में तेजी से बढ़ते शहरीकरण, पुरानी पाइपलाइन व्यवस्था और सीवेज प्रबंधन की कमजोरियों के कारण जल स्रोत लगातार प्रदूषित हो रहे हैं। कई स्थानों पर पेयजल पाइपलाइन और सीवर लाइन एक-दूसरे के बेहद करीब बिछी हुई हैं। समय के साथ जब ये पाइपलाइन जर्जर हो जाती हैं तो सीवर का गंदा पानी पेयजल में मिल जाता है, जिससे गंभीर स्वास्थ्य संकट उत्पन्न हो जाता है। हाल के वर्षों में कई शहरों में दूषित पानी के कारण लोगों के बीमार पड़ने और यहां तक कि मौत होने की घटनाएं सामने आई हैं। मध्यप्रदेश के इंदौर जैसे शहर में हुई ऐसी घटनाओं ने इस खतरे की गंभीरता को और स्पष्ट कर दिया है। यह विडंबना ही है कि जो शहर स्वच्छता के लिए देश में बार-बार अग्रणी स्थान प्राप्त करता रहा है, वहीं दूषित जल के कारण लोगों की जान जाने की घटनाएं सामने आती हैं।

स्वास्थ्य विशेषज्ञ लंबे समय से यह चेतावनी देते रहे हैं कि अधिकांश बीमारियों की शुरूआत पेट से होती है और दूषित जल इसका सबसे बड़ा कारण बनता है। दस्त, उल्टी, टाइफाइड, हैजा और पीलिया जैसी जलजनित बीमारियां आज भी लाखों लोगों को प्रभावित कर रही हैं। इन बीमारियों का सबसे अधिक असर बच्चों और बुजुर्गों पर पड़ता है क्योंकि उनकी प्रतिरोधक क्षमता अपेक्षाकृत कम होती है। ग्रामीण क्षेत्रों में तो स्थिति और भी गंभीर हो जाती है, जहां स्वास्थ्य सेवाओं की उपलब्धता सीमित होती है।

ऐसे में दूषित पानी केवल एक पर्यावरणीय समस्या नहीं रह जाता, बल्कि यह सार्वजनिक स्वास्थ्य संकट का रूप ले लेता है। जल प्रदूषण के पीछे कई कारण हैं। औद्योगिक कचरे का बिना उपचार के नदियों और जलाशयों में छोड़ा जाना एक बड़ा कारण है। इसके अतिरिक्त शहरों से निकलने वाला अनुपचारित सीवेज भी बड़ी मात्रा में जल स्रोतों को प्रदूषित करता है। केंद्रीय प्रदूषण नियंत्रण बोर्ड की रिपोर्ट के अनुसार देश की सैकड़ों नदियों के अनेक नदी खंड जल गुणवत्ता के मानकों से नीचे पाए गए हैं। इसका अर्थ यह है कि हमारे जल स्रोत धीरे-धीरे प्रदूषण के गंभीर जाल में फंसते जा रहे हैं। दूसरी ओर, भूजल का अत्यधिक दोहन भी स्थिति को और जटिल बना रहा है। भारत दुनिया में सबसे अधिक भूजल निकालने वाले देशों में अग्रणी है। अत्यधिक दोहन के कारण न केवल जल स्तर गिर रहा है, बल्कि कई स्थानों पर भूजल में फ्लोराइड, आर्सेनिक और अन्य हानिकारक रसायनों की मात्रा भी बढ़ती जा रही है।

विकास की अंधी दौड़ ने भी इस संकट को बढ़ाने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई है। तेजी से फैलते शहर, बढ़ते उद्योग और बढ़ती आबादी जल संसाधनों पर भारी दबाव डाल रहे हैं। लेकिन इसके समानांतर जल प्रबंधन की व्यवस्था उतनी मजबूत नहीं हो पाई है। कई शहरों में सीवेज उपचार संयंत्रों की क्षमता पर्याप्त नहीं है, जिसके कारण बड़ी मात्रा में गंदा पानी सीधे नदियों और झीलों में पहुंच जाता है। जब यही जल स्रोत पेयजल आपूर्ति का आधार बनते हैं तो स्वाभाविक रूप से जल की गुणवत्ता प्रभावित होती है। दूषित जल का प्रभाव केवल मानव स्वास्थ्य तक सीमित नहीं रहता। इसका असर पूरे पारिस्थितिक तंत्र पर पड़ता है।

नदियों और झीलों में बढ़ते प्रदूषण से जलीय जीवों का अस्तित्व संकट में पड़ जाता है। कई प्रजातियां धीरे-धीरे समाप्त होने के कगार पर पहुंच जाती हैं। इसके अतिरिक्त दूषित जल का उपयोग जब खेती में होता है तो वह मिट्टी की गुणवत्ता को भी प्रभावित करता है और अंततः खाद्य श्रृंखला के माध्यम से मनुष्य तक पहुंचता है। इस प्रकार जल प्रदूषण का दायरा व्यापक और बहुआयामी है।

इस समस्या के समाधान के लिए केवल योजनाएं बना देना पर्याप्त नहीं है, बल्कि उनके प्रभावी क्रियान्वयन की भी आवश्यकता है। सबसे पहले पेयजल की गुणवत्ता की नियमित और पारदर्शी निगरानी सुनिश्चित की जानी चाहिए। जल के नमूने लेने की प्रक्रिया तभी सार्थक होगी जब प्रदूषित पाए जाने पर तत्काल सुधारात्मक कदम उठाए जाएं। इसके साथ ही जलापूर्ति और सीवेज व्यवस्था के बीच सुरक्षित दूरी बनाए रखना अनिवार्य किया जाना चाहिए। जिन शहरों और कस्बों में पाइपलाइन व्यवस्था दशकों पुरानी हो चुकी है, वहां उन्हें चरणबद्ध तरीके से बदलने का काम युद्धस्तर पर किया जाना चाहिए। इसके अतिरिक्त औद्योगिक प्रदूषण पर कठोर नियंत्रण भी आवश्यक है। उद्योगों को यह सुनिश्चित करना होगा कि उनका कचरा बिना उपचार के किसी भी जल स्रोत में न जाए। इसके लिए कड़े नियमों के साथ-साथ प्रभावी निगरानी तंत्र की भी जरूरत है। स्थानीय निकायों की जवाबदेही तय करना भी उतना ही महत्वपूर्ण है, क्योंकि कई बार जल आपूर्ति और उसकी गुणवत्ता की निगरानी दोनों की जिम्मेदारी उन्हीं के पास होती है। ऐसी स्थिति में पारदर्शिता की कमी हो जाती है।

निश्चिततौर यह समझना होगा कि स्वच्छ जल केवल सुविधा का विषय नहीं है, बल्कि यह प्रत्येक नागरिक का मौलिक अधिकार है। जिस प्रकार भोजन, शिक्षा और स्वास्थ्य को जीवन की बुनियादी आवश्यकताओं में शामिल किया जाता है, उसी प्रकार स्वच्छ पेयजल की उपलब्धता भी उतनी ही अनिवार्य है।

यदि देश को वास्तव में स्वस्थ और समृद्ध बनाना है तो जल की गुणवत्ता को सर्वोच्च प्राथमिकता देनी होगी। जल जीवन मिशन जैसी योजनाएं तभी पूर्ण रूप से सफल मानी जाएंगी जब हर घर तक पहुंचने वाला पानी वास्तव में स्वच्छ और सुरक्षित होगा। आज आवश्यकता इस बात की है कि जल प्रबंधन को केवल सरकारी कार्यक्रमों तक सीमित न रखा जाए, बल्कि इसे जनभागीदारी का व्यापक अभियान बनाया जाए। जब तक समाज, प्रशासन और सरकार मिलकर इस दिशा में गंभीर प्रयास नहीं करेंगे, तब तक दूषित जल का संकट पूरी तरह समाप्त नहीं हो पाएगा। स्वच्छ जल की रक्षा दरअसल जीवन की रक्षा है, और यह जिम्मेदारी हम सभी की है।

इच्छा मृत्यु : जीवन का नहीं, बल्कि पीड़ा का अंत करने की प्रक्रिया

वीरेंद्र बहादुर सिंह
लेखक

सुप्रीम कोर्ट ने गाजियाबाद के युवक हरीश राणा की स्थिति को देखते हुए उसके माता-पिता को उसके लिए पैसिव यूथेनेशिया का विकल्प चुनने की अनुमति दी है। दिल्ली के एम्स में हरीश राणा को इच्छा मृत्यु देने की प्रक्रिया शुरू की गई है। उल्लेखनीय है कि पैसिव यूथेनेशिया एक चिकित्सा प्रक्रिया है, जो एक्टिव यूथेनेशिया से अलग होती है। इसमें जीवनरक्षक और कृत्रिम उपचार बंद कर दिए जाते हैं और धीरे-धीरे मरीज का शरीर शांतिपूर्वक मृत्यु की ओर बढ़ता है।

सामान्यतः भारत में इच्छा मृत्यु को अवैध माना जाता है और सुप्रीम कोर्ट भी इसे सामान्य रूप से अनुमति नहीं देता। यह एक अनोखा मामला है, जिसमें मानवीय आधार पर मरीज को जीवन से नहीं, बल्कि पीड़ा से मुक्ति दिलाने के लिए यह निर्णय लिया गया है।

गाजियाबाद के 31 वर्षीय हरीश राणा वर्ष 2013 से पर्सिस्टेंट वेजिटेटिव स्टेट यानी कोमा में हैं। 13 वर्ष पहले सिर में लगी गंभीर चोट के बाद से उन्हें होश नहीं आया और उनके मस्तिष्क की कार्यक्षमता भी सामान्य नहीं हो सकी। डाक्टरों का मानना था कि उनके ठीक होने की संभावना अत्यंत कम है।

परिवार ने लंबे समय तक उनकी देखभाल की, लेकिन लगातार 13 वर्षों के संघर्ष के बाद हरीश के साथ-साथ उनके माता-पिता और परिवार को भी शारीरिक, मानसिक और आर्थिक कठिनाइयों का सामना करना पड़ रहा था। मरीज और उसके परिवार की इस पीड़ा को समाप्त करने के लिए यह निर्णय लिया गया।

सामान्यतः लोग इच्छा मृत्यु को जीवन समाप्त करने का अधिकार समझ लेते हैं, जिससे इस मुद्दे पर विवाद बढ़ जाता है। एक्टिव यूथेनेशिया यानी इंजेक्शन देकर जीवन समाप्त करना भारत में गैरकानूनी है। इसके विरोध में यह तर्क भी दिया जाता है कि भारत में इसकी अनुमति मिलने पर इसका व्यापक दुरुपयोग हो सकता है। हालांकि कुछ देशों, जैसे नीदरलैंड, बेल्जियम, लक्जमबर्ग, स्विट्जरलैंड और ऑस्ट्रेलिया में एक्टिव यूथेनेशिया को कानूनी मान्यता दी गई है। वहां असहनीय पीड़ा से ग्रस्त मरीज इंजेक्शन लेकर अपने जीवन का अंत कर सकते हैं।

दूसरी ओर पैसिव यूथेनेशिया एक अलग प्रक्रिया है, जो डाक्टरों की निगरानी में ही होती है। इसमें लाइफ सपोर्ट सिस्टम या कृत्रिम पोषण व्यवस्था को हटा दिया जाता है। इसके बाद धीरे-धीरे मरीज की मृत्यु हो जाती है।

यह प्रक्रिया आसान नहीं होती। इसके लिए अदालत की अनुमति आवश्यक होती है और डाक्टरों की टीम मरीज की पूरी जांच के बाद अस्पताल में यह प्रक्रिया शुरू करती है। विशेषज्ञों के अनुसार इसमें हर कदम अत्यंत सावधानी से उठाया जाता है।

डाक्टर पहले मरीज की स्थिति का आकलन करके अदालत में रिपोर्ट प्रस्तुत करते हैं और उसके आधार पर अदालत आदेश देती है। देश में ऐसे हजारों मामले हैं, जिनमें सिर में चोट लगने के बाद मरीज लंबे समय तक बेहोश रहते हैं, लेकिन हर मामले में पैसिव यूथेनेशिया की अनुमति नहीं दी जाती। हरीश राणा के मामले में प्रक्रिया शुरू हो गई है, लेकिन उनकी मृत्यु कब होगी, यह निश्चित नहीं कहा जा सकता। डाक्टरों के अनुसार पोषण बंद होने के बाद मरीज कुछ घंटों, कुछ दिनों, पंद्रह दिनों या महीनों तक भी जीवित रह सकता है। धीरे-धीरे शरीर मृत्यु की ओर बढ़ता है और केवल दर्द कम करने वाली दवाएं दी जाती हैं, ताकि मरीज को पीड़ा महसूस न हो। इस प्रकार पैसिव इच्छा मृत्यु केवल कानूनी ही नहीं, बल्कि मानवीय संवेदना और नैतिकता से जुड़ा निर्णय भी है, इसलिए इसमें अत्यधिक सावधानी बरतनी पड़ती है।

कुछ समय पहले कर्नाटक राज्य भी इस विषय को लेकर चर्चा में आया था। पिछले वर्ष कर्नाटक ने अपने नागरिकों को लिविंग विल बनाकर राइट टू डाई का अधिकार दिया था। इस व्यवस्था के तहत कोई भी व्यक्ति अपनी लिविंग विल बनाकर यह लिख सकता है कि यदि वह किसी गंभीर या असाध्य बीमारी से पीड़ित हो जाए और जीवनरक्षक उपचार का कोई विकल्प न बचे, तो डाक्टर और अस्पताल उसके निर्णय का सम्मान करें। विशेषज्ञों के अनुसार राइट टू डाई का अर्थ किसी को जीवन समाप्त करने के लिए प्रोत्साहित करना नहीं है, बल्कि असहनीय पीड़ा से जूझ रहे व्यक्ति को सम्मानपूर्वक मृत्यु का अधिकार देना है। भारत जैसे देश में, जहां सांस्कृतिक और धार्मिक विविधता है, वहां मृत्यु से जुड़े निर्णय अत्यंत संवेदनशील माने जाते हैं। कई धार्मिक मान्यताओं में मृत्यु को ईश्वर की इच्छा से जुड़ी प्रक्रिया माना जाता है। इसी कारण सरकारें और संस्थाएं इस विषय पर बहुत सावधानी से कदम उठाती हैं। कई बार डाक्टर और परिवारजन भी ऐसे निर्णय लेने से हिचकते हैं, क्योंकि बाद में कानूनी विवाद उत्पन्न होने की आशंका रहती है। साथ ही कई अस्पतालों में इस तरह की प्रक्रिया को संभालने के लिए विशेषज्ञ और तकनीकी टीमों की भी कमी है।

0 पैसिव यूथेनेशिया और राइट टू डाई में अंतर

इन दोनों अवधारणाओं को लेकर समाज में अलग-अलग मत हैं। देखने में दोनों स्थितियों में व्यक्ति का अंत होता है, इसलिए लोग इन्हें एक जैसा समझ लेते हैं। लेकिन वास्तव में दोनों में एक सूक्ष्म अंतर है। पश्चिमी देशों में कई मामलों में असहनीय बीमारी से पीड़ित व्यक्ति को इंजेक्शन देकर जीवन समाप्त कर दिया जाता है, इसे एक्टिव यूथेनेशिया कहा जाता है।

जबकि राइट टू डाई में व्यक्ति पहले से ही अपने जीवन के अंतिम समय के बारे में निर्णय ले सकता है। वह लिखित रूप में बता सकता है कि भविष्य में यदि वह असाध्य बीमारी से पीड़ित हो जाए, तो वह किस प्रकार का उपचार चाहता है या नहीं चाहता। इसे ही लिविंग विल कहा जाता है। इसमें कृत्रिम मृत्यु देने की बात नहीं होती, बल्कि व्यक्ति को प्राकृतिक मृत्यु की ओर सम्मानपूर्वक जाने देने की व्यवस्था होती है। इस स्थिति में भोजन, दवाएं या उपचार धीरे-धीरे बंद कर दिए जाते हैं और व्यक्ति को स्वाभाविक रूप से मृत्यु तक पहुंचने दिया जाता है। हालांकि आज भी भारत में यूथेनेशिया को सामान्यतः अपराध ही माना जाता है।

ओछापन

उदय किशोर साह

कविता

ओछेपन की ओछी नीच पहचान
ओछी होती है इनमें नीच ज्ञान
नीचता को कब मिला है सम्मान
नीचजन की ओछी होती है जहान

नीचता ओछा से ना करता प्यार
ओछेपन की ओछी होती संसार
ओछेजन होते हैं अक्सर गद्दार
ओछे का होता नीच ओछा विचार

नीच सोंच की नीच है ज्ञान विज्ञान
संस्कारहीन होते हैं ये लोग श्रीमान
नीचजन से कैसा होगा व्यवहार
ये गुण सब जानें है जाने है संसार

ओछेपन का होता सदैव तिरस्कार
जग वाले करते हैं नित्य ही दुत्कार
ओछे से जगवाले हैं सर्वत्र लाचार
ओछे नीच से कैसा हो व्यापार

ओछेपन व ओछी जिनकी हसरत
नीच होती है. उन सबकी फितरत
नीचता की उनकी सजी है दुकान
जग में कैसे मिले इन जन को मान

अध्ययन, मनन से संस्कार और ज्ञान के खुलते चक्षु

संजीव ठाकुर
लेखक

मनुष्य के जीवन में अध्ययन जितना आवश्यक है उतना ही आवश्यक मनन और चिंतन भी है। केवल पुस्तक पढ़ना ही संपूर्ण मानवीय उद्देश्य ना होकर उससे प्राप्त ज्ञानामृत का मनन एवं चिंतन भी अत्यंत आवश्यक है। किसी भी पुस्तक का अध्ययन मनन एवं उस पर चिंतन मनुष्य के संस्कारों को परिष्कृत करता है एवं जीवन के उच्च आदर्शों को प्राप्त करने में सदैव सहायक सिद्ध होता है। अतः मनुष्य को सदैव निरंतर ज्ञानवर्धक पुस्तकों से न सिर्फ ज्ञान प्राप्त करना चाहिए अपितु उसका निरंतर मनन तथा चिंतन भी करना होगा तब जाकर हमारे संस्कार, संस्कृति एवं जीवन के उद्देश्य सफल होंगे। महात्मा गांधी ने कहा है कि पुराने वस्त्र पहनों पर नई पुस्तकें खरीदो' उन्होंने यह भी कहा कि पुस्तकों का महत्व रत्नों से कहीं अधिक है, क्योंकि पुस्तकें अंतःकरण को उज्जवल करती हैं। सच्चाई भी यही है कि पुस्तकें ज्ञान के अंतःकरण और सच्चाईयों का भंडार होती है। आत्मभिव्यक्ति का सशक्त माध्यम भी होती हैं। जिन्होंने पुस्तके नहीं पढी हैं या जिन्हें पुस्तक पढ़ने में रूचि नहीं है वे जीवन की कई सच्चाईयों से अनभिज्ञ रह जाते हैं। पुस्तकें पढ़ने का सबसे बड़ा फायदा यह होता है कि हम जीवन की कठिन परिस्थितियों से जूझने की शक्ति से परिचित हो जाते हैं, और समस्या कितनी भी बड़ी हो हम उससे जीतकर निजात पा जाते हैं। कठिन से कठिन समय पर पुस्तकें हमारा मार्गदर्शन एवं दिग्दर्शन करती है। जिन मनीषियों ने पुस्तक लिखी है और जिन्हें पुस्तकें पढ़ने का शौक है उन्हें ज्ञानार्जन के लिए इधर-उधर भटकने की आवश्यकता नहीं होतीहैं। पूर्व राष्ट्रपति डॉ एपीजे कलाम साहब ने कहा है कि एक पुस्तक कई मित्रों के बराबर होती है और पुस्तकें सर्वश्रेष्ठ मित्र होती हैं। शिक्षाविद चार्ल्स विलियम इलियट ने कहा कि पुस्तके मित्रों में सबसे शांत व स्थिर हैं, वे सलाहकारों में सबसे सुलभ और बुद्धिमान होती हैं और शिक्षकों में सबसे धैर्यवान तथा श्रेष्ठ होती हैं। निसंदेह पुस्तकें ज्ञानार्जन करने मार्गदर्शन एवं परामर्श देने में में विशेष भूमिका निभाती है। पुस्तकें मनुष्य के मानसिक, सामाजिक, आर्थिक, सांस्कृतिक, नैतिक, चारित्रिक, व्यवसायिक एवं राजनीतिक विकास में अत्यंत सहायक एवं सफल दोस्त का फर्ज अदा करती हैं। प्राचीन काल से ही बच्चों तथा नौनिहालों के विकास के लिए पुस्तकें लिखे जाने का चलन तथा रिवाज रहा है।

'पंचतंत्र'तथा 'हितोपदेश' इसके बहुत बड़े उदाहरण हैं। पंचतंत्र, हितोपदेश में ज्ञानार्जन के लिए एवं संस्कृति सभ्यता और शिक्षा के उपयोग की बातें जो दैनिक जीवन में अत्यंत प्रभावशाली तथा उपयोगी होती है, लिखी गई हैं। और यही पुस्तकें इस देश की सभ्यता संस्कृति के संरक्षण तथा प्रचार प्रसार में अहम भूमिका निभाती आई है। इसी तरह की पुस्तकों ने ज्ञान का विस्तार भी किया है। विश्व की हर सभ्यता मे लेखन सामग्री का बड़ा ही महत्वपूर्ण योगदान रहा है। पुस्तकों के माध्यम से ही धर्म जाति संस्कृति एवं शिक्षा की मार्गदर्शिका से ही समाज आगे बढ़ा है। अच्छी किताबें अच्छे मार्गदर्शक तथा शिक्षित तथा अशिक्षित समाज को चेतना तथा सद्गुणों से संचारित करती है, व्यक्ति के अंदर मानसिक क्षमता का विकास भी होता है। ऐतिहासिक किताबें हमें इतिहास, धर्म, राजनीति, संस्कृति के अनेक पहलुओं से अवगत भी कराती है, जिससे व्यक्तित्व विकास में अत्यंत सहायता मिलती है। पुस्तकों के महत्व को देखते हुए डॉक्टर सर्वपल्ली राधाकृष्णन ने कहा कि पुस्तके वह साधन है जिसके माध्यम से हम विभिन्न संस्कृति एवं समाज के बीच सेतु का निर्माण कर सकते हैं। पुस्तके वह मित्र होती हैं जो हर परिस्थिति तत्काल में सहायक होती है, और यही कारण है कि अनेक लोग गुरुवाणी, हनुमान चालीसा अभी अपने पास रखते हैं।

वर्तमान युग डिजिटल युग कहलाता है अब इलेक्ट्रॉनिक मीडिया में प्रिंट मीडिया के स्थान पर अपने पैर जमा लिए हैं। इस डिजिटल युग में इंटरनेट का महत्व काफी बढ़ गया है। पहले हम बचपन में चंदा मामा, नंदन, बालभारती और अन्य किताबों से ज्ञान से लेकर मनोरंजन तक प्राप्त करते थे। आज इंटरनेट के बढ़ते बाजार की दिशा में युवक पुस्तकों को विभिन्न साइटों मैं खंगाल कर पढ़ लेते हैं। अब डिजिटल किताबें भी आ गई है साथ ही डिजिटल लाइब्रेरी भी धीरे-धीरे विकसित हो रही है। पर कई कंपनियां विविध किताबों को साइट पर प्रकाशित कर बच्चों के पढ़ने के लिए उपलब्ध करा रही हैं। इससे बड़ी संख्या में बच्चे पढ़ कर लाभान्वित हो रहे हैं। इस दिशा में भारत सरकार तथा राज्य सरकारों द्वारा डिजिटल कार्यक्रमों के अंतर्गत ई शिक्षा तथा ई पुस्तकों के पुस्तकालयों के माध्यम से उपलब्ध कराई जा रही पठन सामग्रियां बच्चों की जिज्ञासा को शांत करने का काम कर रही है। डिजिटल किताबों तथा पुस्तकालयों से यह लाभ है कि देश विदेश में किसी भी भाग में रहकर लोग अपनी इच्छा के अनुसार पुस्तकों पत्रिकाओं आदि को पढ़ सकते हैं। इंटरनेट अब अध्ययन का सुलभ साधन बन गया है। पर दूसरी तरफ इससे कुछ नुकसान भी हो रहे हैं, उचित मार्गदर्शन वाली किताबें न पढ़कर भ्रामक पुस्तकों का अध्ययन कर अपने को दिग्भ्रमित कर रहे हैं और इससे बच्चों का भविष्य भी प्रभावित हो रहा है। इसके लिए छोटे बच्चों को अपनी निगरानी में इंटरनेट से किताबें पढ़ने के लिए प्रोत्साहित करना अन्यथा दिगभ्रमित साहित्य बच्चों की मानसिकता पर विकृत प्रभाव डाल सकता है।

इस प्रकार हम यह कह सकते हैं कि पुस्तकें ज्ञान देने के साथ मार्गदर्शन तथा चरित्र निर्माण का सर्वोत्तम साधन है। पुस्तकों से राष्ट्र की युवा कर्ण धारों को नई दिशा दी जा सकती है तथा एकता और अखंडता का संदेश देकर एक महान और सशक्त राष्ट्र की पृष्ठभूमि रखी जा सकती है।

स्वामी, मुद्रक एवं प्रकाशक ललित कुमार द्वारा वेलकम इंडिया प्रिन्टर्स, 1/26, साउथ साइड, जी टी रोड, गाजियाबाद-201001 से मुद्रित कराकर ग्राउन्ड फ्लोर, दुर्गा टॉवर, आर.डी.सी राजनगर, गाजियाबाद 201002 से प्रकाशित किया। संपादक : ललित शर्मा
सम्पर्क सूत्रः 9891116568

किसी कानूनी विवाद की स्थिति में निपटारा गाजियाबाद न्यायालय में ही होगा।

सरस्वती इंस्टीट्यूट ऑफ मेडिकल साइंसेज, हापुड़ में सिमसर्ज 2026 का सफल आयोजन

ईआरएएसः फास्टर रिकवरी,फास्टर डिस्चार्ज' सर्जनों और चिकित्सा विशेषज्ञों की सहभागिता

हरेन्द्र शर्मा

हापुड़(वेलकम इंडिया)। हापुड़ जनपद के पिलखुवा के अनवरपुर सरस्वती इंस्टीट्यूट ऑफ मेडिकल साइंसेज (सिम्स), हापुड़ के सामान्य शल्य चिकित्सा विभाग द्वारा सिमसर्ज 2026 नामक कंटिन्यूइंग मेडिकल एजुकेशन (सीएमई) कार्यक्रम का सफल आयोजन किया गया। इस शैक्षणिक कार्यक्रम का मुख्य विषय 'ईआरएएसः फास्टर रिकवरी, फास्टर डिस्चाज' रहा,जिसका उद्देश्य आधुनिक शल्य चिकित्सा में नवीनतम ज्ञान को बढ़ावा देना,साक्ष्य-आधारित चिकित्सा पद्धतियों को प्रोत्साहित करना तथा रोगियों के बेहतर उपचार परिणामों के लिए बहु-विषयक सहयोग को मजबूत करना था।यह कार्यक्रम सरस्वती ग्रुप ऑफ इंस्टीट्यूशंस के संस्थापक एवं चेयरमैन डॉ.जे.रामचंद्रन तथा वाइस चेयरपर्सन रम्या रामचंद्रन के मार्गदर्शन में आयोजित किया गया, जिनके सतत प्रोत्साहन से संस्थान में शैक्षणिक और चिकित्सकीय उत्कृष्टता को निरंतर मजबूती मिल रही है।इस सीएमई कार्यक्रम में देश के विभिन्न प्रतिष्ठित चिकित्सा संस्थानों से आए प्रसिद्ध सर्जन, एनेस्थीसियोलॉजिस्ट, संकाय सदस्य और रेज़िडेंट डॉक्टरों ने भाग लिया तथा आधुनिक शल्य चिकित्सा से जुड़े विषयों पर गहन चर्चा और ज्ञान का आदान-प्रदान किया। कार्यक्रम की शुरूआत पारंपरिक दीप प्रज्ज्वलन समारोह के साथ हुई।

उद्घाटन समारोह में डॉ. बरखा गुप्ता (प्राचार्य एवं डीन), मेजर जनरल सी.एस. अहलूवालिया (मेडिकल सुपरिंटेंडेंट),अमित अग्रवाल (विभागाध्यक्ष, सामान्य शल्य चिकित्सा) तथा राजीव कुमार मजूमदार सहित कई गणमान्य अतिथि उपस्थित रहे। सभी अतिथियों को संस्थान के प्रति उनके महत्वपूर्ण मार्गदर्शन और योगदान के लिए सम्मानित किया गया। इस अवसर पर मेडिकल सुपरिंटेंडेंट मेजर जनरल सी.एस. अहलूवालिया ने स्वागत भाषण देते हुए शल्य चिकित्सा के बेहतर परिणामों और रोगियों की शीघ्र स्वस्थता के लिए ईआरएएस प्रोटोकॉल को अपनाने की आवश्यकता पर बल दिया।शैक्षणिक सत्रों की शुरूआत धरमशिला राहत मेडिकल सेंटर, दिल्ली के एनेस्थीसियोलॉजी, क्रिटिकल केयर एवं पेन विभाग के प्रमुख डॉ.अमित जैन के व्याख्यान से हुई। उन्होंने 'ईआरएएस में एनेस्थीसियोलॉजिस्ट की भूमिका'विषय पर प्रकाश डालते हुए सर्जरी के दौरान एनेस्थीसिया विशेषज्ञ की महत्वपूर्ण भूमिका,दर्द प्रबंधन तथा रोगियों की शीघ्र रिकवरी में उनकी भागीदारी के बारे में विस्तार से बताया। इस सत्र की अध्यक्षता डॉ.विवेक वैभव और डॉ.नियाथी ने की।दूसरे सत्र में जीएस मेडिकल कॉलेज एवं सुपर स्पेशियलिटी हॉस्पिटल, हापुड़ की प्रोफेसर एवं विभागाध्यक्ष डॉ.मधुबाला गौर ने 'ईआरएएस के चरणः प्री-ऑपरेटिव,इंट्रा-ऑपरेटिव और पोस्ट-ऑपरेटिव ऑप्टिमाइजेशन' विषय पर व्याख्यान दिया। उन्होंने सर्जरी से पहले,सर्जरी के दौरान और सर्जरी के बाद अपनाए जाने वाले साक्ष्य-आधारित प्रोटोकॉल की विस्तृत जानकारी दी,जो रोगियों की रिकवरी को तेज करने और अस्पताल में रहने की अवधि को कम करने में सहायक होते हैं। इस सत्र की अध्यक्षता प्रो. अमित अग्रवाल और डॉ.अरुण ने की।इसके बाद यशोदा मेडिसिटी, गाजियाबाद के प्रसिद्ध मिनिमल एक्सेस, रोबोटिक एवं बैरियाट्रिक सर्जन डॉ. इस्माइल खान ने 'मिनिमली इनवेसिव सर्जरी में ईआरएएस' विषय पर व्याख्यान दिया। उन्होंने बताया कि लैप्रोस्कोपिक और रोबोटिक सर्जरी के साथ ईआरएएस प्रोटोकॉल को जोड़ने से रोगियों की रिकवरी और भी तेज तथा सुरक्षित हो सकती है।इस सत्र की अध्यक्षता डॉ. राजकुमार, डॉ. मधुबाला और डॉ.भास्कर ने की।प्रातःकालीन सत्र के अंतिम व्याख्यान में इंद्रप्रस्थ अपोलो हॉस्पिटल,नई दिल्ली के वरिष्ठ वैस्कुलर सर्जन डॉ. जैसोम चोपड़ा ने 'डायबिटिक फुट, वैरिकोज वेन्स और डीप वेन थ्रॉम्बोसिस का ईआरएएस के माध्यम से प्रबंधन' विषय पर महत्वपूर्ण जानकारी साझा की। उन्होंने वैस्कुलर रोगों के प्रबंधन में ईआरएएस आधारित रणनीतियों की उपयोगिता पर प्रकाश डाला। इस सत्र की अध्यक्षता डॉ.राजेश और डॉ. शिप्रा गर्ग ने की।शैक्षणिक व्याख्यानों के बाद वैज्ञानिक शोध पत्र और पोस्टर प्रस्तुतियां आयोजित की गईं, जिनमें विभिन्न चिकित्सा संस्थानों से आए रेज़िडेंट डॉक्टरों और युवा शोधकताओं ने अपने शोध कार्य प्रस्तुत किए। इससे प्रतिभागियों के बीच अकादमिक चर्चा, नवाचार और शोध की भावना को प्रोत्साहन मिला।इन प्रस्तुतियों का मूल्यांकन डॉ. शशांक मिश्रा, डॉ.जसकीरत, डॉ. शिप्रा, डॉ.मोनिका और डॉ. राजुल की निर्णायक समिति के द्वारा किया गया। इन सत्रों का संचालन रेज़िडेंट डॉक्टर डॉ. संग्राम,डॉ.दिवाकर, डॉ. साकि ब,डॉ.ऋषिकेश, डॉ. सुवम और डॉ.फोरम ने किया।

दोपहर के बाद आयोजित सत्र में सिम्स की प्राचार्य एवं डीन डॉ.बरखा गुप्ता ने 'शल्य चिकित्सा के नैतिक और मेडिको-लीगल पहलू' विषय पर महत्वपूर्ण व्याख्यान दिया। उन्होंने आधुनिक चिकित्सा में नैतिकता,रोगी सुरक्षा और चिकित्सकों की कानूनी जिम्मेदारियों के प्रति जागरूकता के महत्व पर प्रकाश डाला। इस सत्र की अध्यक्षता राजीब कुमार मजूमदार और अमित अग्रवाल ने की। इस अवसर पर सिम्स के जनरल मैनेजर एन. वरधराजन तथा निदेशक रघुवर दत्त ने सामान्य शल्य चिकित्सा विभाग की टीम को सिमसर्ज 2026 के सफल आयोजन के लिए बधाई दी। उन्होंने आयोजन समिति के प्रयासों की सराहना करते हुए कहा कि ऐसे शैक्षणिक कार्यक्रम चिकित्सा शिक्षा,शोध और क्लिनिकल ज्ञान को सुदृढ़ बनाने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाते हैं।

कार्यक्रम के अंत में पुरस्कार वितरण समारोह आयोजित किया गया,जिसमें उत्कृष्ट शोध और प्रस्तुतियों को सम्मानित किया गया।पेपर प्रेजेंटेशन विजेता प्रथम पुरस्कार डॉ. क्षितिज (रामा मेडिकल कॉलेज)द्वितीय पुरस्कार डॉ. अंशिका (नोएडा इंटरनेशनल इंस्टीट्यूट ऑफ मेडिकल साइंसेज)पोस्टर प्रेजेंटेशन विजेता प्रथम पुरस्कार डॉ. सुवम सत्यपाथी (सिम्स, हापुड़)द्वितीय पुरस्कार डॉ. जरफीन आदिल (वीआईएमएस)इस सीएमई में एलएलआरएम मेडिकल कॉलेज,रामा मेडिकल कॉलेज,जीएस मेडिकल कॉलेज,सुभारती मेडिकल कॉलेज,वेंकटेश्वरा मेडिकल कॉलेज,नोएडा इंटरनेशनल इंस्टीट्यूट ऑफ मेडिकल साइंसेज,कलिंगा इंस्टीट्यूट ऑफ मेडिकल साइंसेज, अटल बिहारी मेडिकल कॉलेज फरीदाबाद,दीनदयाल उपाध्याय अस्पताल दिल्ली और अपोलो हॉस्पिटल बिलासपुर सहित कई प्रतिष्ठित संस्थानों के प्रतिभागियों ने भाग लिया। कार्यक्रम का सुव्यवस्थित संचालन आयोजन समिति द्वारा किया गया,जिसमें डॉ.शाश्वती दीक्षित ने प्रमुख भूमिका निभाई। कार्यक्रम का संचालन डॉ.साक्षी सलूजा और डॉ. खाव्या ए.आर. ने किया। कोषाध्यक्ष की जिम्मेदारी डॉ. रमण ने संभाली,जबकि तकनीकी सहयोग डॉ.असीत पटेल, डॉ.सुदीप श्रीवास्तव और डॉ. प्रीथी पिल्लई ने प्रदान किया।इसके अतिरिक्त आयोजन टीम में डॉ. रजत, डॉ.रवितेजा,डॉ. मल्लिका,डॉ. सिंधुजा,डॉ. रजदान,डॉ. सुमन और डॉ. उत्कर्ष ने सक्रिय भूमिका निभाई, जिनके प्रयासों से कार्यक्रम का सफल संचालन संभव हो पाया।

कार्यक्रम का समापन सामान्य शल्य चिकित्सा विभागाध्यक्ष प्रो. अमित अग्रवाल के द्वारा आभार व्यक्त करते हुए किया गया,जिसमें सभी वक्ताओं, अतिथियों,आयोजकों और प्रतिभागियों के योगदान के लिए धन्यवाद दिया गया। अंत में प्रतिभागियों के लिए हाई टी और नेटवर्किंग सत्र आयोजित किया गया, जहां सभी ने आपस में विचारों का आदान-प्रदान किया।सिमसर्ज 2026 आधुनिक शल्य चिकित्सा के क्षेत्र में ज्ञान साझा करने, नवाचार को बढ़ावा देने और सहयोग को मजबूत करने का एक महत्वपूर्ण मंच साबित हुआ, जिसने सरस्वती इंस्टीट्यूट ऑफ मेडिकल साइंसेज की शैक्षणिक उत्कृष्टता और सतत व्यावसायिक विकास के प्रति प्रतिबद्धता को पुनःस्थापित किया।

फातमा हॉस्पिटल एंड मैटरनिटी सेंटर की तरफ से रोजा इफ्तार पार्टी का हुआ आयोजन

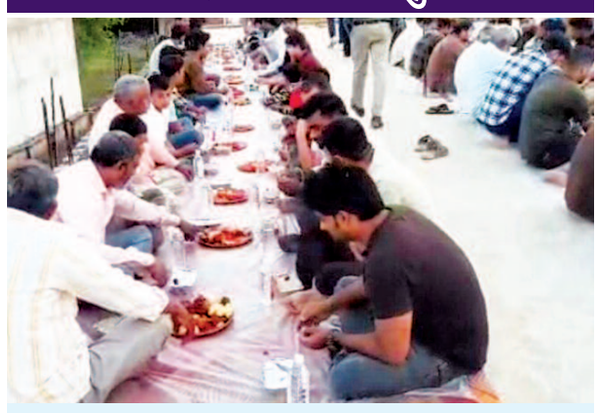

असदुल्लाह सिद्दीकी

मोहाना(वेलकम इंडिया)। जिले के सदर तहसील क्षेत्र में गौहनिया मोहाना चौक पर फात्मा हॉस्पिटल एंड मैटरनिटी सेंटर की तरफ से रोजा इफ्तार पार्टी का आयोजन किया गया।

इस रोजा अफतार पार्टी में सैकड़ो की संख्या में रोजेदारों ने शिरकत की और मगरिब की आजान होने के साथ रोजाइफ्तार किया। रोजा ईफ्तार के बाद आए हुए रोजेदारों ने मुल्क और मिल्लत के लिए परवरदिगार से दुआ की इस रोजाईफ्तार पार्टी का आयोजन फातिमा हॉस्पिटल एंड मैटरनिटी सेंटर के प्रबंधक मोहम्मद समीर की तरफ से किया गया था मोहम्मद समीर ने कहा की रोजेदारों को इफ्तार कराना सवाब का काम है आज रोजेदारों को इफ्तार कराकर वह बहुत खुश है उन्होंने कहा कि वह हर वर्ष यह नेक काम करते है और आगे भी करते रहेंगे उन्होंने मुल्क में हिन्दू और मुसलमान के बीच यकजहती कायम रखना के बात पर बल देते हुए हर किसी के त्यौहार को शांतिपूर्वक मनाने की भी अपील की। इस दौरान आसपास क्षेत्र के तमाम रोजेदार शामिल रहे।

बी आरसी नेकपुर पर एक दिवसीय ब्लॉक स्तरीय संगोष्ठी एवं उन्मुखीकरण कार्यक्रम आयोजित

वेलकम इंडिया ब्यूरो

टाण्डा। मंगलवार को एक दिवसीय ब्लाक स्तरीय संगोष्ठी एवं विद्यालय प्रबंध समिति उन्मुखीकरण कार्यक्रम का आयोजन बीआरसी नेकपुर पर जिला बेसिक शिक्षा अधिकारी विमल कुमार के निर्देशन एवं खंड शिक्षा अधिकारी मोहित कुमार के मार्गदर्शन में किया गया । संगोष्ठी को संबोधित करते हुए खण्ड शिक्षा अधिकारी भगतपुर टाँडा मोहित कुमार ने कहां कि राष्ट्रीय शिक्षा नीति 2020 की गाइडलाइन के अनुपालन में प्रदेश का प्रत्येक बच्चा विद्यालय में नामांकित कर उसको निशुल्क पाठ्यपुस्तक एवं कार्य पुस्तक स्कूल बैग जूते-मौजे मध्यान भोजन आदि सुविधा निशुल्क उपलब्ध की जानी है। इस कार्य में विद्यालय प्रबंध समिति का अहम योगदान है। एआरपी करून चौहान ने बताया कि विद्यालय प्रबंध समिति एवं स्थानीय प्राधिकारी के सदस्यों द्वारा यह सुनिश्चित करना है कि उनके गांव में रहने वाले 6 से 14 वर्ष के सभी बच्चों का विद्यालय में शतप्रतिशत नामांकन हो जाए। वरिष्ठ शिक्षक सुभाषचन्द्र ने बताया की विद्यालय प्रबंध समिति परिषदीय विद्यालयों में बच्चे एवं अध्यापकों की शतप्रतिशत उपस्थिति सुनिश्चित करना परिषदीय विद्यालयों में बच्चों को निशुल्क दो सैट यूनिफॉर्म, पाठ्य पुस्तके, कार्य पुस्तिकाएं, स्कूल बैग एवं जूते मौजे तथा मध्यान भोजन का वितरण सुनिश्चित करवाना है। के आरपी नवनीत कुमार विश्नोई ने कहा कि बाल मैत्री विद्यालय जिसमें विद्यालय का भौतिक वातावरण बालक बालिका के लिए अलग-अलग शौचालय, बच्चों के हाथ धोने की व्यवस्था, खेल का मैदान अध्यापकों द्वारा बच्चे के प्रति मित्रवत व्यवहार, भय मुक्त शिक्षा के विकास में सहयोग करना भी है। सक्रिय अध्यापक डॉक्टर रईस आलम ने बताया कि पांचवी कक्षा उत्तीर्ण सभी बच्चे निकटतम विद्यालय में कक्षा 6 में नामांकित हओं एवं आठवीं कक्षा के सभी उत्तीर्ण बच्चे निकटतम विद्यालय में कक्षा 9 में अनिवार्य रूप से नामांकित हो जाएं यह जिम्मेदारी भी एसएमसी के सहयोग से निभाई जानी है। वरिष्ठ अध्यापक शमीम अहमद बेग ने बच्चों के स्वास्थ्य से जुड़ी समस्याओं पर चर्चा करते हुए बताया कि प्रत्येक विद्यालय के 12 से 14 वर्ष के बच्चों को सर्वाइकल कैंसर की बीमारी से रोकथाम के लिए शीघ्र ही टीके लगाए जाएंगे । कार्यक्रम का संचालन सौरभ प्रसून एवं पारुल जैन द्वारा किया गया। साज सज्जा एवं जलपान की व्यवस्था इंद्रेश रानी, श्वेता बिसारिया, प्रियंका सागर एवं कार्यालय लेखाकार अब्दुल वाजिद द्वारा की गई। कार्यक्रम में करनपाल सिंह,प्रीतम सिंह, पंकज सागर, अरविंद कुमार, कुलदीप शर्मा आदि समस्त विद्यालयों के प्रधानाध्यापक, विद्यालय प्रबंध समिति अध्यक्ष, ग्राम प्रधान संगोष्ठी कार्यकता।

कविता शर्मा बनीं महिला प्रकोष्ठ की जिला अध्यक्ष, हापुड़ में खुशी की लहर

राजेंद्र सिंह

हापुड़(वेलकम इंडिया)। सनातन हिन्दू वाहिनी भारत में संगठन विस्तार के तहत महत्वपूर्ण नियुक्ति करते हुए प्रदेश अध्यक्ष औघड़ संजय नाथ योगी ने कविता शर्मा को महिला प्रकोष्ठ का जिला अध्यक्ष हापुड़ मनोनीत किया है। यह नियुक्ति महिला प्रकोष्ठ की प्रदेश अध्यक्ष बबीता चौधरी एवं प्रदेश सचिव जुगल किशोर श्रीवास्तव के अनुरोध पर की गई।इस अवसर पर गौरक्षा महासंघ के राष्ट्रीय अध्यक्ष यतेंद्र शर्मा ने प्रदेश अध्यक्ष औघड़ संजय नाथ योगी को तलवार भेंट कर सम्मानित किया।

नवनियुक्त जिला अध्यक्ष कविता शर्मा ने कहा कि संगठन ने जिस विश्वास के साथ उन्हें यह जिम्मेदारी सौंपी है, वह उसे पूरी निष्ठा, समर्पण और ईमानदारी के साथ निभाएंगी। उन्होंने कहा कि वे सनातन धर्म की रक्षा करते हुए संगठन के निदेशों का पालन करेंगी और अपने पद की गरिमा बनाए रखेंगी। कार्यक्रम के दौरान प्रदेश उपाध्यक्ष पूरण दास, जिला अध्यक्ष अमित माहेश्वरी सहित दीपक गुप्ता, राहुल अग्रवाल एवं अन्य पदाधिकारी और कार्यकर्ता उपस्थित रहे। इस नियुक्ति से जनपद हापुड़ में संगठन के पदाधिकारियों और कार्यकताओं में खुशी का माहौल है। सभी ने कविता शर्मा को फोन एवं उनके कार्यालय पहुंचकर बधाई दी।

मनरेगा भुगतान को लेकर कांग्रेस का प्रदर्शन, आंदोलन की चेतावनी

राजेंद्र सिंह

हापुड़(वेलकम इंडिया)। मनरेगा मजदूरों के बकाया भुगतान और संविदा कर्मियों के मानदेय को लेकर मंगलवार को जिला व शहर कांग्रेस कमेटी के पदाधिकारियों ने दिल्ली रोड स्थित विकास भवन पर जोरदार प्रदर्शन किया। कांग्रेसियों ने जिला कलेक्ट्रेट कार्यालय का घेराव कर भाजपा सरकार के खिलाफ नारेबाजी की और मुख्य विकास अधिकारी के माध्यम से ज्ञापन सौंपकर लंबित भुगतान की मांग उठाई।कांग्रेस जिलाध्यक्ष राकेश त्यागी और शहर अध्यक्ष इरफान अहमद के संयुक्त नेतृत्व में बड़ी संख्या में कार्यकर्ता कलेक्ट्रेट परिसर में एकत्रित हुए। इस दौरान कांग्रेस नेताओं ने आरोप लगाया कि प्रदेश में मनरेगा मजदूरों और संविदा कर्मियों का भुगतान लंबे समय से लंबित है, जिससे उन्हें आर्थिक संकट का सामना करना पड़ रहा है।जिलाध्यक्ष राकेश त्यागी ने कहा कि प्रदेश में करीब एक करोड़ मनरेगा मजदूरों को पिछले 75 दिनों से मजदूरी का भुगतान नहीं मिला है और लगभग 2000 करोड़ रुपये बकाया हैं।

साथ ही, ग्राम रोजगार सेवकों समेत करीब 40 हजार संविदा कर्मियों को पिछले 8 महीनों से मानदेय नहीं दिया गया है।शहर अध्यक्ष इरफान अहमद ने कहा कि होली से पहले ही प्रदेश अध्यक्ष अजय राय ने चेतावनी दी थी कि यदि जल्द भुगतान नहीं किया गया तो कांग्रेस सड़क पर उतरकर आंदोलन करेगी।कांग्रेस नेताओं ने सरकार को 10 दिन का समय देते हुए चेतावनी दी कि यदि इस अवधि में मजदूरों और संविदा कर्मियों का भुगतान नहीं किया गया तो व्यापक आंदोलन शुरू किया जाएगा।प्रदर्शन के दौरान पूर्व विधायक गजराज सिंह, पूर्व प्रदेश महासचिव विजय गोयल, अरविंद शर्मा, सैय्यद अयाजुद्दीन, दिनेश चंद शर्मा, डॉ. वीसी शर्मा, रजनीश त्यागी, रघुवीर सिंह, अमरनाथ शर्मा, नरेश भाटी, लाल बहादुर, रवींद्र गुर्जर, कपिल शर्मा, यशपाल ढीलौर, , बिजेंद्र त्यागी, नफीस खां, सुरेंद्र सिंह, सुबोध शास्त्री, संजय छाबड़ा, कुसुम लता, लोकपाल सागर, खुशनूद, आदेश शर्मा, अब्दुल कलाम, अफजाल आढ़ती, देवेंद्र कुमार, दिव्यांशु चतुर्वेदी, सुखपाल गौतम, गोपाल भारती, महबूब सहित अनेक कांग्रेसी कार्यकर्ता मौजूद रहे।

गन्ना भुगतान व रोजगार को लेकर भाकियू अराजनैतिक की पंचायत, 27 मार्च को शुगर मिल पर आंदोलन का ऐलान

राजेंद्र सिंह

हापुड़(वेलकम इंडिया)। भारतीय किसान यूनियन (अराजनैतिक) की मासिक पंचायत का आयोजन ग्राम सलारपुर में किया गया। पंचायत का नेतृत्व जिलाध्यक्ष पवन हूण ने किया, जबकि आयोजन सिंभावली ब्लॉक अध्यक्ष पवन फौजी के आवास पर हुआ। बैठक की अध्यक्षता श्री कटार सिंह ने की तथा संचालन प्रवेश हूण द्वारा किया गया।

पंचायत में किसानों से जुड़े विभिन्न महत्वपूर्ण मुद्दों पर विस्तार से चर्चा की गई। विशेष रूप से गन्ना भुगतान में हो रही देरी, क्षेत्र के किसानों के बच्चों को रोजगार उपलब्ध कराने, किसानों के अंश संशोधन तथा बिजली संबंधी समस्याओं को प्रमुखता से उठाया गया। किसानों ने इन समस्याओं के शीघ्र समाधान की मांग की।बैठक में निर्णय लिया गया कि यदि समस्याओं का समाधान नहीं किया गया तो भारतीय किसान यूनियन (अराजनैतिक) द्वारा 27 मार्च को सिंभावली शुगर मिल पर गन्ना भुगतान और किसान-मजदूरों के बच्चों के रोजगार की मांग को लेकर जोरदार आंदोलन किया जाएगा। पंचायत में धर्मवीर मुखिया, महेश प्रधान, श्यामवीर सिंह, मा० रामकुमार आर्य, अजय पाल सिंह, श्रीपाल सिंह, पवन कुमार, ब्रह्मपाल सिंह, डॉ० रकम सिंह, अमित कुमार, मनोज कुमार, अरविंद सिंह, कुलदीप रवि भाटी, डॉ० जितेंद्र, विजेंद्र सिंह अधाना, श्याम कुमार सहित सैकड़ों किसान उपस्थित रहे।

कांग्रेसियों ने मनरेगा को लेकर सीडीओ को दिया ज्ञापन

असदुल्लाह सिद्दीकी

सिद्धार्थनगर(वेलकम इंडिया)। जनपद सिद्धार्थनगर में महात्मा गांधी राष्ट्रीय ग्रामीण रोजगार गारन्टी योजना (मनरेगा) के अन्तर्गत कार्य करने वाले मजदूरों की मजदूरी लम्बे समय से लम्बित है, जिसके कारण गरीब मजदूरों एवं उनके परिवारों को गम्भीर आर्थिक संकट का सामना करना पड़ रहा है। इसके अतिरिक्त जनपद में कार्यरत ग्राम रोजगार सेवकों एवं अन्य संविदा कर्मियों को भी कई महीनों से उनका मानदेय प्राप्त नहीं हुआ है, जिससे उनकी स्थिति अत्यन्त दयनीय हो गई है।जिसके क्रम में मंगलवार को उत्तर प्रदेश कांग्रेस कमेटी के निर्देश पर जिलाध्यक्ष काजी सुहेल अहमद की अगुवाई में कांग्रेसियों ने जनपद मुख्यालय स्थित विकास भवन का घेराव/प्रदर्शन कर मुख्य विकास अधिकारी बलराम सिंह को ज्ञापन दिया।जिलाध्यक्ष काजी सुहेल अहमद ने सीडीओ को ज्ञापन देने के दौरान कहा कि जनपद सिद्धार्थनगर में मनरेगा मजदूरों की लम्बित मजदूरी एवं सम्बन्धित कर्मियों के बकाया मानदेय का अधिकतम 15 दिनों के भीतर भुगतान कराया जायें, ताकि प्रभावित परिवारों को शीघ्र राहत मिल सकें।यदि उपरोक्त समय सीमा के भीतर भुगतान सुनिश्चित नहीं किया जाता है, तो सभी कांग्रेसीजन बाध्य होकर आन्दोलन करने के लिए विवश होंगे, जिसकी समस्त जिम्मेदारी प्रशासन की होगी। वहीं सीडीओ को ज्ञापन देने के अवसर पर सतीश चन्द्र त्रिपाठी, रंजना मिश्रा, ओमप्रकाश दूबे, रितेश त्रिपाठी, कृष्ण बहादुर सिंह, रिजवान, शौकत अली, पन्नालाल सहानी, रुखमीना सहानी, राजन श्रीवास्तव, मुकेश कुमार, देवेन्द्र कुमार गुड्डू, अनिल सिंह अन्नू, ऋषिकेश मिश्रा, मैनुद्दीन प्रधान, सादिक अहमद, रियाज मनिहार, सुदामा प्रसाद, होरी लाल श्रीवास्तव, मुकेश चौबे, सन्तोष कुमार चौधरी, डॉ0 प्रमोद कुमार, अवध बिहारी, जुबैर खान, अर्जुन, श्याम नारायन, अकरम अली, शौकत अली, सिरपत गौड़, सुनील कुमार, जोखन प्रजापति सहित तमाम कांग्रेस जन उपस्थित रहें।

पुष्टि मार्गीय सम्प्रदाय की बहुमूल्य निधि हैं कांकरोली नरेश डॉ. वागीश कुमार महाराज

डॉ. गोपाल चतुर्वेदी

मथुरा(वेलकम इंडिया)। विश्वविख्यात द्वारकाधीश मन्दिर में श्रीराजाधिराज मंदिर एवं षष्ठीपूर्ति महोत्सव कमेटी, मथुरा के संयुक्त तत्वावधान में चल रहे अनंत विभूषित जगद्गुर श्रीमद् वल्लभाचार्य शुद्धाद्वैत तृतीय पीठाधीश्वर परम पूज्य गोस्वामी 108 डॉक्टर वागीश कुमार महाराज की षष्ठीपूर्ति (60वां अवतरण दिवस) के उपलक्ष्य में त्रि-दिवसीय महामनोरथ समारोह के अंतर्गत दूसरे दिन डेम्पियर नगर स्थित पाञ्चजन्य प्रेक्षागृह में वृहद अभिवादन समारोह धूमधाम से सम्पन्न हुआ।जिसमें देश के कई प्रख्यात संतों, विद्वानों, धमार्चार्यों, प्रशासनिक अधिकारियों, राजनेताओं व समासेवियों ने पूज्य महाराजश्री का सम्मान कर उन्हें बधाइयां दीं।

इस अवसर पर अपने विचार व्यक्त करते हुए उच्च न्यायालय, इलाहाबाद के माननीय न्यायमूर्ति एवं हाई पावर कमेटी, बांके बिहारी मन्दिर, वृन्दावन के अध्यक्ष अशोक कुमार गुप्ता एवं माननीय न्यायमूर्ति राहुल चतुर्वेदी (उच्च न्यायालय, इलाहाबाद) ने कहा कि जगद्गुर श्रीमद् वल्लभाचार्य शुद्धाद्वैत तृतीय पीठाधीश्वर गोस्वामी डॉ. वागीश कुमार महाराज के द्वारा समूचे देश में मथुरा के ठाकुर द्वारकाधीश मंदिर के अलावा लगभग 175 मंदिरों के संचालन की पूरी व्यवस्था की जाती है।

श्रीमद्विष्णुस्वामी जगद्गुरू स्वामी विजयराम देवाचार्य भैयाजी महाराज (वल्लभगढ़ वाले) एवं प्रख्यात साहित्यकार 'यूपी रत्न' डॉ. गोपाल चतुर्वेदी ने कहा कि कांकरोली नरेश डॉ. वागीश कुमार महाराज पुष्टि मार्गीय सम्प्रदाय की बहुमूल्य निधि हैं।वे बहुभाषी होने के साथ-साथ शास्त्रीय संगीत के भी महारथी हैं।

चिंतामणि कुंज के अध्यक्ष महामंडलेश्वर स्वामी डॉ. आदित्यानंद गिरि महाराज एवं डॉ. मनोज मोहन शास्त्री ने कहा कि पुष्टि मार्गीय सम्प्रादायाचार्य डॉ. वागीश कुमार महाराज सहजता,सरलता व उदारता के मूर्तिमान स्वरूप हैं। वे समूचे विश्व में श्रीकृष्ण भक्ति का प्रचार-प्रसार कर असंख्य व्यक्तियों को भक्ति के मार्ग से जोड़कर उनके कल्याण का मार्ग प्रशस्त कर रहे हैं।

अंत में अध्यक्षीय उद्बोधन देते हुए कांकरोली नरेश, तृतीय पीठाधीश्वर परम पूज्य गोस्वामी 108 डॉक्टर वागीश कुमार महाराज ने कहा कि ब्रजभूमि अत्यंत पावन व पुनीत है।ये वही दिव्य भूमि है,जिस पर परमाराध्य भगवान श्रीकृष्ण ने अपनी अनेकों लीलाएं की।यहां केवल वही आ पाते हैं, जो भगवान श्रीकृष्ण के प्रिय हैं।

महोत्सव में मुख्य रूप से आगरा के विश्व विख्यात मनकामेश्वर मंदिर के महंत योगेश पुरी महाराज, श्रीहित बड़ा रासमण्डल के श्रीमहंत लाडली शरण देवाचार्य महाराज, आचार्य/भागवत पीठाधीश्वर स्वामी मारुति नंदनाचार्य महाराज (वागीश जी), प्रख्यात भजन गायक बनवारी महाराज, भागवत विदुषी कीर्ति किशोरी, वरिष्ठ साहित्यकार डॉ. सतेन्द्र जोशी, भागवताचार्य डॉ. रामविलास चतुर्वेदी, डॉ. अशोक शास्त्री, अशोक रामायणी, प्रख्यात समाजसेविका 'पंजाब रत्न' श्रीमती मनप्रीत कौर (लुधियाना), डॉ. राधाकांत शर्मा, प्राचार्य डॉ. राजीव पाण्डेय, श्रीधराचार्य महाराज, आचार्य अंशुल पाराशर, महोत्सव के सह-संयोजक राकेश तिवारी, एडवोकेट, अधिकारी वैद्य अशोक कुमार शर्मा, सहायक अधिकारी सत्यनारायण शर्मा, समाधानीश्री ब्रजेश चतुर्वेदी, समाधानीश्री राजुभाई चतुर्वेदी, शुभमभाई शाह, ध्रुवभाई शाह, मुकेश भाई परिख, प्रकाश भाई पटेल, मुकेश भाई मेहता आदि के अलावा विभिन्न क्षेत्रों के तमाम गणमान्य व्यक्ति उपस्थित रहे।संचालन महोत्सव के संयोजक डॉ. सहदेव कृष्ण चतुर्वेदी ने किया।कार्यक्रम के अंतर्गत 'ठाकुर श्री राजाधिराज मंदिर श्री द्वारिकाधीश मंदिर, मथुरा' पुस्तक का लोकार्पण भी किया गया।

सायं काल सन्त, ब्रजवासी वैष्णव सेवा एवं वृहद भंडारा आयोजित हुआ। जिसमें असंख्य व्यक्तियों ने भोजन प्रसाद ग्रहण किया।

भ्रष्टाचार के विरुद्ध जंग ही सिकरवार जी को सच्ची श्रद्धांजलि- यूटा

सामलिया फार्म्स पर यूटा के संस्थापक राजऋषि शिवराज सिंह को दी श्रद्धांजलि

वेलकम इंडिया संवाददाता

चौमुहाँ। यूनाइटेड टीचर्स एसोसिएशन (यूटा 1739) द्वारा संस्थापक एवं राष्ट्रीय अध्यक्ष स्वर्गीय राजऋषि शिवराज सिंह सिकरवार की स्मृति में एक भावभीनी श्रद्धांजलि सभा का आयोजन किया गया। जैत शेरगढ़ रोड स्थित सामलिया फार्म पर आयोजित इस शोकसभा में जनपद एवं ब्लॉक कार्यसमिति के पदाधिकारियों सहित सैकड़ों शिक्षकों ने शिरकत की और उनके बताए मार्ग पर चलने का संकल्प लिया।

कार्यक्रम में मुख्य अतिथि के रूप में उपस्थित भारतीय किसान यूनियन के राष्ट्रीय उपाध्यक्ष एवं सामलिया फार्म के चेयरमैन ठाकुर यशवीर सिंह राघव ने स्व. सिकरवार के चित्र पर माल्यार्पण कर उन्हें नमन किया। उन्होंने कहा कि यूटा की स्थापना और शिक्षक हितों के लिए सिकरवार जी का संघर्ष अविस्मरणीय है।

यूटा के जिलाध्यक्ष चन्द्रशेखर सिंह ने उनके व्यक्तित्व पर प्रकाश डालते हुए कहा कि संगठन भविष्य में भी उनके पदचिह्नों पर चलते हुए भ्रष्टाचार के खिलाफ उनकी मुहिम को और अधिक तेज करेगा। वहीं, टीएससीटी की प्रांतीय टीम के सदस्य योगराज सिंह चाहर ने बताया कि सिकरवार जी विचारधारा से ऊपर उठकर सदैव हर शिक्षक की मदद के लिए तत्पर रहते थे।

शोकसभा के दौरान वक्ताओं ने उनके आदर्श जीवन और ईमानदारी की मिसाल पेश की। जिला मंत्री विकास यादव ने उनके निधन को शिक्षक समाज के लिए एक अपूरणीय क्षति बताया। जिला उपाध्यक्ष अमित कुमार सिंघल ने उनके विचारों को आत्मसात करने का आह्वान किया। श्रद्धांजलि देने वालों में मुख्य रूप से पवन चौधरी, विजयवीर सिंह, दिलीप सिंह, प्रकाश सिंह, रूप सिंह, नंद किशोर शर्मा, हीरेन्द्र सिंह, बंटी सिसोदिया, उमेश पंडित, ललित शर्मा, कन्हैया ठाकुर, लखन ठाकुर सहित सैकड़ों शिक्षक साथी उपस्थित रहे। सभा के अंत में सभी ने दो मिनट का मौन रखकर दिवंगत आत्मा की शांति के लिए ईश्वर से प्रार्थना की।

पीएसी के साथ पुलिस ने हटवाया अतिक्रमण

संदीप तिवारी

कछवारोड़(वेलकम इंडिया)। मिजार्मुराद पुलिस ने अधिकारियों के निर्देश पर मंगलवार की दोपहर में पीएसी बल के साथ चित्रसेनपुर स्थित सब्जी मंडी और कछवांरोड चौराहे से अवैध रूप से लगे ठेले-खोमचों को हटाकर अतिक्रमण मुक्त कराया।पुलिस ने विक्रेताओं को सड़क से दूर रहने की सख्त हिदायत दी और बोले कि किसी भी कीमत पर नाले व ओवरब्रिज के नीचे अतिक्रमण नही होना चाहिए आए दिन सब्जी मंडी व ओवरब्रिज के नीचे लग रहे जाम को देखते हुए ये अभियान डीसीपी गोमती जोन आकाश पटेल के आदेश चलाया गया है।अभियान के दौरान ठेले-खोमचों वालों अफरा तफरी मचा रहा। वही ग्रामीणों का कहना रहा कि कछवां-कपसेठी मार्ग भी ठेले-खोमचों वाले रोड के किनारे से लेकर काफी दूर तक दुकान लगाते है व ऑटो वाले मनमानी ऑटो रोड पर खड़ा किये रहते है जिससे जाम उसपर भी रहता है लेकिन स्थानीय पुलीस मौन बनी रहती है।रोज ठेला-खोमचा लगाकर परिवार चलाने वाले दुकानदारों में दुकान न लगने से परिवार के भरण-पोषण पर प्रभाव पड़ रहा है।जल्द कछवांरोड के व्यापारी अधिकारियों से मिलेंगे। चुकी करीब तीन महीनों से ये अभियान पुलिस का चल रहा है।अतिक्रमण हटाने में कछवांरोड चौकी प्रभारी रामचन्द्र यादव, एसआई महेन्द्र सरोज, मुन्ना लाल दूबे, कांस्टेबल अरुण वर्मा, सर्वेन्द्र सरोज समेत भारी संख्या में पीएसी जवान मौजूद रहे।

सेक्टर-29 में निगम पार्षद व अधिकारियों के सैक्टर के विकास कार्यों को लेकर आरडब्ल्यूए की बैठक: हरीश चन्द्र आजाद

वेलकम इंडिया संवाददाता

फरीदाबाद। समाजसेवी हरीश चन्द्र आजाद ने कहा कि सैक्टर 29 हुडडा रेजिडेन्टस वेलफेयर एसोसिएशन के नवनिर्वाचित प्रधान बलराज गुप्ता ने अपनी टीम के साथ निगम पार्षद अनिल नागर व निगम अधिकारियों के साथ बैठक करके सैक्टर के विकास और सौदर्यकरण के कई बड़े कार्य पास करवाये। सबसे पहले प्रधान बलराज गुप्ता ने अपनी टीम का परिचय निगम पार्षद, एस डी ओ व जेई के साथ करवाया और अपनी टीम के पॉकेट वाइज पदाधिकारियों को सैक्टर के कार्य करवाने का अलग-अलग जिम्मा सौंपा जिसपर पार्षद अनिल नागर व निगम अधिकारियों ने कहा कि इन सभी के द्वारा आने वाली शिकायतों का तुरन्त निवारण होगा। सबसे पहले बलराज गुप्ता ने अपने चुनावी घोषणा पत्र की माँग समुदायिक केन्द्र सैक्टर 29 की साइड में सफाई का मुदा उठाया जिसपर पार्षद अनिल नागर ने तुरन्त एक्शन लेते हुए कहा कि वहाँ पर टीन की चदरों से कवर करके कूड़ादान बनाया जायेगा और उसके बाहर कूड़ा डालने वालों पर कार्यवाही की जायेगी जिसके लिये वहाँ सीसीटीवी कैमरे लगाये जायेंगे। उसके बाद उनके चुनावी घोषणा पत्र की माँग को मानते हुए सैक्टर 29 के मेन चौराहों पर हाईमास्क लाईट लगवाई जायेंगी। पार्षद अनिल नागर ने प्रधान बलराज गुप्ता के अनुरोध पर पार्कों और मार्किट में फेसिंग लाइटें लगावाने को पास किया तथा समुदायिक केन्द्र, पैट्रोल पम्प के सामने, काली मन्दिर के सामने, होली चाईल्ड स्कूल व मकान नम्बर 271 के समाने वाले पार्क में वॉटर हार्वेस्टिगं लगाये जायेंगे ताकि बरसाती पानी को भी बचाया जा सके और जलभराव भी न हो। सैक्टर 29 का सफाई व्यवस्था के लिये लगातार सफाई कर्मचारी लगाये जायेंगे। माकन नम्बर 524 के सामने वाले पार्क में एक ओर हट पास की व उसके सौदर्यकरण के लिये जल्द कार्य किया जायेगा। सैक्टर 29 के चौराहे पर रेड लाईट भी जल्द लगवाई जायेगी। मार्किट में पेशाबघर की सफाई भी लगातार करवाई जायेगी। पार्षद अनिल नागर ने उपस्थित निगम अधिकारी एसडीओ प्रेम सैनी, जेई दीपक गुजर व दीपक और जेई इलेक्ट्रिक मनदीप को कहा कि सैक्टर 29 के विकास कार्यो में तेजी लाकर जल्द से जल्द कार्य किये जायें।

समाजसेवी हरीश चन्द्र आजाद ने निगम पार्षद अनिल नागर से कहा कि बलराज गुप्ता जी ने सैक्टर के विकास और सौंदर्यकरण की बहुत माँगे अपने चुनावी घोषणा पत्र में कही थी और इनको जल्द से जल्द पूरा करने के लिये बलराज गुप्ता वचनबद्व हैं इसके लिये आपका सहयोग इसी तरह मिलता रहना चाहिये।

पशु क्रूरता निवारण समिति का गठन, श्रेयस गुजराती को मिली जिम्मेदारी

वेलकम इंडिया संवाददाता

मथुरा(गोवर्धन)। उत्तर प्रदेश शासन के निदेर्शानुसार पशुओं के प्रति क्रूरता की रोकथाम एवं संरक्षण को सुदृढ़ बनाने के उद्देश्य से जनपद स्तर पर 'सोसाइटी फॉर प्रिवेंशन ऑफ क्रुएल्टी टू एनिमल्स (एसपीसीए)'की कार्यकारिणी का गठन किया गया है।

जारी आदेश के अनुसार विभिन्न जनपदों में समिति के पदाधिकारियों एवं सदस्यों की नियुक्ति की गई है। इसी क्रम में मथुरा जनपद के गोवर्धन क्षेत्र जतीपुरा निवासी श्रेयस गुजराती को भी समिति में सदस्य के रूप में नामित किया गया है। श्रेयस गुजराती की नियुक्ति से क्षेत्र में पशु कल्याण कार्यों को नई गति मिलने की उम्मीद जताई जा रही है। वे लंबे समय से सामाजिक गतिविधियों में सक्रिय रहे हैं और अब पशु संरक्षण एवं उनके अधिकारों की रक्षा के लिए कार्य करेंगे। श्रेयस गुजराती के गौ-सेवा के प्रति समर्पित कार्यों को देखते हुए उत्तर प्रदेश शासन ने उनको जिम्मेदारी दी है। इस समिति का मुख्य उद्देश्य पशुओं के प्रति होने वाली क्रूरता को रोकना, उनके संरक्षण के लिए जनजागरूकता बढ़ाना तथा संबंधित मामलों में प्रभावी कार्रवाई सुनिश्चित करना है। शासन के द्वारा दी गई जिम्मेदारी को देखते हुए क्षेत्र के गौ सेवकों में उत्साह का माहौल है। इस अवसर पर गौसेवक श्रेयस गुजराती ने बताया कि शासन द्वारा जो जिम्मेदारी मिली है, वह उसका पूरी निष्ठा के साथ निर्वहन करेंगे। गाय की रक्षा करना हम सबका धर्म और कर्तव्य है। सनातन धर्म में गाय को मां का दर्जा दिया गया है। सभी को गौ-रक्षा व गौ-सेवा का भाव मानकर पूरी श्रद्धा के साथ सेवा करनी चाहिए।

अत्यन्त प्राचीन और गौरवशाली परंपराएं हैं पुष्टि मार्ग संप्रदाय की : डॉ. वागीश कुमार महाराज

डॉ. गोपाल चतुर्वेदी

मथुरा(वेलकम इंडिया)। विश्वविख्यात द्वारकाधीश मन्दिर में श्रीराजाधिराज मंदिर एवं षष्ठीपूर्ति महोत्सव कमेटी, मथुरा के संयुक्त तत्वावधान में चल रहे अनंत विभूषित जगद्गुर श्रीमद् वल्लभाचार्य शुद्धाद्वैत तृतीय पीठाधीश्वर परम पूज्य गोस्वामी 108 डॉक्टर वागीश कुमार महाराज की षष्ठीपूर्ति (60वां अवतरण दिवस) के उपलक्ष्य में त्रि-दिवसीय महामनोरथ समारोह के तीसरे दिन पूज्य महाराजश्री द्वारा यमुना तट पर 1100 कमल पुष्पों से श्रीयमुना महारानी का वैदिक मंत्रोच्चार के मध्य अर्चन एवं चुनरी मनोरथ किया गया।इसके अलावा सायं काल द्वारकाधीश मन्दिर में ठाकुरश्री राजाधिराज को विशाल छप्पन भोग निवेदित किए गए।साथ ही पद गायन एवं संकीर्तन आदि के कार्यक्रम सम्पन्न हुए।इससे पूर्व ग्वाल के दर्शन, नंद महोत्सव, सोने के पलना एवं राजभोग दर्शन के साथ-साथ

द्वारकाधीश प्रभु का भव्य कुंनवारा मनोरथ तथा फूल फाग की होली के दर्शन हुए। इस अवसर पर समस्त भक्तों-श्रद्धालुओं को अपने आशीर्वचन देते हुए कांकरोली नरेश, तृतीय पीठाधीश्वर परम पूज्य गोस्वामी 108 डॉक्टर वागीश कुमार महाराज ने कहा कि पुष्टि मार्ग संप्रदाय की परंपराएं अत्यन्त प्राचीन और गौरवशाली हैं।

जिनकी स्थापना 16 वीं शताब्दी में स्वामी महाप्रभु वल्लभाचार्य ने की थी।इसीलिए इसे वल्लभ कुल भी कहा जाता है।यह 'शुद्धाद्वैत' दर्शन का पालन करता है, जहाँ ईश्वर की कृपा (पुष्टि) के माध्यम से मोक्ष से अधिक भगवान के सान्निध्य का आनंद (सेवा) मुख्य माना जाता है।

कार्यक्रम में प्रख्यात साहित्यकार 'यूपी रत्न' डॉ. गोपाल चतुर्वेदी, महोत्सव के संयोजक डॉ. सहदेव कृष्ण चतुर्वेदी एवं सह-संयोजक व मीडिया प्रभारी राकेश तिवारी, एडवोकेट, द्वारकाधीश मन्दिर, मथुरा के अधिकारी वैद्य अशोक कुमार शर्मा, सहायक अधिकारी सत्यनारायण शर्मा, समाधानीश्री ब्रजेश चतुर्वेदी, डॉक्टर मनोज मोहन शास्त्री, सचिन चतुर्वेदी, समाधानीश्री राजुभाई चतुर्वेदी, डॉ. राधाकांत शर्मा, नरेंद्र भाई शाह (नेहरू भाई), शुभमभाई शाह, ध्रुवभाई शाह, मुकेश भाई परिख, प्रकाश भाई पटेल, मुकेश भाई मेहता आदि के अलावा विभिन्न क्षेत्रों के तमाम गणमान्य व्यक्ति उपस्थित रहे।

आगरा पुलिस ने साइबर अपराधियों के खिलाफ की बड़ी कार्रवाई

मयूर खान

आगरा (वेलकम इंडिया)। आगरा के साइबर सेल ने एक साइबर धोखाधड़ी के मामले में शिकायतकर्ता के खाते में 60,000/- की संपूर्ण धनराशि वापस कराई है। अज्ञात व्यक्ति ने शिकायतकर्ता के खाते में गलती से पैसे स्थानांतरित होने का बहाना बनाकर ठगी की थी। आगरा पुलिस की अपीलः कंपनी/बैंक के कस्टमर केयर नंबर केवल आधिकारिक वेबसाइट से ही प्राप्त करें।

अज्ञात मोबाइल नंबर से कॉल आने पर निजी जानकारी साझा न करें। अनजान लिंक या APK फाइल पर बिना सत्यापन के क्लिक/डाउनलोड न करें। साइबर फ्रॉड की घटना होने पर तुरंत 1930 पर कॉल करें या नजदीकी थाना/साइबर सेल में शिकायत दर्ज कराएं।

परिषदीय विद्यालय महावन के छात्र आईआईटी मद्रास में होंगे सम्मानित

वेलकम इंडिया संवाददाता

मथुरा(बलदेव)। ओपन मेंटर ट्रस्ट विद्या शक्ति द्वारा राष्ट्रीय स्तर पर आयोजित की गई टैलेंट परीक्षा 2025 में उत्कृष्ट प्रदर्शन करने वाले परिषदीय विद्यालय पूर्व माध्यमिक विद्यालय महावन के छात्रों को अब आईआईटी मद्रास का भ्रमण करने का अवसर मिलेगा और उन्हें वहां सम्मानित किया जाएगा। विद्यालय की प्रभारी प्रधानाध्यापिका ज्योति कौशिक ने बताया कि हाल ही में ओपन मेंटर ट्रस्ट विद्या शक्ति द्वारा टैलेंट परीक्षा 2025 का राष्ट्रीय स्तर पर आयोजन किया गया था, जिसमें तमिलनाडु, कर्नाटक, अरूणाचल प्रदेश एवं उत्तर प्रदेश के बेसिक शिक्षा से जुड़े सम्पूर्ण विद्यालयों द्वारा प्रतिभाग किया गया था। इस टेलेंट परीक्षा में पूर्व माध्यमिक विद्यालय महावन की दो छात्राओं मंजू, कक्षा 7 और कृष्णा कक्षा 6 ने प्रदेश का ही नहीं बल्कि अपने विद्यालय का भी नाम रोशन किया था। इस छात्राओं को अब 13 अप्रैल 2026 से 14 अप्रैल 2026 तक आईआईटी मद्रास में आयोजित होने वाली दो दिवसीय विज्ञान कार्यशाला में प्रतिभाग करने का अवसर मिलेगा, जिससे छात्र विज्ञान और तकनीक से जुड़ी नवीनतम जानकारी प्राप्त कर सकेंगे।

त्यौहारों के दृष्टिगत सफाई व्यवस्था को दुरुस्त रखें: नगरायुक्त

जनसुनवाई में आयी पांच समस्याओं में से एक का हुआ तत्काल निस्तारण

वेलकम इंडिया संवाददाता

सहारनपुर। आज जनसुनवाई के दौरान आयी पांच समस्याओं में से तीन समस्याएं सफाई सम्बंधी रही, जिनमें से एक का तत्काल निस्तारण कराया गया। दो समस्याए सड़क पर खडे.पेड़ की टहनियां कटवाने व स्ट्रीट लाईट सम्बंधी रही। नगरायुक्त शिपू गिरि ने स्वास्थ्य विभाग को सफाई सम्बंधी समस्याओं का तत्काल निस्तारण कराने के आदेश देते हुए कहा कि आगामी त्यौहारों को ध्यान में रखते हुए सफाई व्यवस्था को दुरुस्त रखें।

वार्ड 70 मौहल्ला काजी निवासी गौहर अली ने मौहल्ला काजी में स्कूल के पास साफ सफाई कराने के लिए प्रार्थना पत्र दिया। जिस पर नगरायुक्त ने क्षेत्रीय सफाई निरीक्षक व सफाई मित्र को भेजकर समस्या का समाधान करा दिया। इसके अतिरिक्त वार्ड 60 निवासी महमूद ने भैरव मंदिर चौकी के पास सफाई कराने के लिए तथा वार्ड 10 काजीपुरा निवासी शहजाद मलिक ने भी काजीपुरा में साफ सफाई के लिए प्रार्थना पत्र दिया। जिस पर क्षेत्रीय सफाई निरीक्षकों को निरीक्षण कर समस्या का समाधान कराने के निर्देश दिए। वार्ड 59 पुल जोगियान निवासी शफात हुसैन ने पुल जोगियान चकरोता रोड पर सड़क पर खडे. पेड़ों की टहनियां कटवाने के लिए तथा वार्ड 10 काजीपुरा निवासी शहजाद मलिक ने काजीपुरा नवादा रोड के पास लगी लाइटों को ठीक कराने के लिए प्रार्थना पत्र दिया। जिस पर सम्बंधित अधिकारियों को स्थलीय निरीक्षण कर कार्रवाई के निर्देश दिए। जनसुनवाई के दौरान अपर नगरायुक्त मृत्युंजय, मुख्य अभियंता निर्माण सुरेश चंद, महाप्रबंधक जल पुरुषोत्तम कुमार व सहायक नगरायुक्त जे पी यादव सहित विभिन्न विभागों के अधिकारी मौजूद रहे।

आगरा:ट्रांस यमुना पुलिस की त्वरित कार्रवाई: गुम हुए बच्चे को माता-पिता से मिलाया

मयूर खान

आगरा (वेलकम इंडिया)। आगरा के थाना ट्रांस यमुना पुलिस टीम ने एक गुम हुए बच्चे को उसके माता-पिता से मिलाकर एक बड़ी राहत की सांस ली है। दिनांक-16.03.2026 को गश्त के दौरान सब्जी मण्डी, टेड़ी बगिया के पास एक बच्चा उम्र लगभग 02 वर्ष अकेला रोता हुआ मिला। बच्चा अपने माता-पिता के सम्बन्ध में जानकारी नहीं दे पा रहा था। पुलिस टीम ने तत्काल तीव्र कार्यवाही करते हुए आप-पास के लोगों से पूछताछ व सीसीटीवी की मदद से बच्चे के माता-पिता को खोजकर बच्चे को उनके सुपुर्द किया। अपना बच्चा पाकर बच्चे के माता-पिता ने आगरा पुलिस के प्रति आभार व्यक्त किया। इस घटना से यह साबित होता है कि आगरा पुलिस न केवल अपराधियों के खिलाफ कार्रवाई करती है, बल्कि आम जनता की सेवा और सुरक्षा के लिए भी हमेशा तत्पर रहती है। आगरा पुलिस की इस त्वरित और संवेदनशील कार्रवाई की सराहना की जानी चाहिए।

ऑल इंडिया पावर इंजीनियर्स फेडरेशन के समर्थन प्रस्ताव के साथ आंदोलन के 475 दिन पूरे

निजीकरण के खिलाफ संघर्ष तेज, दमन के विरुद्ध आर-पार की चेतावनी

वेलकम इंडिया संवाददाता

संतकबीरनगर। ऑल इंडिया पावर इंजीनियर्स फेडरेशन की फेडरल एग्जीक्यूटिव द्वारा उत्तर प्रदेश के बिजली कर्मचारियों और अभियंताओं के आंदोलन के समर्थन में उप्र सरकार को भेजे गये प्रस्ताव का स्वागत करते हुए, विद्युत कर्मचारी संयुक्त संघर्ष समिति, उत्तर प्रदेश ने कहा है कि यह समर्थन पूरे देश के 27 लाख बिजली कर्मचारियों और अभियंताओं की एकजुटता का प्रतीक है और पॉवर कारपोरेशन प्रबन्धन के लिए स्पष्ट चेतावनी है। उत्तर प्रदेश में बिजली वितरण कंपनियों के निजीकरण के खिलाफ चल रहा ऐतिहासिक आंदोलन आज 475वें दिन में प्रवेश कर गया है। यह आंदोलन अब केवल कर्मचारियों तक सीमित नहीं रह गया है, बल्कि गरीब उपभोक्ताओं, किसानों और आम जनता की सक्रिय भागीदारी के साथ एक व्यापक जनआंदोलन का रूप ले चुका है। कार्यक्रम की अध्यक्षता कर रहे ई0 मुकेश गुप्ता ने बताया कि ऑल इंडिया पावर इंजीनियर्स फेडरेशन द्वारा उप्र सरकार को भेजे गये प्रस्ताव में कहा गया है कि पूर्वांचल विद्युत वितरण निगम लिमिटेड और दक्षिणांचल विद्युत वितरण निगम लिमिटेड के निजीकरण का निर्णय जनविरोधी है, जो प्रदेश में बिजली की सस्ती और विश्वसनीय आपूर्ति को खतरे में डाल देगा। पिछले 475 दिनों में बिजली पंचायत, बिजली महापंचायत, रैलियों और जनसभाओं के माध्यम से जनता ने भी इस निर्णय के खिलाफ जोरदार विरोध दर्ज कराया है। फेडरेशन ने आरोप लगाया कि इस शांतिपूर्ण और लोकतांत्रिक आंदोलन को दबाने के लिए प्रबंधन द्वारा मनमाने ढंग से दमन किया जा रहा है। हजारों कर्मचारियों के बड़े पैमाने पर तबादले, संविदा कर्मियों की मनमानी छंटनी, अनुशासनात्मक नियमों में कठोर संशोधन, बिना आरोप-पत्र और बिना स्पष्टीकरण का अवसर दिए बर्खास्तगी जैसे कदम उठाए जा रहे हैं। यह प्राकृतिक न्याय के सिद्धांतों का खुला उल्लंघन है। संघर्ष समिति के पदाधिकारी प्रिंस गुप्ता ने कहा कि कर्मचारियों और अभियंताओं का लगातार उत्पीड़न, धमकी और मानसिक दबाव बनाना न केवल अलोकतांत्रिक है, बल्कि यह प्रबंधन की दमनकारी नीति को भी उजागर करता है।

संघर्ष समिति की प्रमुख मांगें: पूर्वांचल और दक्षिणांचल डिस्कॉम के निजीकरण का निर्णय तत्काल वापस लिया जाए। आंदोलन के दौरान कर्मचारियों और अभियंताओं के खिलाफ की गई सभी दमनात्मक और दंडात्मक कार्रवाइयों को बिना शर्त समाप्त किया जाए। 19 मार्च 2023 के समझौते के अनुसार ऊर्जा मंत्री द्वारा दिए गए निदेशों को पूरी तरह लागू किया जाए और उत्पीड़न की सभी कार्यवाहियों को समाप्त किया जाय। संघर्ष समिती के पदाधिकारी सुनील प्रजापति ने चेतावनी दी है कि यदि निजीकरण का निर्णय वापस नहीं लिया गया और दमनात्मक कार्रवाइयों पर रोक नहीं लगाई गई, तो आंदोलन को और व्यापक एवं तेज किया जाएगा।

आवश्यकता पड़ने पर नेशनल कोऑर्डिनेशन कमिटी आफ इलेक्ट्रिसिटी इंप्लाइज एंड इंजीनियर्स द्वारा देशव्यापी आंदोलन का आह्वान किया जाएगा, जिसकी पूरी जिम्मेदारी सरकार की होगी। संघर्ष समिति ने कहा कि यह संघर्ष कर्मचारियों के अधिकारों के साथ-साथ प्रदेश की जनता के हितों और बिजली व्यवस्था के भविष्य की रक्षा का संघर्ष है। पूर्वांचल और दक्षिणांचल विद्युत वितरण निगम के निजीकरण के विरोध में लगातार चल रहे हैं आंदोलन के 475 दिन पूरे होने पर आज बिजली कर्मियों ने प्रदेश भर में समस्त जनपदों और परियोजनाओं पर व्यापक विरोध प्रदर्शन कर अपना आक्रोश जाहिर किया। इस क्रम में आज संत कबीर नगर में विरोध प्रदर्शन ई0 मुकेश गुप्ता, ई0 अनंत कुमार, सहायक लेखाकार प्रिंस गुप्ता, कार्यकारी सहायक दिलीप सिंह , अमरनाथ यादव, सुनील प्रजापति, सूरज प्रजापति, नारायण चंद्र चौरसरिया, अशोक कुमार, आशीष कुमार, धीरेन्द्र यादव वीरेंद्र मौर्य, प्रदुम्न कुमार, अशोक कुमार समेत अन्य बिजली कर्मी मौजूद रहे।

माध्यमिक शिक्षक संघ की बैठक में गूँजा उत्पीड़न का मुद्दा: बौर व्यास प्रधानाचार्य मामले में कार्रवाई की मांग

वेलकम इंडिया संवाददाता

संतकबीरनगर। मौलाना आजाद इंटर कॉलेज में आज उत्तर प्रदेश माध्यमिक शिक्षक संघ की एक आवश्यक जिला स्तरीय बैठक संपन्न हुई। बैठक की अध्यक्षता जिलाध्यक्ष महेश राम ने की तथा संचालन जिलामंत्री गिरजानंद यादव द्वारा किया गया।

बैठक के मुख्य बिंदु: प्रधानाचार्य उत्पीड़न की निंदा: नेशनल इंटर कॉलेज बौर व्यास के प्रधानाचार्य के साथ प्रबंधक द्वारा की गई बदसलूकी पर गहरा रोष व्यक्त किया गया। संघ ने धर्मसिंहवा थाने में SC/ST एक्ट के तहत दर्ज मुकदमे में तत्काल कठोर कार्रवाई की मांग की है।

बोर्ड मूल्यांकन 2026: जिला विद्यालय निरीक्षक (DIOS) से मांग की गई कि मूल्यांकन केंद्रों पर परीक्षकों के लिए सभी आवश्यक सुविधाएं सुनिश्चित की जाएं। जिलाध्यक्ष ने शिक्षकों से शांतिपूर्ण माहौल में मूल्यांकन करने की अपील करते हुए कहा कि किसी भी असुविधा पर संघ को तत्काल सूचित करें।

बकाया भुगतान: जनपद के शिक्षकों के सभी प्रकार के अवशेष (पावती) का भुगतान इसी माह मार्च में करने की मांग।

पी.वी. गर्ल्स इंटर कॉलेज मामला: कोर्ट के आदेश के बावजूद प्रधानाचार्य अरुंधति को कार्यभार ग्रहण न कराए जाने की कड़ी निंदा की गई।

उक्त बैठक में जिला उपाध्यक्ष विंध्याचल सिंह, धीरेन्द्र प्रताप सिंह, शिवजीत कुशवाहा, श्री राम मौर्य, डॉ. राजेंद्र राम, सुनील कुमार, विपिन कुमार वर्मा, मो. काजी शाकिर रहमान, प्रधानाचार्य भूपेंद्र कुमार और सतीश भारती सहित कई शिक्षक नेता उपस्थित रहे।

आगामी त्योहारों को लेकर थाना परिसर में शांति समिति की बैठक संपन्न

असदुल्लाह सिद्दीकी

सिद्धार्थनगर(वेलकम इंडिया)। चैत्र नवरात्र और ईद-उल-फितर के आगामी त्योहारों को शांतिपूर्ण और सौहार्दपूर्ण वातावरण में संपन्न कराने के उद्देश्य से मंगलवार को सिद्धार्थनगर थाना परिसर में एक महत्वपूर्ण शांति समिति (पीस कमेटी) की बैठक आयोजित की गई। इस बैठक की अध्यक्षता थानाध्यक्ष मिथिलेश कुमार राय ने की।बैठक के दौरान थानाध्यक्ष ने उपस्थित संभ्रांत नागरिकों, धर्मगुरुओं और ग्राम प्रधानों को संबोधित करते हुए कहा कि त्योहार आपसी भाईचारे और प्रेम का प्रतीक होते हैं। उन्होंने सभी से अपील की कि वे इन त्योहारों को मिल-जुलकर मनाएं और किसी भी प्रकार की अफवाहों पर ध्यान न दें। कहा कि यदि क्षेत्र में कोई भी संदिग्ध गतिविधि या व्यक्ति दिखाई दे, तो तुरंत पुलिस को सूचित करें। बताया कि पुलिस द्वारा सोशल मीडिया पर कड़ी निगरानी रखी जा रही है। किसी भी तरह की आपत्तिजनक पोस्ट साझा करने या सांप्रदायिक माहौल बिगाड़ने वालों के खिलाफ सख्त कानूनी कार्रवाई की जाएगी। बैठक में बिजली, पानी और साफ-सफाई जैसी बुनियादी सुविधाओं को लेकर भी चर्चा हुई, ताकि त्योहारों के दौरान श्रद्धालुओं और रोजेदारों को किसी असुविधा का सामना न करना पड़े। इस दौरान जेल चौकी प्रभारी कुमार मंगलम, कस्बा चौकी प्रभारी विजय शंकर सिंह, पुरानी नौगढ़ चौकी प्रभारी अशोक कुमार, एस आई अंबिका प्रसाद, हेड कांस्टेबल सच्चिदानंद दुबे, संजय चौरसिया सहित क्षेत्र के पूर्व सभासद मोहम्मद हनीफ (तोनियाहे बाबा), नूरल खां, चांद भाई, कन्हैया जायसवाल, अमीरूल्लाह प्रधान आदि मौजूद रहें।

लोहे के चार गेट जब्त, साढे.सात हजार जुमार्ना

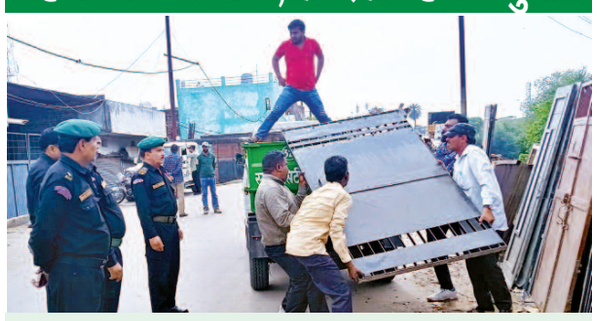

वेलकम इंडिया संवाददाता

सहारनपुर। पुल जोगियान से राकेश सिनेमा तक आज प्रवर्तन दल ने अभियान चलाकर सड़क पर रखे चार लोहे के गेट जब्त कर लिए और दो दुकानदारों पर साढे.सात हजार रुपये का जुमार्ना लगाया। राकेश सिनेमा रोड पर पांवधोई से आगे स्मार्ट सिटी द्वारा ढमोला नदी पर पुल बनाया गया है, जो आगे देहरादून रोड को लिंक करेगा। उक्त नवनिर्मित पुल पर मार्किंग का कार्य किया जाना है। लेकिन वहां ग्रिल व गेट का कार्य करने वाले कुछ दुकानदारों सड़क किनारे लोहे के गेट रखकर अतिक्रमण किया गया था। प्रवर्तन दल की टीम ने आज वहां पहुंचकर सड़क पर रखे ऐसे चार गेट जब्त कर लिये और दो दुकानदारों पर साढे.सात हजार रुपये का जुमार्ना लगाया। प्रवर्तन दल की कार्रवाई से पूरी पटरी पर लोहे का काम करने वाले दुकानदारों में हड़कंप मच गया और उन्होंने आनन फानन में अपने गेट व ग्रिल का सामान उठाकर गोदामों में रख लिया।

उसका नप से शासन द्वारा तीन सभासद हुए नामित

असदुल्लाह सिद्दीकी

सिद्धार्थनगर(वेलकम इंडिया)। उसका बाजार आदर्श नगर पंचायत से शासन द्वारा भाजपा के निष्ठावान कार्यकर्ता ,भाजपा के मंडल मीडिया प्रभारी पवन कुमार जायसवाल, दिलीप सिंह और सावित्री देवी पत्नी नंदलाल गौड़ कुल तीन लोगो को सभासद नामित किया गया है।नामित सभासद और भाजपा के मंडल मीडिया प्रभारी ने कहा कि मुझे बहुत खुशी और हर्ष है की शीर्ष नेतृत्व ने मुझ जैसे छोटे कार्यकर्ता पर विश्वास और भरोसा जताया और महत्वपूर्ण जिम्मेदारी दी है जिसका पूरी निष्ठा और जिम्मेदारी के साथ निर्वहन करेंगे।उन्होंने कहा कि मुझ जैसे छोटे कार्यकर्ता को इतने बड़े और जिम्मेदारी दिया है यह बहुत बड़ी बता है और यह सब सिर्फ और सिर्फ.भाजपा संगठन में ही संभव हैं। मालूम हो की उत्तर प्रदेश में 2027 में विधानसभा चुनाव होने वाले हैं।इसके पहले यूपी के नगर निकायों में भारतीय जनता पार्टी (बीजेपी) की ताकत और बढ़ गई है।

पार्टी के निष्ठावान कार्यकताओं को उनकी सेवाओं का इनाम भी मिला है।सरकार ने विभिन्न जिलों में नामित पार्षदों के नामों का ऐलान कर दिया है। नगर निगमों, नगर पालिकाओं और नगर पंचायतों में मनोनीत (नामित) पार्षदों की इस सूची का लंबे समय से इंतजार था। सोमवार को प्रमुख सचिव नगर विकास पी. गुरुप्रसाद की ओर से सदस्यों को नामित किए जाने संबंधी अधिसूचना जारी की गई। पिछले महीने सूची को अंतिम रूप देकर नगर विकास विभाग के पास भेजा गया था। नगर पंचायत से शासन द्वारा तीनो सभासद को नामित होंने पर सभी ने खुशी जाहिर की है।

थाना मेंहदावल पुलिस ने चोरी के मामलें में 02 अभियुक्तगण को किया गिरफ्तार

संतकबीरनगर(वेलकम इंडिया)। पुलिस अधीक्षक संदीप कुमार मीना द्वारा चलाए जा रहे अभियान के अंतर्गत अपर पुलिस अधीक्षक सुशील कुमार सिंह के मार्गदर्शन व क्षेत्राधिकारी मेंहदावल सर्वदवन सिंह के निकट पर्यवेक्षण में थानाध्यक्ष मेंहदावल सुरेन्द्र कुमार सिंह के नेतृत्व में उ0नि0 आशुतोष मणि त्रिपाठी, का0 अरूण कुमार, हे0का0 सुरेन सिंह, हे0का0 रामरतन तिवारी ने मु0अ0सं0 88/2026 धारा 303(2) बी0एन0एस0 से सम्बन्धित अभियुक्तगण सहजाद उर्फ मेराज पुत्र अनवर हुसैन, किशन पुत्र राम सजन निवासीगण रामनगर केवटलिया थाना कैम्पिरगंज जनपद गोरखपुर को चोरी के 01 अदद मोबाइल के साथ बढ़या ठाठर चौराहा के पास से गिरफ्तार किया। अभियुक्तगण की गिरफ्तारी व बरामदगी के आधार पर मु0अ0सं0 88 / 2026 मे धारा 3(5),112, 317(2) बी0एन0एस0 की बढोत्तरी की गयी है। विदित हो कि उक्त प्रकरण में वादी श्री विवेक यादव पुत्र श्री चन्द्रिका यादव निवासी बढ़या ठाठर थाना मेंहदावल जनपद संतकबीरनगर द्वारा थाना मेंहदावल में पर दिनाँक 15.03.2026 को वादी के फल की दुकान काउन्टर पर रखी मोबाइल अज्ञात व्यक्ति द्वारा चोरी कर लेने के सम्बन्ध में प्रार्थना पत्र दिया गया था । प्राप्त प्रार्थना पत्र के आधार पर मेंहदावल पर मु0अ0सं0 88/2026 धारा 303(2) बी0एन0एस0 पंजीकृत किया गया था ।

थाना बखिरा पुलिस द्वारा कार्यवाही करते हुए एसिड अटैक के मामलें में वांछित 03 अभियुक्तगण को किया गिरफ्तार

संतकबीरनगर(वेलकम इंडिया)। पुलिस अधीक्षक संदीप कुमार मीना द्वारा चलाए जा रहे अभियान के अंतर्गत अपर पुलिस अधीक्षक सुशील कुमार सिंह के मार्गदर्शन व क्षेत्राधिकारी मेंहदावल सर्वदवन सिंह के निकट पर्यवेक्षण में प्रभारी निरीक्षक थाना बखिरा सतीश कुमार सिंह के नेतृत्व में उ0नि0 राजीव कुमार सिंह, हे0का0 आदित्य यादव, हे0का0 अनिल सिंह, का0 राजन खरवार ने मु0अ0सं0 82/2026 धारा 124(1), 352, 351(3) बीएनएस मे वांछित अभियुक्तगण गुलाम हुसेन पुत्र अब्दुल मजीद निवासी मोहल्ला पठान टोला थाना बखिरा जनपद संतकबीरनगर, मंसूर आलम पुत्र गुलाम निवासी मोहल्ला पठान टोला थाना बखिरा जनपद संतकबीरनगर, मसकूर आलम पुत्र गुलाम हुसेन निवासी मोहल्ला पठान टोला थाना बखिरा जनपद संतकबीरनगर को बौरब्यास चौराहा के पास से गिरफ्तार कर न्यायालय रवाना किया गया । विदित हो कि वादिनी आसमा खातुन पुत्री मो0 यासीन निवासी मोहल्ला पठान टोला थाना बखिरा जनपद संतकबीरनगर द्वारा उक्त अभियुक्तगण के विरुद्ध दिनाँक 16.03.2026 मुर्गी द्वारा दरवाजे पर बीट करने की बात लेकर विवाद तथा एसिड फेंक देने प्रार्थना पत्र देकर थाना बखिरा पर अभियोग पंजीकृत कराया गया था।

थाना महुली पुलिस ने आर्म्स एक्ट के मामले में अभियुक्त को किया गया गिरफ्तार

संतकबीरनगर(वेलकम इंडिया)। पुलिस अधीक्षक संदीप कुमार मीना द्वारा चलाए जा रहे अभियान के अंतर्गत अपर पुलिस अधीक्षक सुशील कुमार सिंह के मार्गदर्शन व क्षेत्राधिकारी धनघटा अभयनाथ मिश्रा के निकट पर्यवेक्षण में थाना महुली उ0नि0 अनुज कुमार यादव, उ0नि0 अजीत सिंह, का0 अरविन्द यादव, का0 राजमंगल यादव, का0 सुनील कुमार सिंह ने मु0अ0स0 89/26 धारा 3/25 आर्म्स एक्ट थाना महुली के मामले में अभियुक्त आदित्य शर्मा पुत्र सुरेश शर्मा निवासी छरांछ थाना बखिरा को मंगलवार को गिरफ्तार कर न्यायालय रवाना किया गया । विदित हो कि आज दिनांक 17.03.2026 को थाना महुली पुलिस टीम द्वारा संदिग्ध व्यक्ति/वाहनों की चेकिंग के दौरान दिक्तौली नहर पुलिया के पास से अभियुक्त को गिरफ्तार किया गया। तलाशी के दौरान अभियुक्त के कब्जे से 01 अदद अवैध तमंचा 315 बोर, 02 अदद जिंदा कारतूस 315 बोर, 01 अदद मोबाइल फोन तथा 01 अदद मोटरसाइकिल (नंबर वढ 58 अछ 0752) बरामद किया गया।

27वीं शब पर सेमरियावां में रोशन हुई इबादत की महफिल, हजारों रोजेदारों ने की तौबा और दुआ

उलेमा ने दी नेक राह पर चलने की नसीहत, मौलाना मुस्तकीम वास्तवी की सलामती के लिए मांगी गई खास दुआ

वेलकम इंडिया संवाददाता

संतकबीरनगर। पवित्र माहे रमजान की 27वीं मुबारक रात के अवसर पर मदरसा तालीमुल कुरान, सेमरियावां में भव्य दीनी जलसे का आयोजन किया गया। इस अवसर पर बस्ती मंडल के विभिन्न क्षेत्रों से आए हजारों रोजेदारों ने शिरकत की और पूरी रात इबादत, तिलावत और दुआ में मशगूल रहे। कार्यक्रम के दौरान उलेमा-ए-किराम ने रमजान के आखिरी दिनों की अहमियत पर प्रकाश डालते हुए लोगों को सच्ची और पक्की तौबा करने की नसीहत दी। मौलाना महमूद अहमद कासमी ने अपने बयान में कहा कि इंसान को अपनी जुबान और नजर पर काबू रखना चाहिए, किसी के प्रति बुरा भाव न रखें, माता-पिता की इज्जत करें और नमाज की पाबंदी को अपनी जिंदगी का हिस्सा बनाएं। उन्होंने आगे कहा कि रमजान के बाद भी मस्जिदों को आबाद रखें, दिल को बड़ा रखें, दूसरों को माफ करना सीखें और समाज में भाईचारा व इंसानियत को बढ़ावा दें। जरूरतमंदों की मदद करना और रिश्तों को मजबूत बनाना ही सच्ची इबादत का हिस्सा है। इस दौरान विश्व प्रसिद्ध धार्मिक विद्वान मौलाना मो. मुस्तकीम बस्तवी के लिए विशेष दुआ की गई। इन्हीं ने विगत 25 वर्षों से दीनी जलसे के प्रमुख रहे। 27 वीं रात में लगभग 15 मिनट तक सामूहिक दुआ का सिलसिला चला, जिसमें देश और दुनिया में अमन-चैन, तरक्की और खुशहाली की कामना की गई। करीब ढाई घंटे तक चले इस कार्यक्रम में बस्ती मंडल के तीनों जिलों से आए रोजेदारों ने भाग लिया। आयोजन में इफ्तार और सहरी का भी विशेष इंतजाम किया गया, जिससे सभी ने संतोषपूर्वक इबादत का लाभ उठाया। इस अवसर पर हमीदुद्दीन चौधरी, हाजी करम हुसैन,हाजी समीउल्लाह,नसीम अहमद,नफीस अहमद,मुफ्ती अब्दुल लतीफ, जिला पंचायत सदस्य मो अहमद,जफीर अली करखी, हाफिज जियाउद्दीन, नौशाद अहमद, रिजवान मुनीर, वसीम अहमद, अतिकुर्रहमान, अबसार अहमद, मुनीरूल हसन, जमालुद्दीन, महमूद आलम,अबरार अहमद प्रधान,मौलाना मुनीर अहमद नदवी,मौलाना गुफरान अहमद नदवी, अनीसुररहमान नदवी,निजामुद्दीन प्रधान, सहित तमाम उलेमा-ए-दीन एवं क्षेत्र के गणमान्य लोग मौजूद रहे। कार्यक्रम ने रमजान की असली रूह–तौबा, सब्र, इबादत और इंसानियत–को अपनाने का संदेश दिया।

आगामी त्योहार ईद-उल-फितर के दृष्टिगत थाना महुली पर शांति समिति की बैठक सम्पन्न, सौहार्दपूर्ण वातावरण में त्योहार मनाने की अपील

संतोष यादव

धनघटा(वेलकम इंडिया)। पुलिस अधीक्षक संदीप कुमार मीना के निर्देशन में, अपर पुलिस अधीक्षक सुशील कुमार सिंह के मार्गदर्शन एवं क्षेत्राधिकारी धनघटा अभयनाथ मिश्रा के निकट पर्यवेक्षण में थानाध्यक्ष महुली दुर्गेश पाण्डेय की अध्यक्षता में आगामी ईद-उल-फितर पर्व को सकुशल एवं शांतिपूर्ण ढंग से सम्पन्न कराने हेतु शांति समिति की एक महत्वपूर्ण बैठक आयोजित की गई। बैठक के दौरान थानाध्यक्ष महुली ने बताया कि थाना क्षेत्र के मौलाना गण एवं संभ्रांत नागरिकों की सहभागिता रही ।

सभी लोगों से आपसी भाईचारा, शांति एवं कानून-व्यवस्था बनाए रखते हुए त्योहार मनाने की अपील की गई। साथ ही उनकी समस्याओं को सुनकर उनके समाधान का आश्वासन भी दिया गया। पुलिस प्रशासन द्वारा स्पष्ट किया गया कि त्योहार के दौरान किसी भी प्रकार की अराजकता या शांति भंग करने का प्रयास करने वाले तत्वों के विरुद्ध कठोर कार्यवाही की जाएगी।

नमो नमो क्रांति फाउंडेशन: 'सबको साथ लेकर, राष्ट्र निर्माण में संगठन और सेवा ही सर्वोपरि

समर्थ कुमार सक्सेना

लखनऊ(वेलकम इंडिया)। 'संगठन की शक्ति ही समाज में सकारात्मक परिवर्तन का आधार बनती है।' इसी उद्देश्य के साथ राजधानी के जानकीपुरम स्थित संगीत लॉन में नमो नमो क्रांति फाउंडेशन द्वारा एक भव्य सम्मान समारोह एवं विचार गोष्ठी का सफल आयोजन किया गया। कार्यक्रम में समाज सेवा और राष्ट्र प्रथम की भावना को सर्वोपरि रखते हुए पदाधिकारियों को सम्मानित किया गया।

प्रमुख अतिथियों का मार्गदर्शन

समारोह के मुख्य अतिथि विधायक डॉ. नीरज बोरा ने अपने संबोधन में कहा कि सामाजिक संस्थाएं सरकार और जनता के बीच सेतु का कार्य करती हैं मुख्य अतिथि बिंदु बोरा जी उपस्थित रही। विशिष्ट अतिथि रविन्द्र प्रभात (संस्थापक, परिकल्पना) ने वैचारिक क्रांति की आवश्यकता पर बल दिया और कहा कि सबको साथ लेकर चलना ही सफलता का मूल मंत्र है।

सम्मान और कृतज्ञता

कार्यक्रम का शुभारंभ राष्ट्रीय कार्यकारिणी अध्यक्ष शुभ चतुर्वेदी और राष्ट्रीय महासंगठन मंत्री दीपक गुप्ता की गरिमामयी उपस्थिति में हुआ। आयोजन की सबसे खास बात 'परस्पर सम्मान' की संस्कृति रही: मुख्य अतिथियों का 'सीनरी' और 'पटका' भेंट कर भव्य स्वागत किया गया। उत्तर प्रदेश के अनेकों जिलों के अध्यक्ष एवं उनके पदाधिकारियों को सम्मानित किया गया। राष्ट्रीय नेतृत्व द्वारा प्रदेश और क्षेत्रीय जिला पदाधिकारियों को उनकी निष्ठा के लिए सम्मानित किया गया।

विशेष सम्मान: कार्यक्रम की सफलता के पीछे समर्पित आयोजक का भी जोरदार अभिनंदन किया गया, जो टीम वर्क और आपसी समन्वय का अनूठा उदाहरण बना।

समाज के लिए संदेश

नमो नमो क्रांति फाउंडेशन के राष्ट्रीय कार्यकारिणी अध्यक्ष शुभ चतुर्वेदी ने समाज को संदेश देते हुए कहा, 'हमारा उद्देश्य केवल पद देना नहीं, बल्कि प्रत्येक पदाधिकारी में समाज के प्रति जिम्मेदारी का भाव जगाना है। जब हम सबको साथ लेकर चलते हैं, तभी हम एक मजबूत राष्ट्र की नींव रख सकते हैं।'

भविष्य की रूपरेखा

समारोह में न केवल पुरानी उपलब्धियों को सराहा गया, बल्कि भविष्य की सामाजिक गतिविधियों और जन-कल्याणकारी योजनाओं पर भी गंभीर चर्चा हुई।

एसडीएम ने टीम के साथ गैस एजेंसी का किया औचक निरीक्षण मची खलबली

एसडीएम ने दिए सख्त निर्देश यदि कालाबाजारी की गई तो होगी कड़ी कार्रवाई: एसडीएम प्रियंका गोयल

वेलकम इंडिया संवाददाता

बुलंदशहर। अनूपशहर तहसील क्षेत्र एलपीजी गैस के सुचारू वितरण के अन्तर्गत गठित जांच टीम द्वारा निरन्तर जांच की जा रही है। उपरोक्त के क्रम में मंगलवार को अहार जहाँगीराबाद मार्ग पर स्थित अहार बांगर इण्डेन ग्रामीण वितरक एजेन्सी ग्राम अहार विकासखण्ड व तहसील अनूपशहर का औचक निरीक्षण प्रियंका गोयल उपजिलाधिकारी,अनूपशहर सुशील कुमार यादव, क्षेत्रीय खाद्य अधिकारी प्रथम तथा अविनाश कुमार, पूर्ति निरीक्षक,अनूपशहर की संयुक्त टीम द्वारा किया गया।

एजेंसी का निरीक्षण अंकित कुमार पुत्र लक्खी सिंह निवासी ग्राम दरावर वि०ख० व तहसील अनूपशहर(मैनेजर) तथा शशि पती मुकेश(एजेंसी प्रोप्राईटर) द्वारा कराया गया। जांच में स्टॉक का अभिलेखीय एवं भौतिक मिलान करने पर 14.2 किग्रा० के घरेलू 291भरे गैस सिलेण्डर कम पाए गए,05 किग्रा० के 34 कामर्शियल गैस सिलेण्डर कम,15 घरेलू छोटा सिलेण्डर (5किग्रा०) कम तथा 11 प्लास्टिक सिलेण्डर (10किग्रा०) अधिक पाए गए।

इस प्रकार जांचोपरान्त स्पष्ट पाया गया कि अहार बांगर इण्डेन ग्रामीण वितरक गैस एजेन्सी के प्रोप्राईटर एवं प्रबन्धक द्वारा 14.2 किग्रा० के 291 घरेलू गैस सिलेण्डरों, 05 किग्रा० घरेलू के 15 गैस सिलेण्डर तथा 5 किग्रा० वाले कामर्शियल के 34 सिलेण्डरों की कालाबाजारी की गयी है। उपरोक्त दोनों व्यक्तियों द्वारा द्रवित पेट्रोलियम गैस (प्रदाय और वितरण विनियम) आदेश 2000 यथा संशोधित 2026 के विभिन्न प्राविधानों का स्पष्ट उल्लंघन है जो आवश्यक वस्तु अधिनियम 1955 की धारा 3/7 के अन्तर्गत दण्डनीय अपराध है। उक्त के दृष्टिगत अहार बांगर इण्डेन ग्रामीण वितरक गैस एजेन्सी के प्रबन्धक अंकित कुमार पुत्र लक्खी सिंह तथा मुकेश पुत्र चंद्रभान सिंह निवासी ग्राम दरावर के विरुद्ध पूर्ति निरीक्षक,अनूपशहर द्वारा थाना अहार,तहसील अनूपशहर में प्रथम सूचना रिपोर्ट दर्ज करायी गयी तथा कार्यालय स्तर से सम्बन्धित गैस वितरक के विरुद्ध एजेंसी के निरस्तीकरण हेतु गैस कम्पनी के उच्चाधिकारियों आवश्यक पत्राचार किया गया है। इस प्रकार प्रतिदिन कार्यालय स्तर से जनपद में एलपीजी गैस के सुचारू वितरण हेतु शासन द्वारा दिये गये निर्देशों का अक्षरशः अनुपालन सुनिश्चित किया/कराया जा रहा है।

राष्ट्र-विश्व शांति की कामना के साथ कालभैरव दरबार में अद्भुत होली मिलन समारोह

संदीप तिवारी

वाराणसी(वेलकम इंडिया)। काशी के कोतवाल माने जाने वाले बाबा कालभैरव मंदिर में होली के पावन अवसर पर एक भव्य और आध्यात्मिक होली मिलन समारोह का आयोजन किया गया।कार्यक्रम का आयोजन पंडित अवशेष पांडेय (कल्लू महाराज), उपमहंत प्रमुख मंदिर काशी के नेतृत्व में संपन्न हुआ।इस अवसर पर बड़ी संख्या में श्रद्धालु उपस्थित रहे और सभी ने एक साथ मिलकर बाबा कालभैरव के चरणों में राष्ट्र एवं विश्व के शत्रुओं के नाश तथा वैश्विक शांति की कामना की।

वर्तमान समय में विश्व में चल रहे युद्धों को देखते हुए विशेष रूप से शांति और सद्भाव के लिए विशेष पूजा-अर्चना, आरती एवं भव्य श्रृंगार किया गया।मंदिर परिसर भक्ति, रंग और उत्साह से सराबोर नजर आया।

नवरात्रि तथा ईद के पर्व को लेकर कोतवाली में हुई शांति समिति की बैठक

एसडीएम ने बैठक में संबंधित अधिकारियों को व्यवस्था दुरुस्त रखने के सख्त निर्देश दिए हैं

वेलकम इंडिया संवाददाता

शिकारपुर। कोतवाली परिसर में आगामी त्यौहारों को लेकर मंगलवार को एसडीएम अरुण कुमार वर्मा की अध्यक्षता में शांति समिति की बैठक का आयोजन किया गया। जिसमें ईद एवं नवरात्र को लेकर पुलिस प्रशासन अलर्ट मोड पर रहेगा एसडीएम ने सभी धर्म के लोगों से शांतिपूर्वक अपने-अपने त्यौहारों को मनाने की अपील की है। उधर सीओ शशांक श्रीवास्तव ने कहा है कि यदि किसी व्यक्ति द्वारा त्यौहारों पर अशांति फैलाने का प्रयास किया गया तो उसके विरुद्ध पुलिस द्वारा सख्त कार्रवाई की जाएगी।ईद पर सुरक्षा व्यवस्था को अलर्ट किया गया है तथा नगर में साफ सफाई को लेकर नगर पालिका को निर्देशित भी किया गया है। हिंदू-मुस्लिम समुदाय के लोगों ने एसडीएम के समाने कुछ जन समस्याएं रखी जिनको सुनकर एसडीएम ने निदान करने का आश्वासन दिया है। तथा पालिका को ईदगाहों एवं मंदिरों में साफ सफाई की उचित व्यवस्थाओं के निर्देश दिए गए। इस अवसर पर कोतवाली प्रभारी निरीक्षक चंद्रगीराम एसएसआई रुद्र प्रताप सिंह कस्बा इंचार्ज कौशल गुप्ता सफाहत हुसैन, मुकेश गर्ग, विकास गर्ग, आस मोहम्मद गाजी, रंजीत सैनी, भोला, राकेश, रफीक, गौतम सूर्यवंशी, दीपू मित्तल आदि गणमान्य लोग उपस्थित रहे।

औरंगाबाद नगर पंचायत में तीन नामित सभासद घोषित

वेलकम इंडिया संवाददाता

बुलंदशहर। प्रदेश सरकार द्वारा नगर पंचायत औरंगाबाद में तीन नामित सभासदों की घोषणा किए जाने के बाद स्थानीय राजनीतिक गलियारों में हलचल तेज हो गई है। शासन की ओर से पूर्व चेयरमैन राजकुमार लोधी (राजू लोधी), भाजपा नेता नरेश तायल तथा समाजसेवी प्रेम सैनी को नामित सभासद बनाया गया है।

बताया गया कि नगर पालिका अधिनियम 1916 की धारा-9 के अंतर्गत महामहिम राज्यपाल की स्वीकृति से इन तीनों को मनोनीत किया गया है। राजकुमार लोधी वर्ष 2012 से 2017 तक नगर पंचायत औरंगाबाद के चेयरमैन रह चुके हैं, जबकि नरेश तायल भाजपा के पूर्व जिला मंत्री और पूर्व में भी नामित सभासद की जिम्मेदारी निभा चुके हैं। प्रेम सैनी क्षेत्र में सामाजिक कार्यों के लिए जाने जाते हैं।

तीनों के मनोनयन की खबर मिलते ही भाजपा कार्यकर्ताओं में खुशी की लहर दौड़ गई। कार्यकर्ताओं ने एक-दूसरे को मिठाई खिलाकर प्रसन्नता व्यक्त की और प्रदेश सरकार का आभार जताया।

भाजपा कार्यकर्ताओं का कहना है कि नए नामित सभासदों के आने से नगर पंचायत में विकास कार्यों में पारदर्शिता बढ़ेगी तथा यदि किसी प्रकार की अनियमितता या गड़बड़ी हुई है तो उसके उजागर होने की भी उम्मीद है। साथ ही विकास कार्यों को गति मिलने की बात भी कही जा रही है।

स्थानीय लोगों को भी उम्मीद है कि नए सभासद नगर के विकास, सफाई, पेयजल तथा अन्य मूलभूत सुविधाओं को बेहतर बनाने में सक्रिय भूमिका निभाएंगे।

भजन गायिका समरजीत रंधावा की पहल, गरीब बच्चों को मिल रही मुफ्त शिक्षा

सनी कुमार केशरवानी

प्रयागराज(वेलकम इंडिया)। समाज सेवा के क्षेत्र में अपनी अलग पहचान बना रहा सभरजहाँ फाउंडेशन आज जरूरतमंद और निर्धन बच्चों के लिए उम्मीद की नई किरण बनकर सामने आया है। यह संस्था धर्म और जाति की सीमाओं से ऊपर उठकर समाज के जरूरतमंद लोगों की मदद के लिए लगातार कार्य कर रही है। संस्था का मुख्य उद्देश्य समाज के हर वर्ग के लोगों के हित में कार्य करना और उन्हें आगे बढ़ने का अवसर प्रदान करना है। इस संस्था की स्थापना वर्ष 2019 में उत्तर प्रदेश के उन्नाव जिले के शुक्लागंज की रहने वाली, प्रदेश की बेटी और क्रांतिकारी सूफी भजन गायिका समरजीत रंधावा ने की थी। संतों की वाणी और भक्ति संगीत के माध्यम से देश-विदेश में अपनी पहचान बना चुकी समरजीत रंधावा ने समाज सेवा के उद्देश्य से इस फाउंडेशन की नींव रखी। स्थापना के बाद से ही वह अपनी समर्पित टीम के साथ लगातार सेवा कार्यों में सक्रिय हैं। सभरजहाँ फाउंडेशन विशेष रूप से गरीब और जरूरतमंद बच्चों को निशुल्क शिक्षा उपलब्ध कराने का अभियान चला रहा है। संस्था अब तक सैकड़ों बच्चों को शिक्षा से जोड़ चुकी है और उन्हें बेहतर भविष्य की दिशा में आगे बढ़ने का अवसर दे रही है। बच्चों को पढ़ाई के साथ-साथ संस्कार, नैतिक शिक्षा और आत्मविश्वास भी दिया जा रहा है ताकि वे जीवन में आगे बढ़कर समाज और देश के लिए प्रेरणा बन सकें। समरजीत रंधावा का कहना है कि 'मेरे लिए देश और समाज से बढ़कर कुछ भी नहीं है। समाज के अंतिम पंक्ति में खड़े व्यक्ति तक मदद पहुँचाना ही मेरे जीवन का सबसे बड़ा उद्देश्य है। अगर हम बच्चों को शिक्षा देंगे तो उनका भविष्य ही नहीं, देश का भविष्य भी उज्ज्वल होगा।' इसी सेवा और समर्पण की भावना के साथ सभरजहाँ फाउंडेशन लगातार शिक्षा, सेवा और मानवता के क्षेत्र में सराहनीय कार्य कर रहा है और समाज में सकारात्मक बदलाव लाने की दिशा में एक मजबूत कदम बढ़ा रहा है।

डीएम एसएसपी ने जवान के पार्थिव शरीर पर पुष्प चक्र अर्पित करते हुए दी श्रद्धांजलि

बुलंदशहर(वेलकम इंडिया)। बुलंदशहर जम्मू-कश्मीर के राजौरी-पुंछ सेक्टर में तैनात भारतीय सेना के जवान नायक तिलक सिंह का ड्यूटी के दौरान हार्ट अटैक से निधन हो गया। मंगलवार को तहसील डिबाई के अंतर्गत गांव खैरपुर में जवान का पार्थिव शरीर पहुंचा। इस मौके पर जिलाधिकारी श्रुति एवं एसएसपी दिनेश कुमार सिंह ने जवान के पार्थिव शरीर पर पुष्प चक्र अर्पित करते हुए श्रद्धांजलि दी। इस अवसर पर जवान की बटालियन के अधिकारियों द्वारा भी पुष्प चक्र अर्पित कर श्रद्धांजलि दी गई। इस मौके पर बड़ी संख्या में लोग मौजूद रहे।

रामलीला मैदान गरुड़ में भागवत कथा 22 से

गरुड़(वेलकम इंडिया)। आगामी 22 मार्च से स्व. केडी पांडे रामलीला मैदान गरुड़ में दिव्य ज्योति जाग्रति संस्थान के तत्वाधान में समाज के सहयोग से श्रीमद् भागवत कथा का आयोजन किया जाएगा। इससे पहले 21 मार्च को बैजनाथ मंदिर से रामलीला मैदान तक भव्य मंगल कलश यात्रा निकाली जाएगी। यह जानकारी देते हुए दिव्य ज्योति जागृति परिवार के सदस्यों ने बताया कि आशुतोष महाराज की शिष्या मानस मर्मज्ञ मेरूदेवा भारती कथा वाचक होंगी। उन्होंने क्षेत्रीय जनता से सहयोग प्रदान कर कथा श्रवण का लाभ उठाने की अपील की है।

बुलंदशहर में रोजगार मेले का आयोजन: 142 अभ्यर्थियों का हुआ चयन

बुलंदशहर(वेलकम इंडिया)। जिला सेवायोजन कार्यालय (मॉडल करियर सेंटर) बुलंदशहर द्वारा मंगलवार को एम.एस. इंस्टीट्यूट, गंगेरूवा में रोजगार मेले का आयोजन किया गया। इस मेले में निजी क्षेत्र की 8 कंपनियों ने प्रतिभाग किया और विभिन्न पदों के लिए अभ्यर्थियों का चयन किया। रोजगार मेले में हाईस्कूल, इंटरमीडिएट, स्नातक तथा आईटीआई उत्तीर्ण कुल 171 अभ्यर्थियों ने प्रतिभाग किया, जिनमें से 142 अभ्यर्थियों का विभिन्न कंपनियों द्वारा चयन किया गया। चयनित अभ्यर्थियों में युवाओं का उत्साह देखने को मिला और उन्होंने इस पहल को रोजगार के अच्छे अवसर उपलब्ध कराने वाला बताया। जिला सेवायोजन अधिकारी ने बताया कि ऐसे रोजगार मेलों का उद्देश्य युवाओं को स्थानीय स्तर पर रोजगार के अवसर उपलब्ध कराना तथा निजी क्षेत्र की कंपनियों को योग्य अभ्यर्थी उपलब्ध कराना है। भविष्य में भी इस प्रकार के रोजगार मेलों का आयोजन किया जाता रहेगा।

खुर्जा में अवैध निमार्णों पर चला प्राधिकरण का सीलिंग अभियान

बुलंदशहर(वेलकम इंडिया)। बुलंदशहर-खुर्जा विकास प्राधिकरण के उपाध्यक्ष डॉ. अंकुर लाठर के निर्देश पर खुर्जा विकास क्षेत्र में अवैध निमार्णों के खिलाफ अभियान चलाया गया। इस दौरान सचल प्रवर्तन दल ने जंक्शन रोड (स्वास्तिक मैरिज होम के पास), कोतवाली रोड, बस स्टैंड के पास तथा ढांकर रोड (झाझर मार्ग) पर हो रहे करीब 860 वर्गमीटर क्षेत्रफल के चार अवैध निमार्णों को सील कर दिया। यह कार्रवाई प्राधिकरण के अधिकारियों ने पुलिस बल की मौजूदगी में की। प्राधिकरण की ओर से लोगों से अपील की गई है कि बिना मानचित्र स्वीकृति कोई निर्माण न करें और अवैध कॉलोनियों में प्लॉट खरीदने से बचें। स्वीकृत कॉलोनियों की सूची प्राधिकरण की वेबसाइट 666,' ों4स्रू.ङ्क पर उपलब्ध है।

रोजा इफ्तार पार्टी का आयोजन, सैकड़ों लोगों ने की शिरकत

मोहसिन रहमानी

कांधला(वेलकम इंडिया)। नगर के रेलवे मार्ग स्थित सभासद एवं समाजसेवी जुनेद मुखिया के आवास पर मंगलवार शाम रोजा इफ्तार पार्टी का आयोजन किया गया। इस अवसर पर नगर एवं आसपास के क्षेत्रों से दोनों समाज के सैकड़ों लोगों ने पहुंचकर आपसी भाईचारे, सौहार्द और एकता की मिसाल पेश की. रोज इफ्तार में भाईचारा कायम और देश में अमन चैन की दुआ कराई गई। इफ्तार पार्टी में बड़ी संख्या में रोजेदारों ने शिरकत की और निर्धारित समय पर सभी ने एक साथ रोजा किया। कार्यक्रम के दौरान धार्मिक वातावरण के साथ-साथ सामाजिक समरसता का भी सुंदर दृश्य देखने को मिला। उपस्थित लोगों ने एक-दूसरे को गले लगाकर आगामी पर्व ईद उल फितर की मुबारकबाद दी और देश में प्रेम और सद्भाव बनाए रखने का संदेश दिया। इस दौरान समाजसेवी जुनेद मुखिया ने सभी अतिथियों का स्वागत करते हुए कहा कि ऐसे कार्यक्रम समाज में आपसी भाईचारे को मजबूत करने का कार्य करते हैं। उन्होंने कहा कि रमजान का पवित्र महीना हमें संयम, त्याग और इंसानियत का संदेश देता है, जिसे सभी को अपने जीवन में अपनाना चाहिए। इस दौरान नगर के गणमान्य नागरिक, युवाओं सहित विभिन्न वर्गों के लोग मौजूद रहे। कार्यक्रम शांतिपूर्ण एवं सौहार्दपूर्ण वातावरण में सम्पन्न हुआ, जिससे सामाजिक एकता की एक सकारात्मक मिसाल पेश की गई।

पंडित सचिन शर्मा बने भाजपा जिला कार्यकारिणी के जिला उप कोषाध्यक्ष, कार्यकताओं में खुशी की लहर

वेलकम इंडिया संवाददाता

सिकंदराबाद। मंगलवार को भारतीय जनता पार्टी द्वारा जिला कार्यकारिणी की घोषणा किए जाने के बाद क्षेत्र में खुशी का माहौल है। घोषित सूची में नगर के पूर्व युवा मोर्चा उपाध्यक्ष पंडित सचिन शर्मा को जिला कार्यकारिणी में उप कोषाध्यक्ष की महत्वपूर्ण जिम्मेदारी सौंपी गई है, जबकि दीपक दुलहरा को जिला मंत्री बनाया गया है। यह घोषणा प्रदेश अध्यक्ष पंकज चौधरी की स्वीकृति के बाद की गई, जिसके तहत जिले की नई कार्यकारिणी का गठन किया गया। इस सूची में सक्रिय और समर्पित कार्यकर्ताओं को संगठन में जिम्मेदारी दी गई है।

पंडित सचिन शर्मा को जिला उप कोषाध्यक्ष बनाए जाने पर कार्यकर्ताओं में खासा उत्साह देखने को मिला। इस अवसर पर पंडित सचिन शर्मा ने कहा कि पार्टी ने जो जिम्मेदारी उन्हें सौंपी है, उसे वह पूरी निष्ठा और ईमानदारी के साथ निभाएंगे। उन्होंने कहा कि संगठन को मजबूत करने के लिए वह हर संभव प्रयास करेंगे और कार्यकर्ताओं के साथ कंधे से कंधा मिलाकर काम करेंगे। उनकी नियुक्ति पर कार्यकर्ताओं ने फूल-मालाएं पहनाकर व मिठाई खिलाकर उनका जोरदार स्वागत किया। इस दौरान समर्थकों ने खुशी जाहिर करते हुए इसे संगठन की मजबूती की दिशा में महत्वपूर्ण कदम बताया।

पुलिस की कार्रवाई: तमंचा व कारतूस के साथ एक अभियुक्त गिरफ्तार

मोहसिन रहमानी

कांधला(वेलकम इंडिया) संवाददाता मोहसिन रहमानी अपराध नियंत्रण के लिए चलाए जा रहे विशेष अभियान के तहत पुलिस को एक महत्वपूर्ण सफलता हाथ लगी है। पुलिस ने संदिग्ध व्यक्ति एवं वाहन चेकिंग अभियान के दौरान एक अभियुक्त को गिरफ्तार करते हुए, उसके कब्जे से अवैध हथियार बरामद किया है। पुलिस अधीक्षक एन.पी. सिंह के निर्देश पर जनपद भर में संदिग्ध व्यक्तियों और वाहनों की सघन चेकिंग की जा रही है। इसी अभियान के क्रम में अपर पुलिस अधीक्षक के निर्देशन एवं क्षेत्राधिकारी कैराना के नेतृत्व में थाना प्रभारी निरीक्षक सतीश कुमार उप निरीक्षक विपिन मलिक के साथ मिलकर पुलिस टीम सक्रिय रूप से अभियान चला रही थी चेकिंग के दौरान पुलिस टीम ने एक संदिग्ध युवक को रोककर तलाशी ली, जिसमें उसके पास से एक अवैध तमंचा .315 बोर तथा एक जिंदा कारतूस बरामद हुआ। पूछताछ में आरोपी की पहचान पारस पुत्र जगत सिंह निवासी ग्राम भारसी के रूप में हुई।पुलिस ने आरोपी को मौके से गिरफ्तार कर लिया और उसके खिलाफ मुकदमा दर्ज कर जेल भेज दिया है। थाना प्रभारी निरीक्षक सतीश कुमार का कहना है कि में क्षेत्र में अपराध और अवैध गतिविधियों पर अंकुश लगाने के लिए इस प्रकार के अभियान आगे भी लगातार जारी रहेंगे।

गमगीन माहौल में हुआ शहीद सैनिक का अंतिम संस्कार

डिबाई(वेलकम इंडिया)। एक दर्जन वाहनों के साथ प्रशासन की अगुवाई में पैतृक गांव खैरपुर पहुंचा शहीद तिलक सिंह का पार्थिव शरीर,का क्षेत्रवासियों ने जगह जगह शहीद तिलक सिंह को श्रद्धांजलि देकर उन्हें नमन किया गया। जम्मू कश्मीर के पुंछ में तैनाती के दौरान हृदयगति रूकने से बताई जा रही है सेना के जवान की शहादत अपने पिता ऐटम सिंह का दो बहनों के बीच एक मात्र अकेला बेटा था। शहीद तिलक सिंह अपने पिता का सपना पूरा करने के लिए सेना में भर्ती हुआ था तिलक सिंह अपने पीछें अपने चार मासूम बच्चों सहित पूरे परिवार को रोता छोड़ गया शहीद तिलक सिंह वहीं इकलौते बेटे की शहादत पर बोले पिता एटम सिंह कि यदि एक बेटा और होता तो उसे भी सेना में ही भेजता, मुझे गर्व है कि मेरा बेटा देश की सेवा करते हुए शहीद हुआ है।

सर्वाइकल कैंसर से बचाव को लेकर वैक्सीनेशन अभियान

मोहसिन रहमानी

कांधला(वेलकम इंडिया)। नगर क्षेत्र में सर्वाइकल कैंसर से बचाव के प्रति जागरूकता बढ़ाने के उद्देश्य से वैक्सीनेशन अभियान चलाया गया। इसी क्रम में मायावती स्कूल, कांधला में छात्र-छात्राओं को सर्वाइकल कैंसर से बचाव की वैक्सीन लगाई गई इस दौरान स्वास्थ्य विभाग की टीम ने उपस्थित छात्राओं को सर्वाइकल कैंसर के लक्षण, कारण और बचाव के उपायों के बारे में विस्तार से जानकारी दी।

साथ ही समय-समय पर टीकाकरण कराने की आवश्यकता पर भी जोर दिया गया, ताकि इस गंभीर बीमारी से बचाव संभव हो सके।कार्यक्रम के दौरान विद्यालय प्रबंधन और स्टाफ का भी सराहनीय सहयोग रहा। इस मौके पर स्कूल के प्रबंधक सतीश कुमार जैन सहित समस्त शिक्षण एवं गैर-शिक्षण स्टाफ मौजूद रहा।

सभी ने छात्र-छात्राओं को स्वास्थ्य के प्रति जागरूक रहने और टीकाकरण को अपनाने के लिए प्रेरित किया।स्वास्थ्य विभाग के अधिकारियों ने बताया कि इस प्रकार के अभियान आगे भी जारी रहेंगे, जिससे अधिक से अधिक लोगों को जागरूक कर सर्वाइकल कैंसर जैसी गंभीर बीमारी पर नियंत्रण पाया जा सके।

स्वर्गीय सेठ आनन्द स्वरूप माहेश्वरी की पुण्यतिथि पर श्रद्धांजलि सभा आयोजित

अनिल वशिष्ठ

मोदीनगर(वेलकम इंडिया)। तुलसीराम माहेश्वरी सीनियर सेकेंडरी पब्लिक स्कूल, मोदीनगर की ओर से शिक्षाविद एवं समाजसेवी स्वर्गीय सेठ आनन्द स्वरूप माहेश्वरी की 41वीं पुण्यतिथि श्रद्धापूर्वक मनाई गई। कार्यक्रम का शुभारम्भ सेठ जी के वरिष्ठ पुत्र विनोद कुमार माहेश्वरी एवं बहन श्रीमती पुष्पा माहेश्वरी द्वारा सेठ जी के चित्र पर माल्यार्पण कर भावभीनी श्रद्धांजलि अर्पित करने के साथ हुआ। इसके पश्चात परिवार के अन्य सदस्यों नरेन्द्र माहेश्वरी, कुमोद माहेश्वरी, गौरव माहेश्वरी , श्रीमती राधिका माहेश्वरी, अंकुर माहेश्वरी तथा आशीष माहेश्वरी एवं परिवार के बच्चों ने पुष्प अर्पित कर श्रद्धा-सुमन अर्पित किए। इस अवसर पर नगर एवं ग्रामीण क्षेत्रों के अनेक गणमान्य व्यक्तियों, शिक्षाविदों तथा समाज के प्रतिष्ठित लोगों ने भी सेठ जी के चित्र पर पुष्पमालाएं अर्पित कर उन्हें भावभीनी श्रद्धांजलि दी। श्रद्धांजलि सभा में विभिन्न विद्यालयों के शिक्षक-शिक्षिकाओं द्वारा भजन एवं प्रेरणादायक सुविचारों के माध्यम से सेठ जी के प्रति अपनी श्रद्धा व्यक्त की गई।

उपस्थित वक्ताओं ने अपने संबोधन में कहा कि स्वर्गीय सेठ श्री आनन्द स्वरूप माहेश्वरी जी ने मोदीनगर में पी.बी.ए.एस. बॉयज इंटर कॉलेज, कन्या इंटर कॉलेज तथा तुलसीराम माहेश्वरी सीनियर सेकेंडरी पब्लिक स्कूल की स्थापना कर शिक्षा के क्षेत्र में अभूतपूर्व योगदान दिया। विनोद कुमार माहेश्वरी की प्रेरणा से गौरव माहेश्वरी द्वारा तुलसीराम माहेश्वरी सीनियर सेकेंडरी पब्लिक स्कूल, मुरादनगर की स्थापना कर शिक्षा सेवा के इस महान कार्य को निरंतर आगे बढ़ाया जा रहा है। तीनों विद्यालयों के प्रधानाचार्य श्याम लाल, प्रधानाचार्या श्रीमती रजनी ओहरी तथा डॉ. संगीता शर्मा ने सेठ जी को श्रद्धा-सुमन अर्पित करते हुए उनके आदर्शों को प्रेरणास्रोत बताया। इस अवसर पर प्रधानाचार्या श्रीमती रजनी ओहरी जी ने अपने विचार व्यक्त करते हुए कहा कि श्रीकृष्ण जी के उपदेशों की कुछ पंक्तियाँ सेठ जी के व्यक्तित्व पर पूर्णतः सार्थक बैठती हैं। वे भी अपने जीवन में सदैव इसी भाव से कार्य करते थे कि जब जीवन में कठिन समय आए, तो उसे निराशा का कारण न मानकर यह समझना चाहिए कि ईश्वर हमें और अधिक सशक्त बना रहे हैं। क्योंकि जैसे सोना अग्नि में तपकर ही कुंदन बनता है, उसी प्रकार मनुष्य भी संघर्षों से गुजरकर ही निखरता है। कार्यक्रम का सफल संचालन श्रीमती सरिता गुलाटी द्वारा किया गया। श्रद्धांजलि सभा में समाज के गणमान्य विद्वतजनों में सुभाष शर्मा, दिनेश माहेश्वरी, अनिल वशिष्ठ, डॉ. राजेन्द्र सिंह, अजय माहेश्वरी, अखिलेश द्विवेदी, स्वदेश जैन, पूर्व राज्य मंत्री राम किशोर तथा भाजपा नेता पवन सिंघल, हेमंत शारदा, ओमपाल सिंह श्रीहरि ओम (कमेटी सदस्य) सहित अनेक प्रतिष्ठित व्यक्ति उपस्थित रहे। इस श्रद्धांजलि सभा में प्रधानाचार्यगण, शिक्षक-शिक्षिकाएं, कर्मचारी वर्ग तथा अन्य आगंतुक बड़ी संख्या में सम्मिलित हुए। अंत में डॉ. दिनेश शर्मा ने कार्यक्रम में उपस्थित सभी अतिथियों एवं आगंतुकों का आभार व्यक्त किया। कार्यक्रम के उपरांत विनोद कुमार माहेश्वरी की ओर से विशाल भंडारे का आयोजन किया गया, जिसमें उपस्थित सभी अतिथियों एवं आगंतुकों के लिए भोजन प्रसाद की व्यवस्था की गई।

एसडीजीआई ग्लोबल यूनिवर्सिटी के छात्रों का शैक्षणिक भ्रमण

वेलकम इंडिया संवाददाता

गाजियाबाद। डासना स्थित एसडीजीआई ग्लोबल यूनिवर्सिटी के स्कूल ऑफ साइंसेज द्वारा विद्यार्थियों के लिए एक महत्वपूर्ण शैक्षणिक पहल करते हुए ग्रेटर नोएडा स्थित एक प्रतिष्ठित सरकारी विश्वविद्यालय की उन्नत अनुसंधान प्रयोगशाला का दो दिवसीय शैक्षणिक भ्रमण आयोजित किया गया। 16 एवं 17 मार्च 2026 को आयोजित इस भ्रमण में बी.एससी. (ऑनर्स) बायोटेक्नोलॉजी, फॉरेंसिक साइंसेज एवं पीसीएम के प्रथम एवं द्वितीय वर्ष के विद्यार्थियों ने भाग लिया। इस शैक्षणिक भ्रमण का आयोजन स्कूल ऑफ साइंसेज की निदेशक डॉ. ज्योति चौधरी के मार्गदर्शन में किया गया। कार्यक्रम का उद्देश्य विद्यार्थियों को कक्षा की पढ़ाई के साथ-साथ व्यावहारिक अनुभव प्रदान करना और उन्हें आधुनिक अनुसंधान सुविधाओं से परिचित कराना था। भ्रमण के दौरान विद्यार्थियों को अत्याधुनिक प्रयोगशालाओं, शोध उपकरणों और वैज्ञानिक प्रक्रियाओं का प्रत्यक्ष अवलोकन करने का अवसर मिला।

जेडीयू के वरिष्ठ नेता केसी त्यागी शीघ्र रालोद में हो सकते हैं शामिल

अनिल वशिष्ठ

मोदीनगर(वेलकम इंडिया)। जनता दल यूनाईटेड के वरिष्ठ नेता पूर्व सांसद केसी त्यागी शीघ्र ही रालोद में जा सकते हैं। सूत्रों का कहना है कि पिछले कुछ समय से वरिष्ठ नेता केसी त्यागी जयन्त चौधरी के सम्पर्क में है और रालोद सूत्रो का कहना है कि बहुत जल्द ही दिल्ली में आयोजित होने जा रहे एक कार्यक्रम में जेडीयू के वरिष्ठ नेता केसी त्यागी रालोद की सदस्यता ग्रहण करेंगे। पिछले कुछ दिनों से चचाएं चल रही थी कि जेडीयू के वरिष्ठ नेता केसी त्यागी रालोद में जा सकते है। पूर्व सांसद केसी त्यागी ने केंद्रीय राज्यमंत्री स्वतंत्र प्रभार जयन्त चौधरी को अपने एक कार्यक्रम में मुख्य अतिथि के रूप में बुलाया था। तभी से चर्चा शुरू हो गयी थी कि केसी त्यागी रालोद की सदस्यता ग्रहण कर सकते है। सूत्र बता रहे है कि बहुत ही शीघ्र केसी त्यागी रालोद में एक बड़ी जिम्मेदारी लेने जा रहे है। जेडीयू के वरिष्ठ नेता केसी त्यागी द्वारा जारी एक पत्र में कहा गया है जनता दल जेडीयू का गठन 30 अक्टूबर 2003 को समता पार्टी और जनता दल के विलय से हुआ था। जॉर्ज फर्नांडिस पार्टी के अध्यक्ष थे और मैं महासचिव के तौर पर उनके साथ मिलकर काम करता था। मैंने श्री शरद यादव और श्री नीतीश कुमार के साथ भी काम किया, जब वे अध्यक्ष थे और मैं पार्टी का मुख्य महासचिव, मुख्य प्रवक्ता और राजनीतिक सलाहकार था। अब पार्टी का सदस्यता अभियान समाप्त हो गया है। इस बार मैंने पार्टी की सदस्यता का नवीनीकरण नहीं कराया है। हालांकि, समाज के वंचित वर्गों, किसानों और कृषि से जुड़े लोगों के हितों से जुड़े व्यापक और विस्तृत वैचारिक मुद्दों के प्रति मेरी प्रतिबद्धता पहले की तरह ही दृढ़ बनी हुई है। उन्होंने पत्र में कहा है कि नीतीश कुमार के प्रति मेरा व्यक्तिगत सम्मान, जो लगभग आधी सदी तक मेरे साथी रहे, वह भी अपरिवर्तित है मेरे कुछ मित्र, शुभचिंतक और कार्यकर्ता 22 मार्च 2026 को देश की राजनीतिक स्थिति पर चर्चा करने के लिए मालवणकर हॉल, रफी मार्ग पर समान विचारधारा वाले लोगों की एक बैठक आयोजित कर रहे हैं।मेरी आगे की रणनीति जल्द ही मेरे सभी करीबी लोगों से परामर्श करके तय की जाएगी। फिर भी, हम भारत रत्न श्री चौधरी चरण सिंह , डॉ. राम मनोहर लोहिया और भारत रत्न कपूरी ठाकुर के विचारों और विचारधारा से प्रेरित होते रहेंगे।

पुलिस मुठभेड़ प्रकरण की मजिस्ट्रियल जांच शुरू

वेलकम इंडिया संवाददाता

गाजियाबाद। जनपद के थाना इंदिरापुरम क्षेत्र में हुई पुलिस मुठभेड़ के मामले में नगर मजिस्ट्रेट द्वारा मजिस्ट्रियल जांच प्रारंभ कर दी गई है। प्रशासन ने इस मामले में पारदर्शिता सुनिश्चित करने के लिए आमजन से साक्ष्य और जानकारी उपलब्ध कराने की अपील की है। नगर मजिस्ट्रेट, जो इस प्रकरण में जांच अधिकारी नियुक्त किए गए हैं, ने जानकारी देते हुए बताया कि पुलिस उपायुक्त, ट्रांस हिंडन, कमिश्नरेट गाजियाबाद के पत्र के अनुसार दिनांक 3 मार्च 2026 को सहायक पुलिस आयुक्त (अपराध), स्वाट टीम एवं अपराध शाखा की टीम और दो अपराधियों के बीच मुठभेड़ हुई थी। इस दौरान घायल हुए अभियुक्त गुलफाम पुत्र बुनियाद अली, निवासी कस्बा सैदनंगली, जनपद अमरोहा की उपचार के दौरान वसुंधरा स्थित एक निजी अस्पताल में मृत्यु हो गई। इस संबंध में थाना इंदिरापुरम में प्रकरण दर्ज कर विधिक कार्यवाही की जा रही है। साथ ही, राष्ट्रीय मानवाधिकार आयोग, नई दिल्ली के निर्देशों के अनुपालन में इस मुठभेड़ में हुई मृत्यु की मजिस्ट्रियल जांच कराए जाने का अनुरोध किया गया था। जिलाधिकारी के आदेश के क्रम में नगर मजिस्ट्रेट को इस प्रकरण की जांच का दायित्व सौंपा गया है। जांच अधिकारी द्वारा अब पूरे मामले की विस्तृत जांच की जा रही है ताकि घटना के सभी पहलुओं को स्पष्ट किया जा सके। प्रशासन ने सर्वसाधारण को सूचित किया है कि यदि किसी व्यक्ति के पास इस घटना से संबंधित कोई प्रत्यक्ष या अप्रत्यक्ष जानकारी अथवा साक्ष्य उपलब्ध हो, तो वह दिनांक 17 मार्च 2026 से 31 मार्च 2026 के मध्य नगर मजिस्ट्रेट कार्यालय, कलेक्ट्रेट गाजियाबाद में किसी भी कार्य दिवस पर उपस्थित होकर अपना बयान दर्ज करा सकता है। इसके अतिरिक्त, संबंधित व्यक्ति लिखित बयान के साथ-साथ फोटोग्राफ, ध्वनि रिकॉर्डिंग या दृश्य सामग्री भी प्रस्तुत कर सकता है। प्रशासन ने लोगों से सहयोग की अपील करते हुए कहा है कि निष्पक्ष जांच के लिए जनसहभागिता अत्यंत महत्वपूर्ण है।

एनएसएस शिविर में शैक्षिक एवं सांस्कृतिक गतिविधियों के अलावा योगाभ्यास कराया गया

अनिल वशिष्ठ

मोदीनगर(वेलकम इंडिया)। मुल्तानीमल मोदी कॉलेज, मोदीनगर की राष्ट्रीय सेवा योजना इकाइयों द्वारा आयोजित सात दिवसीय विशेष शिविर के पाँचवें दिन विभिन्न सामाजिक, शैक्षिक एवं सांस्कृतिक गतिविधियों का आयोजन किया गया। कार्यक्रम की शुरूआत प्रातः योगाचार्य एडवोकेट राजीव त्यागी के निर्देशन में स्वयंसेवकों द्वारा किए गए योग सत्र से हुई। योगाभ्यास के पश्चात सभी स्वयंसेवकों की उपस्थिति दर्ज की गई।

इसके बाद सभी स्वयंसेवक अपने-अपने पूर्व निर्धारित शिविर स्थलों पर साक्षरता सर्वेक्षण के लिए गए। सर्वेक्षण से लौटने के बाद स्वयंसेवकों द्वारा अपने अनुभव साझा किए गए तथा सर्वे की रिपोर्ट प्रस्तुत की गई। इसी क्रम में सुबह के सत्र में मोदीनगर व्यापार संघ के अध्यक्ष पवन सिंघल ने स्वयंसेवकों को संबोधित करते हुए समाज में युवाओं की भूमिका और सामाजिक उत्तरदायित्व के महत्व पर अपने विचार व्यक्त किए।

इसके पश्चात किचेन कमेटी द्वारा सभी स्वयंसेवकों को दोपहर का भोजन कराया गया। दोपहर बाद आयोजित बौद्धिक कार्यक्रम में महाविद्यालय के वनस्पति विज्ञान विभाग की सुश्री मोना नागपाल एवं डॉ. सुजाता ने अपने व्याख्यान प्रस्तुत किए। डॉ. सुजाता ने अपने वक्तव्य में जल संरक्षण और जल के महत्व पर विशेष रूप से ध्यान आकर्षित किया। इसके बाद विद्या भारती, मेरठ प्रांत के संभाग निदेशक जगवीर शर्मा ने स्वयंसेवकों के मध्य विभिन्न पहेलियों और संवादात्मक शैली के माध्यम से प्रेरणादायक विचार प्रस्तुत किए, जिससे कार्यक्रम रोचक एवं ज्ञानवर्धक बन गया।शाम को आयोजित समीक्षा बैठक में सभी कार्यक्रम अधिकारी डॉ अमर सिंह कश्यप, डॉ कोमल गुप्ता, डॉ राज कुमार, डॉ शिवांगी त्रिवेदी ने अपनी अपनी इकाईयों की दिनभर की गतिविधियों पर चर्चा की तथा स्वयंसेवकों ने अपने अनुभव साझा किए। बैठक में आगामी अंतिम दिवस पर आयोजित होने वाले नुक्कड़ नाटकों की तैयारियों की समीक्षा की गई। साथ ही सांस्कृतिक समिति द्वारा प्रस्तुत नृत्य एवं अन्य सांस्कृतिक कार्यक्रमों की तैयारियों को भी देखा गया तथा शाम को आयोजित होने वाले साहित्यिक और सांस्कृतिक कार्यक्रमों की रूपरेखा पर विचार-विमर्श किया गया।

नामित पार्षदों की नियुक्ति पर पंजाबी समाज में खुशी

वेलकम इंडिया संवाददाता

गाजियाबाद। भाजपा द्वारा हाल ही में की गई नामित पार्षदों एवं संगठनात्मक नियुक्तियों के बाद गाजियाबाद के पंजाबी समाज में खुशी का माहौल है। गुरुद्वारा श्री गुरु सिंह सभा के प्रधान इंदरजीत सिंह टीटू ने इसे समाज के लिए सम्मान का क्षण बताते हुए भाजपा नेतृत्व का आभार व्यक्त किया। उन्होंने अपने वक्तव्य में कहा कि यह दिन उनके लिए अत्यंत खुशी का है। उन्होंने राष्ट्रीय जनतांत्रिक गठबंधन में प्रमुख भूमिका निभा रही भारतीय जनता पार्टी के नेतृत्व को बधाई देते हुए कहा कि मोदीनगर से ललित सैन को सभासद नियुक्त किया जाना सराहनीय निर्णय है। इसके साथ ही सरदार पम्मी को उनकी आयु के इस पड़ाव पर नामित पार्षद बनाना एक सम्मानजनक और प्रेरणादायक कदम है। इंदरजीत सिंह टीटू ने कहा कि पंजाबी समाज के लिए यह दोहरी खुशी का अवसर है, जब अंकुश अरोड़ा को भी सम्मान मिला और महानगर संगठन में गौरव चोपड़ा को महामंत्री के रूप में जिम्मेदारी दी गई। उन्होंने कहा कि इन नियुक्तियों से समाज का मनोबल बढ़ा है और यह पूरे समाज के लिए गर्व का विषय है। उन्होंने आगे कहा कि पंजाबी समाज ने हमेशा निस्वार्थ भाव से सामाजिक, धार्मिक और राजनीतिक क्षेत्रों में योगदान दिया है। समाज के लोग जिस भी संगठन से जुड़े होते हैं, पूरी निष्ठा और समर्पण के साथ कार्य करते हैं। ऐसे में जब समाज के किसी व्यक्ति को सम्मान मिलता है, तो वह पूरे समाज के लिए सम्मान का प्रतीक बन जाता है। टीटू ने कहा कि इस प्रकार की नियुक्तियों से अन्य राजनीतिक दलों को भी प्रेरणा मिलती है कि वे समाज के योगदान को पहचानें और उचित प्रतिनिधित्व दें। उन्होंने विश्वास जताया कि भविष्य में भी समाज के लोगों को इसी तरह अवसर मिलते रहेंगे। अंत में उन्होंने कहा कि समाज के सम्मान से उन्हें व्यक्तिगत रूप से भी गर्व की अनुभूति होती है और यह भावना उन्हें समाज के लिए निरंतर कार्य करने की प्रेरणा देती है।

स्प्रीएस्टा-2026 का दूसरा दिन बना प्रतिभा और रचनात्मकता का महाकुंभ

वेलकम इंडिया संवाददाता

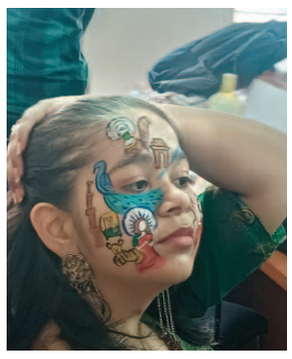

एनसीआर। एचआईएमटी ग्रुप ऑफ इंस्टीट्यूशन्स में आयोजित स्प्रीएस्टा-2026 का द्वितीय दिवस मंगलवार को उत्साह, रचनात्मकता और प्रतिभा के अद्भुत संगम के रूप में सम्पन्न हुआ। कार्यक्रम में देश के विभिन्न प्रतिष्ठित शिक्षण संस्थानों से आए प्रतिभागियों ने बढ़-चढ़कर हिस्सा लिया और विविध प्रतियोगिताओं के माध्यम से अपने कौशल, सृजनात्मकता और आत्मविश्वास का शानदार प्रदर्शन किया। पूरे दिन परिसर में ऊर्जा, उमंग और प्रतिस्पर्धा का माहौल देखने को मिला।

दूसरे दिन की सबसे बड़ी खासियत रही सृजनात्मक और बौद्धिक गतिविधियों की विविधता। मेहंदी, रंगोली, फेस पेंटिंग, एक्सटेम्पोर, एड-मैड शो, क्विज और वाद-विवाद प्रतियोगिताओं ने कार्यक्रम को बहुआयामी बना दिया। इन प्रतियोगिताओं में प्रतिभागियों ने अपनी कला और अभिव्यक्ति का ऐसा प्रदर्शन किया कि दर्शक मंत्रमुग्ध हो गए। मेहंदी और रंगोली प्रतियोगिता में प्रतिभागियों की रचनात्मक सोच, बारीकी और रंगों के संयोजन ने सभी का ध्यान आकर्षित किया। पारंपरिक और आधुनिक डिजाइनों का सुंदर मिश्रण देखने को मिला, जिसने कला प्रेमियों को विशेष रूप से प्रभावित किया। वहीं फेस पेंटिंग प्रतियोगिता में प्रतिभागियों ने रंगों के माध्यम से भावनाओं, विषयों और सामाजिक संदेशों को जीवंत रूप में प्रस्तुत किया, जो देखने वालों के लिए बेहद आकर्षक रहा। एक्सटेम्पोर और वाद-विवाद प्रतियोगिताओं में छात्रों ने समसामयिक और ज्वलंत मुद्दों पर अपने विचार प्रभावशाली और तार्किक ढंग से प्रस्तुत किए। प्रतिभागियों की भाषण शैली, विषय पर पकड़ और आत्मविश्वास ने बौद्धिक वातावरण को और समृद्ध बना दिया। इन प्रतियोगिताओं ने यह सिद्ध कर दिया कि आज का युवा न केवल रचनात्मक है, बल्कि सामाजिक और राष्ट्रीय मुद्दों को लेकर भी सजग और जागरूक है। एड-मैड शो ने प्रतिभागियों की रचनात्मकता और प्रस्तुति कौशल को नए आयाम दिए। टीमों ने कम समय में प्रभावशाली विज्ञापन प्रस्तुत कर दर्शकों की खूब तालियां बटोरीं। वहीं क्विज प्रतियोगिता में प्रतिभागियों की ज्ञान क्षमता, त्वरित सोच और टीम वर्क देखने को मिला, जिसने कार्यक्रम में प्रतिस्पर्धात्मक माहौल को और मजबूत किया। सांस्कृतिक प्रस्तुतियों ने इस दिन को और भी यादगार बना दिया। गायन, नृत्य और नाट्य मंचन (स्किट्स) ने पूरे वातावरण को जीवंत कर दिया। कलाकारों की प्रस्तुति ने दर्शकों को झूमने पर मजबूर कर दिया और पूरा परिसर तालियों की गूंज से भर उठा। इन प्रस्तुतियों ने न केवल मनोरंजन किया, बल्कि सांस्कृतिक विविधता और रचनात्मक अभिव्यक्ति का भी शानदार उदाहरण पेश किया। स्प्रीएस्टा-2026 का यह द्वितीय दिवस केवल प्रतियोगिताओं तक सीमित नहीं रहा, बल्कि यह छात्रों के सर्वांगीण विकास का एक प्रभावी मंच बनकर उभरा। यहां प्रतिभागियों को अपनी प्रतिभा निखारने, नए अनुभव हासिल करने और अन्य संस्थानों के छात्रों के साथ संवाद स्थापित करने का अवसर मिला। इससे उनमें आत्मविश्वास और प्रतिस्पर्धात्मक भावना का भी विकास हुआ। संस्थान के प्रबंधन और आयोजन समिति ने कार्यक्रम की सफलता पर प्रसन्नता व्यक्त करते हुए सभी प्रतिभागियों, अतिथियों और सहयोगियों का आभार जताया।

शास्त्रीनगर और कविनगर में अवैध गोदामों पर जीडीए की बड़ी कार्रवाई, कई निर्माण सील

अरुण मिश्रा

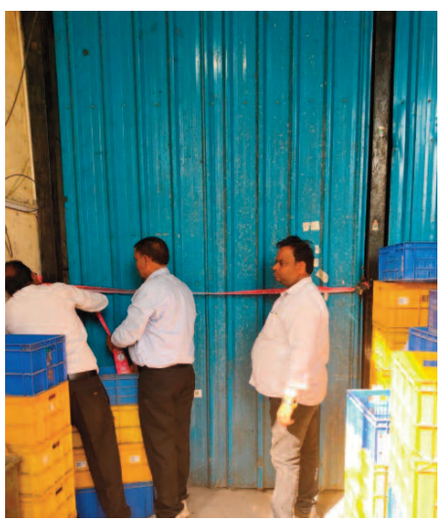

गाजियाबाद(वेलकम इंडिया)। अवैध निमार्णों और बिना स्वीकृति संचालित गतिविधियों के खिलाफ सख्ती बरतते हुए गाजियाबाद विकास प्राधिकरण (जीडीए) ने मंगलवार को प्रवर्तन जोन-04 क्षेत्र में व्यापक सीलिंग अभियान चलाया। इस दौरान शास्त्रीनगर और कविनगर में संचालित कई अवैध गोदामों को सील कर दिया गया। प्राधिकरण के उपाध्यक्ष के निदेर्शों के क्रम में प्रभारी प्रवर्तन जोन-04 के नेतृत्व में यह कार्रवाई की गई। जीडीए की टीम ने शास्त्रीनगर स्थित भूखंड संख्या एसके-03 पर करीब 500 वर्गमीटर क्षेत्र में बिना मानचित्र स्वीकृति के संचालित एक गोदाम को सील किया।

यह गोदाम संचालक संजय गोयल द्वारा संचालित किया जा रहा था। इसी क्रम में भूखंड संख्या एसके-05, शास्त्रीनगर में भी करीब 500 वर्गमीटर क्षेत्र में बिना स्वीकृति के गोदाम संचालन का मामला सामने आया। यह गोदाम सुमिता गुप्ता द्वारा संचालित किया जा रहा था। प्राधिकरण के अनुसार, इस निर्माण के विरुद्ध पहले ही उत्तर प्रदेश नगर योजना एवं विकास अधिनियम 1973 के तहत वाद दर्ज किया जा चुका था और सक्षम अधिकारी द्वारा ध्वस्तीकरण आदेश भी पारित किया गया था, इसके बावजूद निर्माण जारी रखा गया। इसके अलावा कविनगर क्षेत्र में भूखंड संख्या केडी-21 पर करीब 100 वर्गमीटर क्षेत्र में बिना अनुमति ह्यबिल बास्केटह्व नाम से संचालित गोदाम को भी सील कर दिया गया। यह गोदाम अशोक कुमार सिंघल द्वारा संचालित किया जा रहा था। जीडीए अधिकारियों ने बताया कि इन सभी निमार्णों के लिए न तो स्वीकृत मानचित्र प्रस्तुत किया गया और न ही संचालन के लिए कोई वैध अनुमति ली गई थी। ऐसे में अवैध गतिविधियों पर रोक लगाने के लिए सीलिंग की कार्रवाई जरूरी थी। पूरी कार्रवाई प्राधिकरण के प्रवर्तन जोन-04 के स्टाफ और पुलिस बल की मौजूदगी में शांतिपूर्ण ढंग से संपन्न कराई गई। जीडीए ने स्पष्ट किया है कि अवैध निमार्णों और बिना अनुमति संचालित गतिविधियों के खिलाफ यह अभियान आगे भी लगातार जारी रहेगा।

मेवाड़ संस्थान में 56 विद्यार्थियों ने बढ़-चढ़कर किया रक्तदान

वेलकम इंडिया संवाददाता

गाजियाबाद। वसुंधरा स्थित मेवाड़ ग्रुप ऑफ इंस्टीट्यूशंस के विवेकानंद सभागार में मंगलवार को जनहित के उद्देश्य से रक्तदान शिविर का आयोजन किया गया, जिसमें 56 विद्यार्थियों और शिक्षण स्टाफ ने उत्साहपूर्वक रक्तदान किया। यह शिविर वरदान मल्टीस्पेशलिटी हॉस्पिटल एवं रोटरी क्लब ऑफ गाजियाबाद मिडटाउन के संयुक्त तत्वावधान में आयोजित किया गया। शिविर का उद्घाटन मेवाड़ ग्रुप ऑफ इंस्टीट्यूशंस के चेयरमैन डॉ. अशोक कुमार गदिया, महासचिव अशोक कुमार सिंघल, निदेशिका डॉ. अलका अग्रवाल तथा रोटरी क्लब के अध्यक्ष अतुल ठाकुर, सचिव राजीव साधना, प्रोजेक्ट चेयरमैन दिनेश गर्ग एवं सदस्य संदीप गोयल द्वारा फीता काटकर किया गया। इस दौरान सभी ने रक्तदान को मानवता की सेवा का सर्वोत्तम कार्य बताया। रक्तदान से पूर्व सभी इच्छुक विद्यार्थियों का सामान्य स्वास्थ्य परीक्षण किया गया, ताकि सुरक्षित प्रक्रिया सुनिश्चित की जा सके। रक्तदान के पश्चात सभी दानदाताओं को वरदान हॉस्पिटल की ओर से प्रमाण पत्र, उपहार और फल प्रदान कर सम्मानित किया गया। कार्यक्रम के दौरान विद्यार्थियों को रक्तदान के महत्व और इसके स्वास्थ्य लाभों के बारे में भी विस्तार से जानकारी दी गई। विशेषज्ञों ने बताया कि रक्तदान से शरीर में नई रक्त कोशिकाओं का निर्माण होता है, हिमोग्लोबिन का स्तर बेहतर होता है और कई गंभीर बीमारियों का खतरा कम होता है।

एनसीआर की सोसाइटियों में 'ओवरस्टेइंग' आरडब्ल्यूए पर सख्ती, 25 सोसाइटियों को नोटिस अभी और सूची की जा रही तैयार

वेलकम इंडिया संवाददाता

गाजियाबाद/नोएडा। एनसीआर की हाउसिंग सोसाइटियों में लंबे समय से बिना चुनाव के चल रही रेजिडेंट वेलफेयर एसोसिएशन (RWA) और अपार्टमेंट ऑनर्स एसोसिएशन (AOA) पर अब प्रशासन ने सख्ती शुरू कर दी है। उत्तर प्रदेश सरकार के निर्देश पर सोसाइटियों में समय पर चुनाव कराने की प्रक्रिया तेज कर दी गई है और अनियमितताओं पर कड़ी कार्रवाई की चेतावनी दी गई है।

इसी क्रम में प्रताप विहार सेक्टर-11 रेजिडेंट्स वेलफेयर एसोसिएशन द्वारा भी एक शिकायती पत्र डिप्टी रजिस्ट्रार को दिया जिसमें जिक्र किया गया कि विहार रेजिडेंट्स वेलफेयर एसोसिएशन के द्वारा सभी नियम कानून को ताक पर रखते हुए संगठन का संचालन किया जा रहा है यानी यहां

पर पिछले 18 साल से कोई चुनाव नहीं किया गया और ना ही किसी तरह का ऑडिट किया गया।

इसी तरह की मिलती-जुलती करीब 25और सोसाइटियों की भी शिकायत प्राप्त हुई जिसके बाद तत्काल प्रभाव से डिप्टी रजिस्ट्रार वैभव कुमार ने सख्त रुख अपनाते हुए करीब 50 सोसाइटियों को नोटिस जारी किया है।

प्रशासन की निगरानी में ही होंगे चुनाव

डिप्टी रजिस्ट्रार वैभव कुमार का कहना है कि लंबित सोसाइटियों की सूची तैयार की जा रही है। खामी पाये जाने पर उन्हें भी नोटिस जारी किया जायेगा और सूची अंतिम होने के बाद उन सोसाइटियों में प्रशासन की देखरेख में चुनाव कराए जाएंगे, ताकि पारदर्शिता सुनिश्चित हो सके और निवासियों को जवाबदेह प्रबंधन मिल सके। प्रशासन का मानना है कि इस कदम से सोसाइटियों में लंबे समय से चले आ रहे विवाद कम होंगे और आवासीय परिसरों के प्रबंधन में जवाबदेही बढ़ेगी।

कई सोसाइटियों में वर्षों से नहीं हुए चुनाव

डिप्टी रजिस्ट्रार के अनुसार कुछ सोसाइटियों में पांच से सात वर्षों से चुनाव नहीं कराए गए हैं। वहीं नोएडा के कुछ सेक्टरों में चुनाव 10 से 15 वर्षों तक लंबित रहने की शिकायतें भी सामने आई हैं। निवासियों का कहना है कि चुनाव में देरी के कारण सोसाइटी प्रबंधन में पारदर्शिता की कमी और रखरखाव से जुड़ी समस्याएं बढ़ रही हैं।

डिप्टी रजिस्ट्रार का कहना है कि सोसाइटियों के संचालन में किसी भी तरह की अनियमितता बर्दाश्त नहीं की जाएगी। जो लोग कानून के विपरीत समिति का संचालन कर रहे हैं, उनके खिलाफ कार्रवाई भी की जाएगी।

सूत्रों के अनुसार, एनसीआर की कई हाउसिंग सोसाइटियों में वर्षों से चुनाव नहीं हुए हैं और पदाधिकारी निर्धारित कार्यकाल समाप्त होने के बाद भी पदों पर बने हुए हैं। निवासियों की शिकायतों के बाद फर्म, सोसाइटी एवं चिट्स विभाग (डिप्टी रजिस्ट्रार कार्यालय) ने ऐसे मामलों में हस्तक्षेप शुरू किया है।

पिछले कुछ महीनों में नोएडा की करीब 30 और गाजियाबाद की लगभग 20 सोसाइटियों में प्रशासन की निगरानी में चुनाव कराए जा चुके हैं। अब अन्य सोसाइटियों में भी चुनाव प्रक्रिया को जल्द पूरा कराने की तैयारी की जा रही है।

उत्तर प्रदेश अपार्टमेंट एक्ट और सोसाइटी रजिस्ट्रेशन एक्ट के अनुसार किसी भी सोसाइटी या आरडब्ल्यूए की गवर्निंग बॉडी का कार्यकाल सामान्यतः दो वर्ष का होता है। इसके बाद पारदर्शी प्रक्रिया के तहत नए चुनाव कराना अनिवार्य है और नई कार्यकारिणी की जानकारी डिप्टी रजिस्ट्रार कार्यालय में जमा करानी होती है।

मासूम से हैवानियत: टॉफी का लालच देकर 4 साल की बच्ची से दरिंदगी, इलाज के दौरान मौत

कपिल चौहान

गाजियाबाद (वेलकम इंडिया)। थाना नंदग्राम क्षेत्र में दिल दहला देने वाली घटना सामने आई है, जहां 4 साल की मासूम बच्ची खेत में गंभीर रूप से घायल अवस्था में पड़ी मिली। स्थानीय लोगों और परिजनों ने तत्काल बच्ची को अस्पताल पहुंचाया, लेकिन इलाज के दौरान उसकी मौत हो गई।

सूचना मिलते ही पुलिस मौके पर पहुंची और अस्पताल में भी जांच शुरू की। घटना की गंभीरता को देखते हुए उच्चाधिकारियों ने घटनास्थल का निरीक्षण किया। साथ ही एफएसएल और डॉग स्क्वायड टीमों ने मौके से साक्ष्य जुटाए।

प्रारंभिक जांच में परिजनों ने बताया कि पड़ोस में रहने वाला गौरव प्रजापति (उम्र करीब 24 वर्ष) बच्ची को शाम के समय टॉफी दिलाने के बहाने अपने साथ ले गया था, जिसके बाद वह वापस नहीं लौटी। आरोपी पहले से परिवार के संपर्क में था। पुलिस ने तत्परता दिखाते हुए आरोपी गौरव प्रजापति को हिरासत में ले लिया है और उससे गहन पूछताछ की जा रही है। परिजनों की तहरीर के आधार पर संबंधित धाराओं में मुकदमा दर्ज कर आगे की विधिक कार्रवाई की जा रही है।

पुलिस का कहना है कि मामले की हर पहलू से जांच की जा रही है और दोषी के खिलाफ सख्त कार्रवाई सुनिश्चित की जाएगी।

फर्जी ECHS कार्ड गिरोह का भंडाफोड़, 4 गिरफ्तार, लाखों की ठगी का खुलासा

कपिल चौहान

ग्रेटर नोएडा। बिसरख थाना पुलिस ने फर्जी तरीके से ECHS कार्ड का इस्तेमाल कर इलाज कराने वाले एक संगठित गिरोह का पदार्फाश किया है। पुलिस ने इस मामले में एक महिला समेत 4 आरोपियों को गिरफ्तार किया है।

पुलिस जांच में सामने आया है कि आरोपी पिछले करीब 2 वर्षों से फर्जी ECHS कार्ड और आधार कार्ड का इस्तेमाल कर धोखाधड़ी कर रहे थे। गिरोह ऐसे लोगों को निशाना बनाता था जो इलाज का खर्च बचाना चाहते थे। आरोपियों द्वारा उन्हें फर्जी दस्तावेजों के आधार पर अस्पताल में भर्ती कराया जाता था और बाद में इलाज का क्लेम भी दिलवाया जाता था।

जांच के दौरान खुलासा हुआ कि आरोपियों ने फर्जी आधार कार्ड के जरिए करीब 6 लाख 50 हजार रुपये का इलाज करवा लिया था। पुलिस ने इनके कब्जे से व्हाट्सएप के माध्यम से तैयार और इस्तेमाल किए गए फर्जी ECHS कार्ड और आधार कार्ड भी बरामद किए हैं। बिसरख थाना पुलिस द्वारा की गई इस कार्रवाई को बड़ी सफलता माना जा रहा है। फिलहाल पुलिस आरोपियों से पूछताछ कर रही है और गिरोह से जुड़े अन्य लोगों की तलाश जारी है।

भोपुरा में जमीन पर कब्जे की कोशिश, किसानों का उग्र विरोध- 'जान दे देंगे, जमीन नहीं'

कपिल चौहान

गाजियाबाद (वेलकम इंडिया)। गाजियाबाद के भोपुरा गांव में आज उस समय तनाव की स्थिति उत्पन्न हो गई जब आवास विकास परिषद द्वारा किसानों की जमीन पर जबरन कब्जा करने का प्रयास किया गया। प्रशासनिक अधिकारियों की मौजूदगी में बुलडोजर के साथ पहुंची टीम का किसानों ने एकजुट होकर कड़ा विरोध किया।

किसानों का कहना है कि वर्ष 1997 में पांच गांवों की जमीन का अधिग्रहण किया गया था, लेकिन पिछले लगभग 32 वर्षों से उन्होंने कोई मुआवजा स्वीकार नहीं किया। वर्ष 2018 में किसानों और आवास विकास परिषद के बीच 25 प्रतिशत प्लॉट के आधार पर समझौता हुआ था, जिसे तत्कालीन कमिश्नर अजय चौहान की अध्यक्षता में बोर्ड बैठक में मंजूरी भी मिल चुकी थी और संबंधित प्रक्रियाएं भी पूरी कर ली गई थीं।

इसके बावजूद किसानों का आरोप है कि अब परिषद अपने ही समझौते से पीछे हट रही है और मात्र 1650 रुपये के मुआवजे का दबाव बना रही है, जिसे किसान पूरी तरह से अन्यायपूर्ण बता रहे हैं। किसानों ने यह भी आरोप लगाया कि आवास विकास कार्यालय में उनकी समस्याओं को सुनने के बजाय अधिकारियों द्वारा उनके साथ अभद्र व्यवहार किया जाता है। आज की कार्रवाई के दौरान भी किसानों ने अपनी जमीन पर डटकर विरोध किया और साफ शब्दों में चेतावनी दी कि वे किसी भी कीमत पर अपनी जमीन नहीं छोड़ेंगे। किसानों ने कहा कि 'पहले हमारी जान ले लो, लेकिन जमीन नहीं देंगे।' भारतीय किसान यूनियन (अंबावता) के जिला अध्यक्ष चौधरी अमित कसाना ने प्रशासन को चेतावनी देते हुए कहा कि यदि किसानों के साथ जबरदस्ती की गई तो प्रदेशभर के किसान भोपुरा गांव की ओर कूच करेंगे और बड़ा आंदोलन किया जाएगा, जिसकी पूरी जिम्मेदारी शासन-प्रशासन की होगी। किसानों में भारी आक्रोश देखने को मिला और उन्होंने सर्वसम्मति से निर्णय लिया कि वे 1650 रुपये का मुआवजा किसी भी हालत में स्वीकार नहीं करेंगे तथा अपने हक की लड़ाई हर स्तर पर लड़ेंगे। इस मौके पर संगठन के कई पदाधिकारी और सैकड़ों किसान मौजूद रहे।

श्री शिव बालाजी धाम मंदिर में हनुमान चालीसा का पाठ, भैरव बाबा की आरती भी हुई

वेलकम इंडिया संवाददाता

गाजियाबाद। राकेश मार्ग स्थित गुलमोहर एन्क्लेव सोसायटी के श्री शिव बालाजी धाम मंदिर में हनुमान जी की विशेष पूजा, चोला चढ़ाने एवं छप्पन भोग अर्पण का भव्य आयोजन श्रद्धा और उत्साह के साथ संपन्न हुआ। मंदिर परिसर जय श्री राम और बजरंग बली की जय के उद्घोष से गुंजायमान रहा।

मंगलवार को आयोजित इस धार्मिक कार्यक्रम में बड़ी संख्या में श्रद्धालुओं ने पहुंचकर पूजा-अर्चना कर धर्म लाभ अर्जित किया। पंडित राजीव मिश्रा के सान्निध्य में विधि-विधान से हनुमान जी का दिव्य चोला चढ़ाया गया। इसके पश्चात आकर्षक श्रृंगार कर श्रद्धापूर्वक छप्पन भोग अर्पित किया गया। आरडब्ल्यूए कार्यकारिणी एवं सोसायटी के निवासियों द्वारा सामूहिक रूप से हनुमान चालीसा का पाठ किया गया। उक्त चौपाई के साथ पूरा वातावरण भक्तिमय हो उठा। चालीसा पाठ के पश्चात सामूहिक आरती की गई, जिसमें भैरव बाबा की भी विधि-विधान से आरती उतारी गई। पूर्व अध्यक्ष एवं वर्तमान कार्यकारिणी सदस्य रश्मि चौधरी ने कहा कि हनुमान जी की कृपा से भक्तों के सभी संकट दूर होते हैं। ऐसे धार्मिक आयोजनों से जहां एक ओर समाज में आध्यात्मिक ऊर्जा का संचार होता है, वहीं नई पीढ़ी को अपनी सनातन संस्कृति से जुड़ने की प्रेरणा भी मिलती है। उन्होंने कहा कि सामूहिक भक्ति से समाज में एकता, सौहार्द और सकारात्मक वातावरण का निर्माण होता है।

आरडब्ल्यूए के पूर्व महासचिव आर.के. गर्ग ने कहा कि मंदिर सोसायटी की आस्था का केंद्र है और यहां सभी कार्यक्रम निवासियों के सहयोग व सहभागिता से सफलतापूर्वक आयोजित किए जाते हैं।

इस अवसर पर रश्मि चौधरी, आर.के. गर्ग, , नीरू गर्ग, अनुजा बंसल, निशि गुप्ता, सुमन अग्रवाल, गौरव बंसल, अनुज बंसल, , दिनेश सिंह, , प्रभात गर्ग, राहुल त्यागी, विशाल बिग, सनी ढिंगरा, सतीश गुप्ता, सुभाष गर्ग, सहित अनेक श्रद्धालु उपस्थित रहे। मंदिर के पुजारी द्वारा सभी उपस्थित भक्तों को 'जय श्री राम' लिखे पटके पहनाकर सम्मानित किया गया। कार्यक्रम के अंत में सभी भक्तों को प्रसाद वितरित किया गया, जिसमें विशेष रूप से हलवे-चने का भोग श्रद्धापूर्वक वितरित किया गया।

नामित पार्षद बनने पर प्रदीप चौधरी का भव्य स्वागत, व्यापार मंडल ने दी शुभकामनाएं

गाजियाबाद। प्रदेश सरकार एवं संगठन द्वारा जारी नामित पार्षदों की सूची में भाजपा महानगर गाजियाबाद के मीडिया प्रभारी और राष्ट्रीय व्यापार मंडल के राष्ट्रीय सचिव प्रदीप चौधरी का नाम शामिल होने पर व्यापारियों में खुशी की लहर दौड़ गई। इस अवसर पर राष्ट्रीय व्यापार मंडल ने मंगलवार को उनका भव्य स्वागत करते हुए हार्दिक बधाई दी। कार्यक्रम के दौरान व्यापार मंडल के पदाधिकारियों ने प्रदीप चौधरी को पटका और फूलमालाएं पहनाकर सम्मानित किया। साथ ही पार्टी के शीर्ष नेतृत्व और भाजपा संगठन के प्रति आभार व्यक्त किया गया। इस मौके पर जिलाध्यक्ष बालकिशन गुप्ता, पंडित अशोक भारतीय, आशु पंडित, संजय शर्मा, रितेश शर्मा और विशाल जैन सहित अनेक व्यापारी एवं पदाधिकारी उपस्थित रहे और उन्होंने प्रदीप चौधरी को शुभकामनाएं दीं। जिलाध्यक्ष बालकिशन गुप्ता ने कहा कि प्रदीप चौधरी का नाम नामित पार्षद के रूप में शामिल होना संगठन की कार्यशैली और समर्पित कार्यकताओं के सम्मान का प्रतीक है। उन्होंने विश्वास जताया कि प्रदीप चौधरी अपने दायित्वों का निर्वहन पूरी ईमानदारी और निष्ठा के साथ करते हुए जनसेवा के नए आयाम स्थापित करेंगे। राष्ट्रीय व्यापार मंडल ने इस निर्णय का स्वागत करते हुए सरकार और संगठन का आभार प्रकट किया।

मोदीनगर में जीडीए का बड़ा एक्शन: अवैध निर्माणों पर चला बुलडोजर, विवाह मंडप समेत कई निर्माण सील

कपिल चौहान

गाजियाबाद (वेलकम इंडिया)। गाजियाबाद विकास प्राधिकरण (जीडीए) ने अवैध निर्माण और कालोनियों के खिलाफ सख्त रुख अपनाते हुए मोदीनगर क्षेत्र में बड़ी कार्रवाई की। उपाध्यक्ष के निर्देश पर प्रवर्तन जोन-02 की टीम ने विभिन्न स्थानों पर चल रहे अवैध निमार्णों को चिन्हित कर सीलिंग और ध्वस्तीकरण की कार्रवाई की।

कार्रवाई के दौरान ग्राम डिडोली (निवाड़ी) में करीब 2000 वर्ग मीटर क्षेत्र में टीन शेड डालने के लिए किए जा रहे निर्माण कार्य को रोका गया। वहीं, निवाड़ी रोड पर नगर पालिका मार्केट के सामने लगभग 6000 वर्ग मीटर में बन रहे विवाह मंडप को भी सील कर दिया गया।

इसके अलावा पिलर नंबर-1219 के सामने 150 वर्ग मीटर प्लॉट में बन रहे बेसमेंट निर्माण को ध्वस्त किया गया। वहीं खसरा संख्या-704 में करीब 1500 वर्ग मीटर क्षेत्र में अवैध कॉलोनी विकसित करने और 8 दुकानों के निर्माण को भी जमींदोज कर दिया गया।

जीडीए अधिकारियों के अनुसार मौके पर किसी भी निर्माण के लिए स्वीकृत नक्शा या वैध दस्तावेज प्रस्तुत नहीं किए गए। इसके चलते संबंधित लोगों के खिलाफ चालानी कार्रवाई भी की जा रही है।

ध्वस्तीकरण अभियान के दौरान कॉलोनाइजरों और निर्माणकताओं ने विरोध भी किया, लेकिन भारी पुलिस बल की मौजूदगी में जीडीए की टीम ने पूरी कार्रवाई को सफलतापूर्वक अंजाम दिया। इस दौरान अवैध कॉलोनी में बनाई गई सड़क, बाउंड्री वॉल और साइट ऑफिस को भी तोड़ दिया गया।

जीडीए ने स्पष्ट किया है कि अवैध निर्माण और कालोनियों के खिलाफ आगे भी इसी तरह सख्त कार्रवाई जारी रहेगी।

मोहन नगर की फैक्ट्री में भीषण आग, फायर टीम की तत्परता से टला बड़ा हादसा

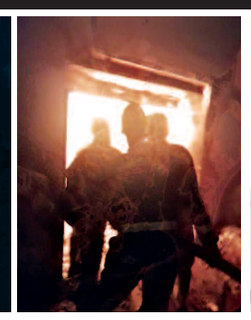

कपिल चौहान

गाजियाबाद (वेलकम इंडिया)। आनंद इंडस्ट्रीज एरिया, मोहन नगर स्थित एक फैक्ट्री में सोमवार देर रात भीषण आग लगने से इलाके में हड़कंप मच गया। रात 23:12 बजे टऊळ-1223 के माध्यम से सूचना प्राप्त होते ही फायर सर्विस की टीम तत्काल मौके के लिए रवाना हो गई।

घटनास्थल पर पहुंचने पर पाया गया कि कृष्णा पॉलीमर्स फैक्ट्री में आग विकराल रूप ले चुकी थी। प्रभारी अधिकारी के नेतृत्व में फायर कर्मियों ने तुरंत फायर टेंडरों से हौज पाइप फैलाकर आग बुझाने का कार्य शुरू किया। कड़ी मेहनत और सूझबूझ के चलते आग पर समय रहते काबू पा लिया गया, जिससे आसपास की अन्य फैक्ट्रियों को भी सुरक्षित बचा लिया गया।

प्रारंभिक जांच में सामने आया कि फैक्ट्री में मशीनों के माध्यम से प्लास्टिक के दाने बनाने का कार्य होता था, जहां संभवतः इलेक्ट्रिक शॉर्ट सर्किट के कारण आग लगी। घटना के समय फैक्ट्री मालिक रश्मि गुलाटी मौके पर मौजूद थीं।

गनीमत रही कि इस हादसे में किसी प्रकार की जनहानि नहीं हुई। आग बुझाने के बाद फायर विभाग ने स्थलीय निरीक्षण कर आवश्यक दिशा-निर्देश दिए और टीम वापस फायर स्टेशन लौट गई।

दिल्ली-मेरठ फ्लाईओवर पर दर्दनाक हादसा: सीमेंट के कट्टों ने ली एक युवक की जान, दूसरा गंभीर रूप से घायल

कपिल चौहान

गाजियाबाद (वेलकम इंडिया)। गाजियाबाद के थाना क्रॉसिंग क्षेत्र में सोमवार को एक भीषण सड़क हादसे ने इलाके में सनसनी फैला दी। क्रॉसिंग स्थित एबीईएस कॉलेज के सामने दिल्ली-मेरठ फ्लाईओवर पर हुए इस हादसे में एक युवक की मौत हो गई, जबकि दूसरा गंभीर रूप से घायल है।

प्राप्त जानकारी के अनुसार, फ्लाईओवर पर जा रही एक ट्रैक्टर-ट्रॉली से अचानक सीमेंट के कट्टे सड़क पर गिर गए। इसी दौरान पीछे से आ रही स्प्लेंडर बाइक उन कट्टों से टकराकर अनियंत्रित होकर फिसल गई। बाइक सवार दोनों युवक सड़क पर गिर पड़े।

हादसा यहीं नहीं रुका—पीछे से आ रहे एक अन्य तेज रफ्तार वाहन ने गिरी हुई बाइक को जोरदार टक्कर मार दी, जिससे दोनों युवक गंभीर रूप से घायल हो गए।

मौके पर मौजूद लोगों ने मानवता दिखाते हुए तुरंत दोनों घायलों को नजदीकी अस्पताल पहुंचाया। लेकिन रास्ते में ही श्रीनिवास ने दम तोड़ दिया, जबकि उनके साथी अभिषेक की हालत नाजुक बनी हुई है और उनका इलाज जारी है।

घायल

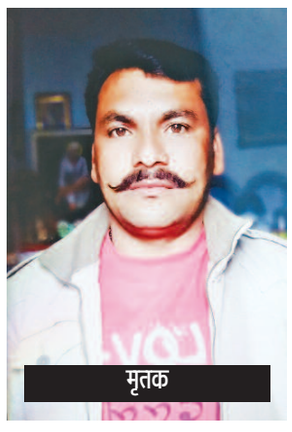
मृतक

घटना के बाद मौके पर अफरा-तफरी मच गई। सूचना मिलते ही पुलिस मौके पर पहुंची और हालात को नियंत्रित करते हुए शव को कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया। साथ ही हादसे के कारणों की गहन जांच शुरू कर दी गई है।

लापरवाही बनी हादसे की वजह?

प्रारंभिक जांच में सामने आया है कि ट्रैक्टर-ट्रॉली में लोड सामान को सही तरीके से सुरक्षित नहीं किया गया था, जिससे यह बड़ा हादसा हुआ। पुलिस संबंधित वाहन चालक की तलाश में जुटी है।

प्रशासन ने वाहन चालकों से अपील की है कि वे ओवरलोडिंग और बिना सुरक्षा के सामान ले जाने से बचें, ताकि इस तरह के दर्दनाक

जिलास्तरीय बैंकिंग बैठक में विकास योजनाओं पर जोर, वार्षिक ऋण योजना का शुभारंभ

वेलकम इंडिया संवाददाता

गाजियाबाद। जनपद के समग्र आर्थिक विकास को गति देने के उद्देश्य से महात्मा गांधी सभागार, कलेक्ट्रेट में मंगलवार को जिलास्तरीय बैंकिंग समन्वय समिति एवं बैंकिंग समीक्षा समिति की बैठक आयोजित की गई। बैठक की अध्यक्षता मुख्य विकास अधिकारी श्री अभिनव गोपाल ने की, जो जिलाधिकारी श्री रविन्द्र कुमार मॉदड़ के निर्देशन में संपन्न हुई। बैठक के दौरान मुख्य विकास अधिकारी ने सभी बैंकों को सरकारी विकास योजनाओं में सक्रिय भागीदारी सुनिश्चित करने के निर्देश दिए। उन्होंने कहा कि बैंकिंग प्रणाली को मजबूत बनाते हुए आमजन तक योजनाओं का लाभ पहुंचाना प्राथमिकता होनी चाहिए। अग्रणी जिला प्रबंधक श्री बुद्ध राम ने दिसंबर तिमाही 2025 तक की बैंकिंग उपलब्धियों का विस्तृत प्रस्तुतिकरण किया। इस दौरान विभिन्न बैंकों के प्रदर्शन की समीक्षा की गई। समीक्षा के क्रम में मुख्य विकास अधिकारी ने सभी जिला समन्वयकों को साख-जमा अनुपात बढ़ाने तथा लंबित प्रकरणों का शीघ्र निस्तारण सुनिश्चित करने के निर्देश दिए। बैठक में साख-जमा अनुपात की गहन समीक्षा करते हुए यह पाया गया कि कुछ बैंकों का अनुपात 60 प्रतिशत से कम है। इस पर मुख्य विकास अधिकारी ने संबंधित बैंकों को आगामी तिमाही में सुधार लाने के लिए बैंकवार रणनीति तैयार करने के निर्देश दिए।